रांची से प्रकाशित लोकप्रिय दैनिक

अलग पहचान

सत्य की उड़ान

मंगलवार
09 जून -2026
वर्ष 10, अंक 275
पेज 8, मूल्य 2 रुपए
रांची

पेज-8

संक्षिप्त समाचार

मणिपुर के उखरुल में असम राइफल्स का विरोध

● बंकर तोड़ा, झड़प में 22 तंगखुल महिलाएं घायल

उखरुल (एजेंसी)। मणिपुर के उखरुल जिले के शोक्वाओ और न्यू हेवन इलाके में रविवार सुबह सैकड़ों महिलाएं असम राइफल्स के जवानों और वाहनों के आगे दीवार बनकर खड़ी हो गईं। मशालें, लाठियां लिए ये तंग्खुल नगा महिलाएं जवानों को आगे नहीं बढ़ने दे रही थीं। सैन्य अधिकारियों ने चेतावनी दी। इसके बावजूद वे डटी रहीं और 'हमारी जमीन, हमारा अधिकार' नारे लगाती रहीं। स्थानीय लोगों के मुताबिक, जवानों ने पुलिस और मजिस्ट्रेट की गैरमौजूदगी में कई राउंड हवाई फायर किए

और लाठीचार्ज किया। प्रदर्शन कर रही महिलाओं से धक्का-मुक्की भी की गई। हालांकि सोशल मीडिया पर सामने आए एक वीडियो में जवानों ने यह दावा किया है कि विरोध कर रही महिलाओं ने उन पर पेट्रोल डालकर जलाने की कोशिश की। रिपोर्ट्स में एक प्रदर्शनकारी के पैर पर गोली लगने का दावा किया गया। वहीं, 22 महिलाएं घायल हो गईं। इन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सूत्रों के मुताबिक, शोक्वाओ गांव की महिलाओं ने न्यू हेवन की ओर बढ़ रहे काफिले को शनिवार देर रात ही रोक लिया था। इससे रातभर तनाव रहा। सुबह होते ही एक समूह ने शोक्वाओ पर ब्लॉकेड बनाया, तो दूसरे ने न्यू हेवन में सुरक्षा बल का बंकर ध्वस्त कर दिया। आरोप है कि असम राइफल्स ने शोक्वाओ की विलेज अथॉरिटी की सहमति के बिना न्यू हेवन में अस्थायी बंकर बनाया। यह मणिपुर एक्ट, 1956 व आर्टिकल 371सी के तहत है।

बिना शादी सहमति से संबंध खराब चरित्र का आधार नहीं

● सुप्रीम कोर्ट बोला-ऐसा कोई कानून नहीं, अर्जी दायर करने वाले की पुलिस नियुक्ति को मंजूरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कहा कि दो अविवाहित बालिगों के बीच सहमति से बने शारीरिक संबंध को किसी व्यक्ति के चरित्र को खराब बताने का आधार नहीं बनाया जा सकता। कोर्ट ने साफ कहा कि ऐसा कोई कानून नहीं है, जो दो बालिग और अविवाहित लोगों को अपनी पसंद का संबंध रखने से रोकता हो। जस्टिस मनमोहन और जस्टिस मनोज मिश्रा की बेंच ने यह टिप्पणी तेलंगाना स्टेट लेवल पुलिस रिक्रूटमेंट बोर्ड के एक मामले की सुनवाई के

दौरान की। कोर्ट ने उस उम्मीदवार की अपील मंजूर कर ली, जिसकी पुलिस कांस्टेबल भर्ती रद्द कर दी गई थी। कोर्ट ने कैंडीडेट को अपॉइंट करने का निर्देश दिया।

बोर्ड ने नियुक्ति के अयोग्य ठहरा दिया था- बोर्ड के मुताबिक, उम्मीदवार की नियुक्ति इसलिए रद्द की गई थी क्योंकि उसके खिलाफ 2014 में शादी का वादा कर दुष्कर्म का मामला दर्ज हुआ था। भर्ती बोर्ड ने इसे नैतिक अधमता (मॉरल टरपिट्यूड) का मामला मानते हुए उसे अयोग्य ठहराया था। कैंडीडेट ने इसी को चुनौती दी थी। हालांकि, यह मामला एक असफल प्रेम संबंध से जुड़ा था। रिकॉर्ड के अनुसार, उम्मीदवार और शिकायतकर्ता पड़ोसी थे और करीब चार साल तक रिश्ते में रहे थे।

एलएनजी संकट में भारत का संकटमोचन बना कोयला

● इस तरकीब से बचाए 28000 करोड़, कभी कहा था डर्टी फ्यूल

नई दिल्ली (एजेंसी)। कोयला... एक ऐसी चीज जिसका इंडस्ट्री ने ईंधन के रूप में इस्तेमाल काफी हद तक बंद कर दिया था, आज फिर से संकटमोचन बनकर उभरा है। ईरान-अमेरिका युद्ध के कारण होर्मुज पर नाकाबंदी के चलते भारत को ईंधन आयात में काफी परेशानी हो रही है। ऐसे में खाड़ी देशों से क्रूड ऑयल और एलएनजी काफी कम मात्रा में आने से इंडस्ट्री भी संकट में है। इस परेशानी से निपटने के लिए सरकार ने फिर से कोयले के इस्तेमाल की इजाजत दे दी है। कोयला लंबे समय तक डर्टी फ्यूल यानी प्रदूषण फैलाने वाला ईंधन माना जाता रहा है। लेकिन अब ईंधन संकट के कारण इसे एक स्वच्छ ट्रांजिशन फ्यूल के रूप में देख रहा है। कोल गैसीफिकेशन (कोयला गैसीकरण) तकनीक के जरिए अब कोयला देश की बढ़ती औद्योगिक ऊर्जा मांग को पूरा करने की योजनाओं के केंद्र में आ गया है। ऐसे में भारतीय इंडस्ट्री ने अपनी निर्भरता एलएनजी से हटाकर कोयले पर बढ़ानी शुरू कर दी है। विशेषकर उन भारी उद्योगों में जहां तुरंत बिजली का इस्तेमाल (इलेक्ट्रीफिकेशन) करना बेहद मुश्किल है।

● ये कंपनियां कर रहीं इस्तेमाल- जिंदल स्टील-एलएनजी की कमी के कारण कंपनी ने अपने स्टील निर्माण संयंत्रों के लिए कोयला गैसीकरण के जरिए बनने वाली सिंथेसिस गैस का इस्तेमाल शुरू कर दिया है। अल्ट्राटेक-यह सीमेंट कंपनी अपने ऊर्जा मिश्रण में घरेलू कोयले की हिस्सेदारी को लगातार बढ़ा रही है। महिंद्रा एंड महिंद्रा-कंपनी अपने पूरे इकोसिस्टम में जीवाश्म ईंधन आधारित प्रक्रियाओं को बिजली से संचालित करने के रास्ते तलाश रही है।

● सरकार की 37,500 करोड़ रुपये की योजना- उद्योगों के इन प्रयासों को बढ़ावा देने और विदेशों पर निर्भरता कम करने के लिए केंद्र सरकार ने हाल ही में 37,500 करोड़ रुपये की प्रोत्साहन योजना की घोषणा की है। इस योजना का मुख्य उद्देश्य एलएनजी, अमोनिया, मेथनॉल, उर्वरक और अन्य औद्योगिक कच्चे माल के आयात पर होने वाले 2.77 लाख करोड़ रुपये के भारी खर्च और निर्भरता को कम करना है। सरकार ने कोयला गैसीकरण से काफी विदेशी मुद्रा की बचत की है। सरकार ने हाल ही में बताया था कि कोयला गैसीकरण से आयातित तेल, मेथनॉल और अमोनिया पर निर्भरता कम करके अब तक 28000 करोड़ रुपये की विदेशी मुद्रा की बचत हुई है। सरकार इस कार्यक्रम के दूसरे चरण को शुरू करने की तैयारी कर रही है। हाल ही में निवेशकों के साथ हुई एक बैठक में कोयला मंत्रालय ने कहा कि 2023-24 में शुरू किए गए योजना के पहले चरण में 85,000 करोड़ रुपये का निवेश जुटाया गया है और इससे सालाना 23 मिलियन टन कोयले का उपयोग संभव हो पाया है। जबकि दूसरे चरण के लिए प्रस्ताव का मसौदा जल्द ही जारी होने की संभावना है, अधिकारियों ने कहा कि अंतिम बोली दस्तावेज जुलाई में आने की उम्मीद है।

टीएमसी नेता जहांगीर खान नेपाल बॉर्डर से गिरफ्तार

● अवैध वसूली का आरोप, देश छोड़ने की कोशिश में थे; फालता सीट से चुनाव लड़ा था

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स ने सोमवार को टीएमसी नेता जहांगीर खान को गिरफ्तार कर लिया। यह गिरफ्तारी नेपाल बॉर्डर के पास से हुई। पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले के फालता पुलिस स्टेशन में खान के खिलाफ 7 एफआईआर की गई थीं। वह नेपाल भागने की फिराक में था। अभी बंगाल पुलिस की तरफ से इस पर कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। पुलिस जहांगीर को कोलकाता ला रही है। न्यूज एजेंसी के मुताबिक जहांगीर को अवैध वसूली करने के आरोप में पकड़ा गया है। हालांकि कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में पहले यह दावा किया गया था कि जहांगीर के समर्थकों ने महिलाओं को गैंगरेप की धमकी दी थी। इसके कारण उनकी गिरफ्तारी हुई है। जहांगीर ने 2026 का विधानसभा चुनाव फालता सीट से लड़ा था। चुनाव के दौरान हुई गड़बड़ियों के कारण यहां 21 मई को दोबारा वोटिंग हुई थी। दोबारा चुनाव से 48 घंटे पहले ही जहांगीर ने मैदान छोड़ दिया था और कहा था कि वे चुनाव से अपना नाम वापस ले रहे हैं।

मई में अपने खिलाफ एफआईआर दर्ज होने पर हाईकोर्ट गए थे- मई 2026 में जहांगीर ने कलकत्ता हाईकोर्ट में याचिका दायर कर अपने खिलाफ दर्ज मामलों की जानकारी और गिरफ्तारी से संरक्षण मांगा था। उनका आरोप था कि उनके खिलाफ लगातार कई आपराधिक मामले दर्ज किए जा रहे हैं।

टीएमसी में 'खेला', बागी हुए 20 सांसद

● लोकसभा स्पीकर को पत्र लिखकर मांगी मान्यता ● काकोली घोष दस्तीदार होंगी बागी गुट की नई नेता

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में विधायक दल में बिखराव के बाद टीएमसी संसदीय दल में टूट कन्फर्म हो गई है। तृणमूल कांग्रेस के 20 सांसदों ने लोकसभा स्पीकर ओम बिरला को पत्र लिखकर संसद में अलग व्यवस्था देने की मांग की है। सांसदों ने अपने पत्र में बताया है कि वह एनडीए में शामिल होना चाहते हैं। हस्ताक्षर करने वालों में अरुप चक्रवर्ती, पार्थ भौमिक, शताब्दी रॉय, जगदीश वसुनिया, काकोली घोष दस्तीदार, प्रसून बनर्जी, कालीपदा सोरेन, शर्मिला सरकार, जून मालिया, वापी हलदर, असित मल, सुवेंदु

शेखर रॉय समेत 20 सांसद बताए जा रहे हैं। बागी गुट की नेता के तौर काकोली घोष दस्तीदार को मान्यता देने की मांग की गई है।

● सांसदों ने मीटिंग के बाद बनाया गुट

लोकसभा अध्यक्ष को अलग गुट की मान्यता देने की चिट्ठी लिखने से पहले सोमवार को केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव के आवास पर बागियों की मीटिंग हुई। मीटिंग में राज्यसभा सांसद सुखेंदु शेखर राय भी शामिल थे। बाद में सुखेंदु शेखर रॉय ने सभापति सी. पी. राधाकृष्णन से मुलाकात कर राज्यसभा से इस्तीफा दे दिया और टीएमसी छोड़ने की घोषणा की। उन्होंने बताया कि मैंने पार्टी से इस्तीफा देने के अपने फैसले से ममता बनर्जी को व्हाट्सऐप और ईमेल के जरिये अवगत करा दिया है। विधानसभा में विधायक दल में टूट पर हो रहे दावों पर सुखेंदु रॉय ने कहा कि क्या कोई यह बता सकता है कि राज्यसभा या लोकसभा में वैसी ही स्थिति पैदा नहीं होगी।

● ममता बनर्जी की घट गई ताकत- बता दें कि तृणमूल कांग्रेस संसदीय दल में बगावत उस समय हुई है, जब ममता बनर्जी और अभिषेक बनर्जी इंडिया गठबंधन की मीटिंग में बीजेपी के खिलाफ एकजुटता दिखा रहे थे। टीएमसी सांसदों में संभावित बगावत को रोकने के लिए पहले अभिषेक बनर्जी दिल्ली पहुंचे थे। उसके बाद शनिवार शाम को ममता बनर्जी दिल्ली पहुंची थी, लेकिन टीएमसी सांसदों की टूट को नेतृत्व नहीं रोक पाया। विधायकों के बाद सांसदों के अलग गुट बना लेने से ममता बनर्जी की टीएमसी को तगड़ा झटका लगा है।

● सुखेंदु का दावा-टीएमसी के लोग से ममता से नाराज- टीएमसी के वरिष्ठ नेता सुखेंदु शेखर ने राज्यसभा सांसद पद से इस्तीफा दे दिया और पार्टी भी छोड़ दी। त्यागपत्र में उन्होंने ममता के 15 साल के अराजक शासन को पार्टी की हार का नतीजा बताया और भाजपा की तारीफ की थी। राज्यसभा के चेयरमैन सीपी राधाकृष्णन ने सुखेंदु शेखर का इस्तीफा मंजूर कर लिया है। सुखेंदु ने इस्तीफे के बाद मीडिया से कहा था कि पार्टी के कई लोग ममता मनमाने ढंग से पार्टी चला रही थीं, इसी वजह से इस्तीफा दे दिया।

झारखंड राज्यसभा चुनाव: कॉमरेड अरूप चटर्जी बोले - महागठबंधन एकजुट

साजिद, राज्य ब्यूरो चीफ,झारखंड प्रदेश/ झारखंड में राज?यसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। सत्ताधारी महागठबंधन के सभी दलों में एकजुटता का माहौल दिख रहा है, जबकि विपक्षी दलों में बेचैनी साफ नजर आ रही है।

सूत्रों के अनुसार, महागठबंधन (कांग्रेस, झारखंड मुक्ति मोर्चा और राजद) के कुछ विधायकों के तेलंगाना शिफ्ट होने की खबरें भी चर्चा में हैं, जिसे लेकर सत्ताधारी खेमे में सतर्कता बरती जा रही है।

झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने (8 जून 2026) रांची में राज?यसभा चुनाव के नामांकन कार्यक्रम में हिस्सा लिया। झामुमो के वरिष्ठ नेता बैद्यनाथ राम और कांग्रेस नेता प्रणव झा के नामांकन पत्र दाखिल करने के मौके पर सीएम सोरेन मौजूद रहे। इसके बाद सत्ताधारी दलों के सभी नेताओं के साथ अहम बैठक भी हुई।

बैठक में भाकपा माले के वरिष्ठ नेता सह निरसा के विधायक कॉमरेड अरूप चटर्जी भी मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के साथ उपस्थित रहे। कॉमरेड अरूप चटर्जी ने कहा,

> 'महागठबंधन पूरी तरह एकजुट है। राज?यसभा चुनाव में हमारा उम्मीदवार भारी मतों से जीतेगा। विपक्ष किसी भी तरह की साजिश रचे, चाहे विधायकों को शिफ्ट करने की कोशिश करे, हम सब

मिलकर उसका मुकाबला करेंगे। झारखंड की जनता विकास और सामाजिक न्याय की लड़ाई लड़ रही है, इस लड़ाई में हम सब कंधे से कंधा मिलाकर खड़े हैं।'

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने भी इस मौके पर महागठबंधन की मजबूती पर जोर देते हुए कहा कि सभी घटक दल एकमत से चुनाव लड़ रहे हैं और जीत निश्चित है।

राजनीतिक विशेषज्ञों का मानना है कि नामांकन और बैठक के जरिए महागठबंधन ने विपक्ष को साफ संदेश दिया है कि सत्ता पक्ष पूरी तरह तैयार और एकजुट है। राज?यसभा चुनाव में क्रॉस वोटिंग की आशंका को देखते हुए सत्ताधारी दल विधायकों की सुरक्षा और एकता बनाए रखने पर विशेष ध्यान दे रहे हैं।

यह चुनाव झारखंड की सियासी दिशा तय करने के साथ-साथ आगामी विधानसभा चुनावों के लिए भी अहम माना जा रहा है।

नितिन नवीन की 'पुरानी गद्दी' पर जेडीयू की नजर

● दीघा के बदले बांकीपुर की ख्वाहिश, अभी खाली है सीट

पटना (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के राज्यसभा जाने के बाद खाली हुई बांकीपुर में अभी तक बीजेपी उम्मीदवार की चर्चा चल रही थी लेकिन अब ये सवाल सामने आया है कि बांकीपुर विधानसभा सीट पर बीजेपी का उम्मीदवार चुनाव लड़ेगा या जदयू का। यह सवाल इसलिए कि जदयू के सूत्र बताते हैं कि बांकीपुर विधानसभा सीट पर जदयू के रणनीतिकारों ने दावा ठोक डाला है। बांकीपुर के विधायक रहे नितिन नवीन के राज्यसभा जाने के

बाद अब बांकीपुर विधानसभा के लिए उपचुनाव होना है। इस बीच जदयू के रणनीतिकारों को यह ख्याल आया कि राजधानी पटना के मेन हार्ट लैंड में फुलवारी विधानसभा के अलावा कोई सीट नहीं है। इसलिए जदयू ने यह मोर्चा खाला है। इसके साथ साथ जदयू पटना के मेन हार्ट लैंड में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाना चाहती है। जदयू के रणनीतिकार इस मंशा को खारिज भी करना चाहते हैं।

● साल 2015 से बदला समीकरण- साल 2015 विधानसभा चुनाव से पहले जनता दल यू ने एनडीए का साथ छोड़ दिया था। तब जेडीयू ने यह चुनाव महागठबंधन के साथ लड़ा था। तब बीजेपी की तरफ से संजीव चौरसिया और जनता दल यू से राजीव रंजन चुनाव लड़े थे। इस चुनाव में जदयू हार गई थी। तब बीजेपी उम्मीदवार संजीव चौरसिया को 92,671 (50.74 प्रतिशत) और जदयू के राजीव रंजन को 67,892 वोट मिले थे।

झारखंड राज्यसभा चुनाव: महागठबंधन और एनडीए आमने-सामने

अन्नपूर्णा गुप्ता,मुख्य संपादक,नई दिल्ली/

झारखंड में राज्यसभा की सीटों के लिए नामांकन की प्रक्रिया संपन्न हो गई है। शुक्रवार को झामुमो के बैद्यनाथ राम, कांग्रेस के प्रणव झा और निर्दलीय परिमल नथवाणी ने अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। एनडीए ने निर्दलीय उम्मीदवार परिमल नथवाणी को अपना पूर्ण समर्थन घोषित कर दिया है। वहीं महागठबंधन (झामुमो-कांग्रेस-राजद-भाकपा माले) ने बैद्यनाथ राम और प्रणव झा को अपना उम्मीदवार बनाया है। राज्यसभा चुनाव में झारखंड की दो सीटें खाली हो रही हैं।

महागठबंधन सरकार की संख्या बल को देखते हुए दोनों सीटें उसके खाते में जा सकती हैं, लेकिन एनडीए परिमल नथवाणी के जरिए कम से कम एक सीट पर कड़ी टक्कर देने की रणनीति बना रहा है।

समर्थन और स्थिति - महागठबंधनः झारखंड मुक्ति मोर्चा, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस, राष्ट्रीय जनता दल और भाकपा माले के विधायकों का पूरा समर्थन बैद्यनाथ राम और प्रणव झा के पक्ष में है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में महागठबंधन पूरी तरह एकजुट दिख रहा है।

एनडीएः भाजपा, आजसू और अन्य सहयोगी दलों ने निर्दलीय उम्मीदवार परिमल नथवाणी को समर्थन देने का फैसला किया है। परिमल नथवाणी औद्योगिक क्षेत्र से जुड़े जाने-पहचाने चेहरे हैं और एनडीए उन्हें अपनी मजबूती दिखाने के लिए मैदान में उतार रहा है। राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि महागठबंधन अपने दोनों उम्मीदवारों को जिताने के लिए पूरी ताकत झोंक रहा है, जबकि एनडीए क्रॉस वोटिंग की संभावना तलाश रहा है। सूत्रों के अनुसार, कुछ विधायकों को प्रभावित करने की कोशिशें भी हो रही हैं, जिसके चलते सत्ताधारी दल सतर्क है।

पृष्ठभूमि -यह चुनाव झारखंड की वर्तमान सियासी समीकरणों को परखने के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है। महागठबंधन की सरकार होने के बावजूद विपक्ष एनडीए किसी भी तरह की दरार का फायदा उठाने की कोशिश में लगा है। नामांकन के बाद अब मतदान और गिनती की प्रक्रिया पर सभी की नजरें टिकी हुई हैं। परिणाम आने तक दोनों खेमे अपने-अपने स्तर पर रणनीति तैयार कर रहे हैं। राजनीतिक विश्लेषक मानते हैं कि यह चुनाव केवल दो सीटों का नहीं, बल्कि आगामी विधानसभा चुनाव से पहले शक्ति प्रदर्शन का भी है।

अभी यह स्पष्ट नहीं है कि अंतिम रूप से कितने उम्मीदवार चुनाव मैदान में रहेंगे, क्योंकि नाम वापसी की आखिरी तारीख अभी शेष है। परिणाम का इंतजार जारी है।

संक्षिप्त समाचार

गोड्डा के कोयला-परसा मार्ग पर दरगाह के पास जलजमाव से लोग परेशान

गोड्डा, एजेंसी। गोड्डा जिले के महागमा प्रखंड के ग्राम पंचायत कोयला में बुनियादी सुविधाओं का अभाव अब आम जनता के लिए जी का जंजाल बन गया है। कोयला-परसा मुख्य मार्ग पर कोयला दरगाह के पास पिछले कई महीनों से सड़क पर गंदा पानी जमा है। नाला निर्माण नहीं होने के कारण इस मुख्य रास्ते ने अब एक गंदे तालाब का रूप ले लिया है, जिससे आने-जाने वाले राहगीरों और स्थानीय लोगों की परेशानी कोयला दरगाह के ठीक सामने हमेशा गंदा और बदबूदार पानी जमा रहता है। इससे यहां आने वाले अकीदतमंदों और नमाजियों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। पवित्र स्थल के पास इस तरह जलजमाव होने से लोगों की धार्मिक भावनाएं भी आहत हो रही हैं। वहीं, दूषित पानी के कारण मच्छरों का प्रकोप बढ़ गया है, जिससे क्षेत्र में महामारी फैलने का खतरा मंडरा रहा है। समस्याका कोई प्रशासनिक समाधान न निकलता देख अब ग्रामीणों ने अपनी स्थानीय विधायक और राज्य की ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडेय सिंह से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। ग्रामीणों को उम्मीद है कि विभाग की कमान संभाल रहीं उनकी विधायक इस गंभीर मुद्दे को प्राथमिकता देगी।

सरायकेला-खरसावां: एनएच-33 पर दो ऑटो की टक्कर, 6 लोग घायल

चांडिल, एजेंसी। चांडिल थाना क्षेत्र अंतर्गत टाटा-रांची मार्ग एनएच-33 पर कारनीडीह-भादुडीह के पास रविवार सुबह करीब 7:30 बजे दो सवारी ऑटो (टेम्पो) के बीच भीषण टक्कर हो गई। इस हादसे में दोनों ऑटो (टेम्पो) में सवार कुल 6 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। जबकि टक्कर के बाद एक ऑटो (टेम्पो) अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार टक्कर इतनी तेज थी कि जोरदार आवाज सुनकर आसपास के लोग घटनास्थल की ओर दौड़ पड़े। घटना स्थल पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया और घायलों की चीख-पुकार से पूरा इलाका दहल उठा। हादसे के बाद कुछ समय के लिए एनएच-33 पर यातायात भी प्रभावित हो गया। घटना की सूचना मिलते ही हाइवे पर अबतक दर्जनों लोगों की जान बचाने वाले स्थानीय युवक शेखर गांगुली और स्थानीय ग्रामीणों ने तत्परता दिखाते हुए दुर्घटनाग्रस्त ऑटो में फंसे सभी घायलों को बाहर निकाला। इसके बाद आनन-फानन में एम्बुलेंस को सूचना दी गई और सभी घायलों को प्राथमिक इलाज के बाद बेहतर इलाज के लिए एमजीएम अस्पताल जमशेदपुर भेजा गया। घायलों की स्थिति पर नजर रखी जा रही है।

रामगढ़ पहुंचे भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन, ढोल-नगाड़ों के साथ हुआ जोरदार स्वागत

रामगढ़, एजेंसी। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन रविवार सुबह करीब 7:00 बजे झारखंड के रामगढ़ जिला पहुंचे, जहां कार्यकर्ताओं में खासा उत्साह देखा गया। उनके आगमन पर शहीद निर्मल महतो चौक पर ढोल-नगाड़ों और फूल-मालाओं के साथ भव्य स्वागत किया गया। सुबह 6:00 बजे से ही कार्यकर्ता फूल-माला लेकर अपने नेता के स्वागत के लिए कतार में खड़े थे। नितिन नवीन के पहुंचते ही कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी करते हुए उनका जोरदार अभिनंदन किया। झारखंडी परंपरा के अनुसार उन्हें पत्तों का मुकुट पहनाया गया। इसके बाद उन्होंने लाइन में लगे कार्यकर्ताओं से मुलाकात की। रांची से रामगढ़ तक विभिन्न स्थानों पर भाजपा के झंडे और पोस्टर लगाए गए थे। रामगढ़ पहुंचने पर नितिन नवीन ने सबसे पहले शहीद निर्मल महतो की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इसके बाद कार्यकर्ताओं ने उन्हें गुलाब के फूल और बुके देकर स्वागत किया।

बड़गाईं जमीन मनी लॉन्ड्रिंग मामले में सीएम हेमंत सोरेन को राहत नहीं, डिस्चार्ज याचिका खारिज

रांची, एजेंसी। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को 8.86 एकड़ जमीन घोटाले और मनी लॉन्ड्रिंग मामले में बड़ा झटका लगा है। प्रीवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट पीएमएलए की विशेष कोर्ट ने सीएम हेमंत सोरेन की डिस्चार्ज याचिका खारिज कर दी। पिछली सुनवाई में कोर्ट ने इडी और सीएम हेमंत सोरेन का पक्ष सुनने के बाद अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। सोमवार को कोर्ट ने अपना फैसला सुनाते हुए याचिका खारिज कर दी है। डिस्चार्ज याचिका खारिज होने के बाद अब यह केस ट्रायल की ओर बढ़ सकता है। यह मामला बड़गाईं के 8.86 एकड़ जमीन से जुड़ा हुआ है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने इस मामले में पांच दिसंबर 2025 को याचिका दाखिल कर खुद को निर्दोष बताते हुए मामले से आरोप मुक्त किए जाने की मांग की थी। इस याचिका पर दोनों पक्षों की बहस पूरी होने के बाद अदालत ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था।

प्रदेश में तेज हुई प्री मानसून एक्टिविटी

13 जून तक कई जिलों में वज्रपात और हल्की बारिश

रांची, एजेंसी। झारखंड में प्री-मानसून गतिविधियां तेजी पकड़ चुकी हैं। राज्य के कई हिस्सों में मौसम का मिजाज लगातार बदल रहा है। रविवार को रामगढ़ जिले में वज्रपात की अलग-अलग घटनाओं में दो लोगों की मौत हो गई। दो अन्य घायल हो गए। मृतकों में कुजू के 16 वर्षीय साहिल कुमार उर्फ तूफान और रामगढ़ प्रखंड के गंडके पाहन टोला निवासी 30 वर्षीय राजू मुंडा शामिल हैं। घायल लोगों में साहिल के पिता विनोद महतो भी शामिल हैं।

इसके अलावा जामताड़ा जिले के नारायणपुर प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत चरकपानी गांव के रहने वाले शाहजहां शेख की आकाशीय बिजली की चपेट में आने से दर्दनाक मौत हो गई। मौसम विभाग के अनुसार बंगाल की खाड़ी से आ रही नमी युक्त हवाओं और अनुकूल परिस्थितियों के कारण राज्य में गरज-चमक और बारिश की गतिविधियां बढ़ी हैं। आने वाले दिनों में भी यह सिलसिला जारी रहने की संभावना जताई गई है।

राजधानी रांची में रविवार को दिनभर मौसम का रंग बदलता रहा। सुबह बादल छाए रहने से लोगों को गर्मी से राहत मिली, लेकिन दोपहर बाद तेज धूप निकलने से उमस बढ़ गई और परेशानी बढ़ गई। शाम करीब तीन बजे बरियातू क्षेत्र में हल्की बूंदाबांदी भी हुई। रांची का अधिकतम

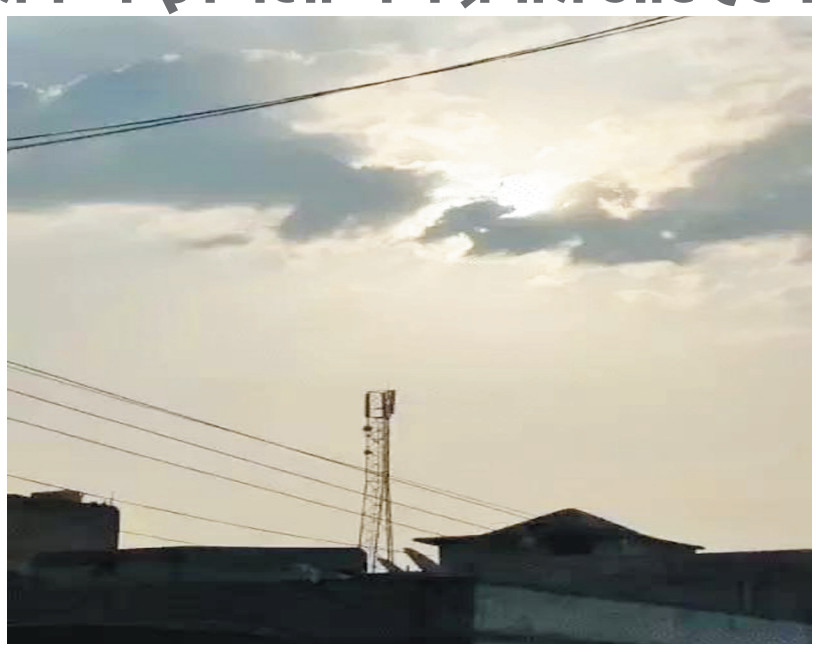

तापमान 34.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

वहीं, राज्य के अन्य हिस्सों में भी मौसम में उतार-चढ़ाव देखने को मिला। पिछले 24 घंटे में सिमडेगा के ठेठईटांगर में 70.3 मिमी, कुरडेग में 61.4 मिमी और गोबिंदपुर में 60.8 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई। बहरागोड़ा में 23.5 मिमी वर्षा हुई। दूसरी ओर डालटनगंज 40.9 डिग्री के साथ सबसे गर्म स्थान रहा।

मौसम विभाग ने 13 जून तक राज्य के कई जिलों में गर्जन, वज्रपात और हल्की से मध्यम बारिश की संभावना जताई है। 11 जून को गोड्डा, पाकुड़, दुमका, देवघर, जामताड़ा, गिरिडीह, धनबाद, बोकारो और कोडरमा समेत 10 जिलों में ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। इन इलाकों में 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवा चलने की आशंका है।

रांची, खूंटी, सिमडेगा, गुमला, पश्चिमी और पूर्वी सिंहभूम, सरायकेला-खरसावां और लोहरदगा में दोपहर या शाम के समय तेज गर्जन के साथ बारिश हो सकती है। वहीं, पलामू, गढ़वा और चतरा में हल्की गतिविधियां देखने को मिल सकती हैं।

बारिश की संभावना के बावजूद पलामू प्रमंडल के जिलों में गर्मी का असर बना रहेगा। मेदिनीनगर, गढ़वा और चतरा में अधिकतम तापमान 40 से 43 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है, जिससे लोगों को उमस भरी गर्मी का सामना करना पड़ेगा। मौसम विभाग का कहना है कि वास्तविक तापमान से 4-5 डिग्री अधिक गर्मी महसूस हो सकती है।

वहीं, रांची, खूंटी, गुमला, सिमडेगा और लोहरदगा जैसे दक्षिणी जिलों में मौसम अपेक्षाकृत सुहावना रहेगा। यहां तापमान 32 से 35 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने और बीच-बीच में बारिश से राहत मिलने की संभावना है। कुल मिलाकर राज्य में अगले कुछ दिनों तक दिन में गर्मी और उमस तथा शाम या रात में बारिश और वज्रपात का दौर जारी रह सकता है।

कॉफी विद एसडीएम: गढ़वा में 10 जून को सजेगी 'चर्चा की मेज'

गढ़वा, एजेंसी। प्रशासन और जनता के बीच की दूरी को कम करने के लिए गढ़वा अनुमंडल पदाधिकारी (एसडीएम) संजय कुमार की ओर से शुरू किया गया अनूठा संवाद कार्यक्रम 'कॉफी विद एसडीएम' इस सप्ताह एक खास थीम के साथ आयोजित होने जा रहा है। आगामी बुधवार, 10 जून को होने वाली इस बैठक में जिले के तमाम सामाजिक संगठनों और गैर-सरकारी संस्थाओं को आमंत्रित किया गया है। यह कार्यक्रम बुधवार पूर्वाह्न 11 बजे से अनुमंडल कार्यालय के सभागार में आयोजित किया जाएगा, जहां चाय-कॉफी की चुस्कियों के बीच गढ़वा के विकास का रोडमैप तैयार होगा।संवाद कार्यक्रम की रूपरेखा साझा करते हुए एसडीएम संजय कुमार ने कहा कि समाज में बदलाव लाने के लिए प्रशासन के साथ-साथ सामाजिक संस्थाओं की भागीदारी बेहद जरूरी है। सामाजिक और सामुदायिक कार्यों में जुटे संगठनों के पास जमीनी हकीकत का गहरा अनुभव होता है। उनके पास कई ऐसे नवाचारपूर्ण सुझाव होते हैं, जिनका उपयोग कर हम जनहित के कार्यों को और अधिक प्रभावी और पारदर्शी बना सकते हैं।

कांग्रेस के भूपेश बघेल और अजय शर्मा ने सीएम हेमंत सोरेन से की मुलाकात

रांची, एजेंसी। राज्यसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस की ओर से पर्यवेक्षक बनाए गए भूपेश बघेल और अजय शर्मा ने सीएम हेमंत सोरेन से मुलाकात की। करीब दो घंटे चली मुलाकात के बाद मुख्यमंत्री आवास से बाहर निकलने पर भूपेश बघेल ने मीडिया से बातचीत की।

उन्होंने कहा कि कहीं कोई गतिरोध नहीं है और महागठबंधन के उम्मीदवार राज्यसभा की दोनों सीटों पर जीत दर्ज करेंगे। उन्होंने साफ कहा कि महागठबंधन के दलों के बीच कोई मिसअंडरस्टैंडिंग नहीं है। भूपेश बघेल ने कहा कि काफी सौहार्दपूर्ण माहौल में मुख्यमंत्री के साथ वार्ता हुई है।

वहीं अजय शर्मा ने कहा कि हमारा गठबंधन बहुत मजबूत है और महागठबंधन दोनों सीटें जीतने जा रहा है, जहां तक झामुमो के नेताओं की भावना का सवाल है, पार्टी के अंदर ऐसी भावनाएं आती हैं, लेकिन अंतिम फैसला नेता को लेना होता है। हमारी बात मुख्यमंत्री और झामुमो के केंद्रीय अध्यक्ष हेमंत सोरेन से हुई है। कहीं कोई कंफ्यूजन वाली स्थिति नहीं है।

दरअसल, कांग्रेस ने प्रणव झा को राज्यसभा की एक सीट के लिए उम्मीदवार बनाया है। इसके बाद झारखंड मुक्ति मोर्चा के तेवर बेहद तल्ख हो गए थे। पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने पार्टी के वरिष्ठ नेताओं बैठक बुलाई थी। बैठक के बाद झामुमो के विधायकों ने कांग्रेस पर एकतरफा उम्मीदवार के नाम की घोषणा कर ठेस पहुंचाने का आरोप लगाया और कहा कि झामुमो को राज्यसभा की दोनों सीटों पर उम्मीदवार खड़ा करना चाहिए। इसके बाद कांग्रेस की ओर से डैमेज कंट्रोल का प्रयास तेज हुआ। कांग्रेस की केंद्रीय नेतृत्व ने भूपेश बघेल और अजय शर्मा को ऑब्जर्वर बनाकर रांची भेजा।

जंगली भालू को पड़े से बांधकर मदारी फरार, वन विभाग ने किया रेस्क्यू

दुमका, एजेंसी। एक-दो दशक पहले तक मदारी वन्य जीव भालू का खेल गली-मोहल्ले में दिखाते नजर आते थे। जब से सरकार की सख्ती बढ़ी तो भालू का खेल दिखना बंद हो गया। लेकिन आज भी चोरी-छुपे ग्रामीण इलाकों में यह जारी है। इसका उदाहरण दुमका में देखने को मिला, जब शिकारीपाड़ा प्रखंड के एक गांव में मदारी भालू को लेकर पहुंचा था। जब उसे पता चला कि वन विभाग की टीम आने वाली है तो वह भालू को एक पेड़ से बांधकर भाग निकला। फिलहाल भालू को फॉरेस्ट विभाग ने अपने कब्जे में ले लिया है और उसे दुमका वन क्षेत्र के डिपो में रखा गया है।

जिला के शिकारीपाड़ा प्रखंड के मंझलाडीह गांव में शुक्रवार शाम ग्रामीणों ने देखा कि नुरुल नाम का एक मदारी अपने दो जमूरे के साथ एक विशाल भालू को लेकर घूम रहा है। कहीं-कहीं रुक कर वह भालू का खेल भी दिख रहा था। इसी बीच किसी ने यह सूचना वन विभाग को दे दी कि प्रतिबंधित वन्य जीव का खुलेआम खेल

दिखाया जा रहा है। यह जानकारी पाकर शिकारीपाड़ा वन विभाग की टीम मंझलाडीह गांव के लिए रवाना हो गई लेकिन इस बीच मदारी और उसके साथियों को यह भनक लग गई की वन विभाग की टीम आ रही है। उन्होंने फौरन भालू को एक पेड़ से बांध दिया और मौके से फरार हो गए।

इधर शिकारीपाड़ा के वन अधिकारी तारणी मंडल जब मौके पर पहुंचे तो भालू को पेड़ से बंधा पाया। इसकी सूचना वरीय अधिकारी को देने पर दुमका से एक बड़ा पिंजरा गांव भेजा गया। इधर पिंजरा देख भालू काफी उग्र हो गया। उसे पिंजरे में डालने में चार से पांच घंटे का वक्त लग गया। फिलहाल इसे दुमका के वन विभाग के डिपो में लाकर रखा गया है। साथ ही उस मदारी के ऊपर एफआईआर करने की प्रक्रिया चल रही है।

इस पूरे मामले पर शिकारीपाड़ा प्रखंड के वन विभाग अधिकारी तारणी मंडल ने बताया कि काफी मशक्कत के बाद भालू को पिंजरे में डाला जा सका। उन्होंने कहा कि इसकी सूचना वाइल्डलाइफ ऑफिसर को भेजी गई है।

गिरिडीह से शुरू हुई झारखंड टी-20 लीग की ट्राफी यात्रा

रांची टाइटंस के साथ क्रिकेट प्रेमियों में दिखा उत्साह, 10 जून से शुरू हो रहा

गिरिडीह, एजेंसी। झारखंड टी-20 लीग की बहुप्रतीक्षित ट्रॉफी यात्रा गिरिडीह से भव्य तरीके से शुरू हुई। रांची टाइटंस टीम की ट्रॉफी को सलूजा गोल्ड के कॉर्पोरेट कार्यालय से विधिवत रवाना किया गया। इस दौरान पूरे शहर में उत्सव जैसा माहौल देखने को मिला।

ट्रॉफी यात्रा जैसे-जैसे शहर के विभिन्न हिस्सों से गुजरी, क्रिकेट प्रेमियों की भारी भीड़ उमड़ती रही। जगह-जगह लोगों ने ट्रॉफी का गर्मजोशी से स्वागत किया। इसके साथ तस्वीरें खिंचवाकर अपने उत्साह का इजहार किया। शहर के प्रमुख चौक-चौराहों और सड़कों पर लोगों की मौजूदगी ने इस आयोजन को एक बड़े उत्सव का रूप दे दिया।

झारखंड क्रिकेट के इतिहास में पहली बार आयोजित हो रही यह पेशेवर टी-20 लीग 10 जून से रांची के क्रिकेट स्टेडियम में शुरू होगी। रांची टाइटंस टीम को सलूजा गोल्ड ने खरीदा है, जिससे इस टीम को मजबूत कॉर्पोरेट समर्थन मिला है। ट्रॉफी यात्रा राज्य के विभिन्न जिलों का भ्रमण करते हुए पुनः रांची पहुंचेगी। जहां लीग का उद्घाटन मुकाबला खेला जाएगा। आयोजकों के अनुसार, इस लीग का उद्देश्य राज्य के क्रिकेट को नई दिशा देना और स्थानीय खिलाड़ियों को

बड़ा मंच उपलब्ध कराना है। गिरिडीह में ट्रॉफी ने कई प्रमुख मार्गों और महत्वपूर्ण स्थलों का भ्रमण किया, जहां लोगों ने पूरे उत्साह के साथ इसका स्वागत किया।

इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक डॉ. विमल कुमार, महापौर प्रमिला मेहरा, डिप्टी महापौर सुमित कुमार तथा सलूजा गोल्ड के चेयरमैन अमरजीत सिंह सलूजा सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। अमरजीत सिंह सलूजा ने कहा कि यह लीग झारखंड क्रिकेट के लिए ऐतिहासिक पहल है, जो युवा खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का सुनहरा अवसर प्रदान करेगी।वहीं पुलिस अधीक्षक डॉ. विमल कुमार ने इसे राज्य के लिए गर्व का विषय बताया और कहा कि गिरिडीह की भागीदारी से यहां के खेल प्रेमियों में विशेष उत्साह है। वक्ताओं ने एक स्वर में कहा कि यह लीग झारखंड के क्रिकेटरों को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी और राज्य में खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने का मार्ग प्रशस्त करेगी।

सीएम हेमंत को पीएमएलए कोर्ट से मिला झटका: डिस्चार्ज पिटीशन को अदालत ने किया खारिज

रांची, एजेंसी। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को 8.86 एकड़ जमीन घोटाले और मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़े मामले में बड़ा झटका लगा है। पीएमएलए की विशेष अदालत ने उनकी ओर से दाखिल डिस्चार्ज पिटीशन को खारिज कर दिया है। इस याचिका पर सुनवाई पूरी होने के बाद अदालत ने अपना फैसला सुनाते हुए स्पष्ट किया कि मामले में आरोपों को इस स्तर पर खारिज करने का आधार नहीं बनता। यह मामला बड़गाईं अंचल के शांति नगर क्षेत्र में स्थित 8.86 एकड़ जमीन के कथित अवैध अधिग्रहण और कब्जे से जुड़ा हुआ है, जिसकी जांच प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा की जा रही है।

मुख्यमंत्री की ओर से 5 दिसंबर 2025 को दाखिल डिस्चार्ज पिटीशन में दावा किया गया था कि उनके खिलाफ लगाए गए आरोप पूरी तरह

निराधार हैं और प्रवर्तन निदेशालय के पास मुकदमा चलाने के लिए पर्याप्त साक्ष्य मौजूद नहीं हैं। याचिका में यह भी कहा गया था कि उन्हें इस मामले में अनावश्यक रूप से फंसाया जा रहा है। हालांकि, अदालत ने इन दलीलों को स्वीकार नहीं किया और याचिका खारिज कर दी। अब इस फैसले के बाद मामले में आगे की न्यायिक प्रक्रिया जारी रहेगी और जांच एजेंसी द्वारा प्रस्तुत साक्ष्यों के आधार पर सुनवाई आगे बढ़ेगी।

मुख्यमंत्री आवास पर महागठबंधन दलों की हुई डिनर पॉलिटिक्स

रांची, एजेंसी। झारखंड में राज्यसभा की दो सीटों के लिए होने वाले चुनाव को लेकर महागठबंधन की सभी पार्टियों की पहली संयुक्त बैठक मुख्यमंत्री आवास पर डिनर डिप्लोमेसी के जरिए हुई। बैठक में झारखंड मुक्ति मोर्चा, कांग्रेस, राजद और सीपीआई (माले) के शीर्ष नेता और विधायक शामिल हुए।

बैठक समाप्त होने के बाद चारों दलों के नेताओं ने अपनी एकजुटता का संदेश देते हुए मुख्यमंत्री आवास से साथ-साथ बाहर निकलकर मीडिया को संबोधित किया। इस दौरान कांग्रेस विधायक दल के नेता प्रदीप यादव, राजद कोटे से मंत्री संजय प्रसाद यादव, झामुमो केंद्रीय महासचिव विनोद पांडेय और सीपीआई माले के चंद्रदेव प्रसाद ने मीडिया से बात की।

नेताओं ने साफ कहा कि महागठबंधन में कोई दरार या खाई नहीं है। सभी दल पूर्ण रूप से एकजुट हैं और चुनाव एक साथ लड़ेंगे। उन्होंने आश्वासन दिया कि कल (सोमवार) सुबह 11 बजे महागठबंधन के सभी विधायक अपने दोनों प्रत्याशियों के साथ विधानसभा पहुंचेंगे और नामांकन पत्र दाखिल करेंगे।

राजधानी में गैंगस्टर प्रिंस खान की दहशत,

दो नामी कारोबारियों से मांगी करोड़ों की रंगदारी

रांची, एजेंसी। राजधानी में कुख्यात गैंगस्टर प्रिंस खान के नाम पर दहशत फैलाने का काम जारी है। दो सप्ताह के भीतर आधा दर्जन से ज्यादा कारोबारियों से रंगदारी की डिमांड की गई है। ताजा मामला रांची का है। यहां एक बड़े ज्वेलर्स कारोबारी और एक बिल्डर से पांच-पांच करोड़ की रंगदारी मांगी गई है।

झारखंड की राजधानी रांची के कारोबारी एक बार फिर अंडरवर्ल्ड के निशाने पर हैं। विदेश में बैठे कुख्यात गैंगस्टर प्रिंस खान ने शहर के दो बड़े कारोबारियों को धमकाकर पांच-पांच करोड़ रुपये की रंगदारी मांगी है। निशाने पर आए लोगों में एक प्रतिष्ठित ज्वेलरी कारोबारी और एक नामी बिल्डर शामिल हैं। रंगदारी नहीं देने पर गंभीर अंजाम भुगतने की धमकी दी गई है, जिससे कारोबारी जगत में दहशत का माहौल बना हुआ है।

कुख्यात गैंगस्टर प्रिंस खान रांची में अपने गुर्गों की मदद से न सिर्फ होटल कारोबारियों को टारगेट

कर रंगदारी की मांग कर रहा है, बल्कि उन्हें जान से मारने की धमकी भी दे रहा है। ताजा मामले में रांची के पॉल ज्वेलर्स की संचालिका सुमन पॉल से पांच करोड़ की रंगदारी की मांग की गई है। रंगदारी की रकम नहीं देने पर उन्हें और उनके परिवार को जान से मारने की धमकी दी गई है। मामले में सुमन पॉल ने लालपुर थाना में प्रिंस खान के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई है।

सुमन पॉल की ओर से थाना में दिए गए आवेदन में कहा गया कि चार जून को रात में उनके मोबाइल पर एक व्यक्ति ने कॉल किया। फोनकर्ता ने खुद को प्रिंस खान बताया और कहा कि वह दुबई से बोल रहा है। उसने धमकी दी कि अगर उन्हें रंगदारी की रकम नहीं दी गई तो उन्हें और उनके परिवार के सदस्यों को अंजाम भुगतना पड़ेगा। फोनकर्ता ने उन्हें उनके व्हाट्सएप पर एक मैसेज भी भेजा।

रांची के लालपुर के रहने वाले बिल्डर उदय शंकर से कुख्यात गैंगस्टर प्रिंस खान ने पांच करोड़ की रंगदारी मांगी है। इस संबंध में उदय शंकर ने लालपुर थाना में प्राथमिकी दर्ज करायी है। बिल्डर उदय शंकर ने पुलिस को बताया कि पांच जून की रात साढ़े दस बजे वह अपने घर पर थे। इसी दौरान एक अज्ञात नंबर से उनके मोबाइल पर मैसेज आया। मैसेज भेजने वाले शख्स ने खुद को प्रिंस खान बताया और पांच करोड़ की रंगदारी की मांग की गई। राशि नहीं देने पर अंजाम भुगताने की धमकी भी दी गई है।

पुलिस दोनों ही मामले की जांच में जुटी हुई है। शुरुआती जांच में सामने आया है कि विदेश में बैठकर गैंगस्टर अपने नेटवर्क के जरिए रांची के कारोबारियों को लगातार टारगेट कर रहा है। इस घटना ने एक बार फिर शहर में संगठित अपराध और कारोबारियों की सुरक्षा को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं। बता दें कि कुख्यात गैंगस्टर ने दो सप्ताह के भीतर कैपिटोल हिल से संचालक से एक करोड़ के अलावा शहर के कुल आठ कारोबारियों से रंगदारी की मांग कर चुका है।

संक्षिप्त समाचार

साहिबगंज में साइबर ठगी, मोबाइल हैक कर युवक के खाते से 96,666 रुपये उड़ाए

साहिबगंज, एजेंसी। झारखंड के साहिबगंज जिले के नगर थाना क्षेत्र के कृष्णानगर स्थित एन क्लब के सामने रहने वाले शंकर मंडल साइबर ठगी का शिकार हो गए। साइबर अपराधियों ने उनके बैंक खाते से 96,666 रुपये की अवैध निकासी कर ली। मामले को लेकर पीड़ित ने नगर थाना में लिखित शिकायत दर्ज कराते हुए कार्रवाई और राशि वापस दिलाने की मांग की है। पीड़ित शंकर मंडल ने अपने आवेदन में बताया है कि 6 जून 2026 को उनके साथ साइबर फ्रॉड की घटना हुई। उन्होंने बताया कि अपना मोबाइल फोन चार्जिंग में लगाकर कुछ देर के लिए बाहर गए थे। वापस लौटने पर मोबाइल की स्क्रीन पूरी तरह ब्लैक हो गई थी और फोन के अंदर से ऑडियो जैसी आवाजें आ रही थीं। काफी प्रयास के बावजूद मोबाइल सामान्य नहीं हुआ। करीब 15 से 20 मिनट बाद मोबाइल खुद चालू हो गया। मोबाइल चालू होने के बाद उनके फोन पर बैंक खाते से राशि निकासी का संदेश प्राप्त हुआ। संदेश देखने पर पता चला कि उनके खाते से यूपीआई के माध्यम से 96,666 रुपये की निकासी कर ली गई है। शंकर मंडल का कहना है कि इस दौरान उन्हें न तो किसी प्रकार का ओटीपी प्राप्त हुआ और न ही कोई फोन कॉल आया था। ऐसे में उन्हें आशंका है कि साइबर अपराधियों ने मोबाइल हैक कर उनके खाते से राशि उड़ाई है। आवेदन में उन्होंने उल्लेख किया है कि घटना की शिकायत उन्होंने भारत सरकार के राष्ट्रीय साइबर अपराध हेल्पलाइन नंबर 1930 पर भी दर्ज कराई है। इसके बाद उन्होंने नगर थाना पहुंचकर लिखित शिकायत सौंपते हुए साइबर ठगी का मामला दर्ज करने और उनके खाते से निकाली गई राशि वापस दिलाने की मांग की है।

राज्यसभा चुनाव : परिमल नाथवानी, बैद्यनाथ राम और प्रणव झा ने नामांकन किया दाखिल, जीत के किए दावे

रांची, एजेंसी। झारखंड में राज्यसभा की रिक्त सीटों के लिए चल रही चुनावी सरगर्मी के बीच सोमवार को नामांकन का दौर जारी रहा। परिमल नाथवानी ने निर्दलीय, बैद्यनाथ राम ने झामुमो और प्रणव झा ने कांग्रेस उम्मीदवार के तौर पर अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। तीनों प्रत्याशियों ने दो-दो सेटों में अपना नामांकन पत्र सौंपा। निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में नामांकन दाखिल करने के बाद परिमल नाथवानी ने अपनी जीत के प्रति पूर्ण विश्वास जताया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं के साथ उनकी लगातार बातचीत होती रही है अपने ऊपर लगने वाले 'बाहरी' होने के आरोपों का खंडन करते हुए नाथवानी ने कहा, 'मैं बाहरी नहीं हूं। मैंने पिछले 12 वर्षों तक राज्यसभा सांसद के रूप में झारखंड के लिए काम किया है। यहां के लोग मेरी कार्यशैली और कार्यों से भली-भांति परिचित हैं।' उल्लेखनीय है कि एनडीए के 20 विधायकों ने उनके प्रस्तावक के रूप में हस्ताक्षर किए हैं। नामांकन प्रक्रिया में सत्ताधारी गठबंधन के घटक दल भी पूरी तरह सक्रिय दिखे। झामुमो प्रत्याशी बैद्यनाथ राम ने नामांकन के बाद मीडिया से बातचीत में कहा कि उनकी प्राथमिकता झारखंड के हितों की रक्षा करना और राज्य के विकास के लिए काम करना होगा। वहीं, कांग्रेस प्रत्याशी प्रणव झा के नामांकन में राजद की महत्वपूर्ण भूमिका दिखी। राजद के तीन विधायकों ने प्रणव झा के प्रस्तावक के रूप में हस्ताक्षर किए, जो महागठबंधन की एकजुटता को दर्शाता है। इस नामांकन के बाद राज्य में राजनीतिक समीकरणों पर अब सबकी निगाहें टिकी हैं। चुनावी प्रक्रिया आगे बढ़ने के साथ ही अब जोड़-तोड़ और समर्थन जुटाने की कवायद और तेज होने की संभावना है।

गढ़वा में 'आपन सरस्वतिया' बना जनआंदोलन

गढ़वा, एजेंसी। बिना किसी भारी-बरकम सरकारी बजट के, सिर्फ जनसहभागिता के दम पर गढ़वा की सरस्वतिया नदी को उसका पुराना गौरव लौटाने की कोशिशें अब एक बड़े सामाजिक आंदोलन का रूप ले चुकी हैं। गढ़वा शहर में जहां अभियान के 14 दिन पूरे हो गए, वहीं मेराल में भी इस मुहिम ने एक हफ्ता (7 दिन) का सफर तय कर लिया। इस शानदार कामयाबी के बाद, आज सोमवार से शुरू हो रहे नए सप्ताह के साथ नदी को उसका प्राकृतिक स्वरूप देने और सफाई के काम को और तेज करने की तैयारी है। प्रशासन और आम जनता के इस साझा प्रयास की सबसे बड़ी बात यह है कि इसमें आधुनिक तकनीक जैसे ड्रोन कैमरे और गूगल अर्थ की मदद से पूरी कार्ययोजना तैयार की जा रही है। गढ़वा के अनुमंडल पदाधिकारी (एसडीएम) संजय कुमार ने गढ़वा और मेराल दोनों इलाकों का खुद मुआयना किया। गढ़वा में इस मुहिम को गति देने के लिए सहीजना निवासी दीपक कुमार पाठक प्रमुख सहयोगी के रूप में सामने आए, जिनकी एसडीएम ने सराहना की। वहीं मेराल में बीडीओ सह अंचलाधिकारी यशवंत नायक के नेतृत्व में पूर्व जिला परिषद सदस्य संजय भगत, विधायक प्रतिनिधि लालमोहन और पूर्वी-पश्चिमी मेराल के मुखियाओं समेत लगभग 100 से अधिक लोग और स्थानीय मीडियाकर्मी इस अभियान में श्रमदान कर रहे हैं।

खरसावां में आदिवासी उरांव सरना समिति की बैठक,

सामाजिक एकजुटता बनाए रखने पर जोर

खरसावां, एजेंसी। खरसावां के मोसाडीह स्थित सरना चौक में आदिवासी उरांव सरना समिति की बैठक ग्राम प्रधान मंगला उरांव की अध्यक्षता में हुई। बैठक में समाज के सामाजिक, शैक्षणिक, सांस्कृतिक और आर्थिक विकास से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। समाज के हर स्तर पर सशक्त बनाने पर जोर दिया गया। बैठक के दौरान आदिवासी उरांव समाज की रूढ़िगत परंपराओं, रीति-रिवाजों, कला-संस्कृति, भाषा-लिपि और कुड़ुख भाषा की पहचान को संरक्षित और सशक्त बनाने पर विशेष जोर दिया गया। साथ ही समाज में व्याप्त कुरीतियों को समाप्त करने पर भी विचार किया गया। इसमें सामाजिक आयोजनों में आर्थिक बोझ कम करने के साथ साथ कर्जमुक्त समाज, नशामुक्त समाज, दहेजमुक्त विवाह व्यवस्था तथा बाल विवाह उन्मूलन जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर गंभीर चर्चा हुई।

बैठक में जन्म संस्कार, विवाह संस्कार एवं मरण संस्कार से जुड़े नेग नियमों के पालन को आवश्यक बताते हुए एक स्वस्थ और संगठित समाज के निर्माण पर बल दिया गया। मुखिया इंद्रजीत उरांव ने विवाह व्यवस्था, संस्कार एवं नेग-नियमों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने इन परंपराओं को समाज का मूल आधार बताते हुए सभी से सामाजिक नेग-नियमों का पालन करने की अपील की। उन्होंने कहा कि संस्कारों और परंपराओं के अनुरूप जीवनशैली अपनाने से समाज में एकता, अनुशासन और सद्भाव मजबूत होता है। वहीं रीमा उरांव ने मरण संस्कार से जुड़े नियमों पर प्रकाश डाला। शिक्षा के महत्व पर शिक्षक हरेन उरांव ने विस्तृत जानकारी दी, जबकि शिक्षक भागरथी उरांव ने नशामुक्त समाज के निर्माण पर अपने विचार रखे। इस दौरान सामाजिक नेग नियमों का अनुपालन करने के प्रति भी समाज के लोगों को प्रेरित किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान जमशेदपुर के प्रभारी प्राचार्य वीरेंद्र उरांव ने समाज में एकजुटता बनाए रखने पर जोर दिया।

साथ ही युवाओं को शिक्षा एवं रोजगार की दिशा में आगे बढ़ाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि सामाजिक एकता ही समाज की सबसे बड़ी शक्ति है। लोगों से मातृभाषा को बढ़ावा देते हुए अपने बच्चों को पढ़ा लिखा कर शिक्षित बनाने की अपील की। कार्यक्रम का संचालन बाबा कार्तिक उरांव पुस्तकालय के अध्यक्ष धर्मेंद्र उरांव ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन शिक्षक हिरु उरांव द्वारा दिया गया।

बैठक में पंचायत समिति सदस्य रीमा उरांव, वार्ड सदस्य सुमन मिंज सुनिल कुमार टोप्पो, धरणीसेन उरांव, देबु उरांव, जयराम उरांव, पाहन सह ग्राम प्रधान बिर सिंह उरांव, मथुरा उरांव, गोविंद उरांव, धीरेन सेन उरांव, संतोष उरांव, काली चरण उरांव, मकुंद उरांव, कार्तिक उरांव, शालीग्राम उरांव, राधु उरांव, दशरथ उरांव समेत बिटापुर, सोखानडीह, शहरबेडा, नाराणडीह, सकुलटांड, कदमबेडा, बांधडीह, मोसोडीह, तेंतुलटांड, पदमपुर आदि गांव से बड़ी संख्या में लोग पहुंचे थे।

रसोई गैस 29 रुपये महंगी, अब 981.50 रुपये में मिलेगा सिलेंडर

जमशेदपुर, एजेंसी। पेट्रोल-डीजल के बाद अब घरेलू रसोई गैस भी एक बार फिर महंगी हो गई है। तेल कंपनियों ने 14.2 किलोग्राम वाले घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमत में 29 रुपये की बढ़ोतरी की है। इसके बाद जमशेदपुर में इसकी कीमत 952.50 रुपये से बढ़कर 999.50 रुपये नहीं, बल्कि 981.50 रुपये हो गई है। वहीं, उपभोक्ताओं को अब 10 किलोग्राम वाले कंपोजिट सिलेंडर के लिए भी अधिक जेब ढीली करनी होगी। इसकी कीमत में भी 20.50 रुपये की वृद्धि की गई है। पहले इसकी कीमत 680 रुपये थी, जो अब बढ़कर 700.50 रुपये की जगह 701 रुपये हो गई है।नई दरें तत्काल प्रभाव से लागू कर दी गई हैं। इससे पहले मार्च में भी घरेलू एलपीजी सिलेंडर के दाम बढ़ाए गए थे, जबकि एक जून को व्यावसायिक एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में भी बढ़ोतरी की गई थी। लगातार बढ़ रही महंगाई से आम आदमी के घर का बजट पूरी तरह गड़बड़ा गया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि गैस की कीमतों में बार-बार हो रही इस बढ़ोतरी से मध्यमवर्गीय परिवारों पर आर्थिक बोझ काफी ज्यादा बढ़ गया है।

रांची पुलिस के शिकंजे में अपराधी, होमगार्ड जवान पर चाकू से हमला कर की थी लूटपाट

रांची, एजेंसी। 25 मई को रांची के चुटिया इलाके में होमगार्ड जवान के साथ चाकू के बल पर हुए लूटकांड का पुलिस ने खुलासा करते हुए दो अपराधियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अपराधियों ने होमगार्ड जवान पर चाकू से हमला भी किया था जिसकी वजह से वह घायल हुए थे। अपराधियों ने जवान की वर्दी को झाड़ियां में फेंक दिया था।

रांची सिटी एसपी पारस राणा ने बताया कि 25 मई की रात्रि समय करीब 02.30 बजे चुटिया थाना क्षेत्र अंतर्गत पंचवटी चौक के पास दो अज्ञात अपराधकर्मियों के द्वारा स्कूटी सवार गृहरक्षक गणेश राम पर चाकू से हमला कर स्कूटी लूट ली। जिस संबध में चुटिया थाना कांड सं0-65/26, दिनांक-25.05.2026, धारा-126 (2)/309 (4)/3 (5) भा0न्या0स0 दर्ज किया गया था। घटना के समय गृहरक्षक गणेश राम, सादे लिवास में थे उनकी वर्दी स्कूटी के डिक्की में थी। घटना के पश्चात गृहरक्षक के वर्दी को अपराधियों ने पंचवटी चौक के पास काली मंदिर के सामने रोड पर फेंक दिया गया था।

सिटी एसपी ने बताया कि मामले की गंभीरता को देखते हुए इसके उद्भेदन एवं संलिप्त अज्ञात अपराधकर्मी की गिरफ्तारी के लिए एक छापामारी टीम का गठन किया गया। छापामारी टीम के द्वारा विभिन्न स्थानों में लगे सीसीटीवी फुटेज के अवलोकन, तकनीकी अनुसंधान एवं गुप्त सूचना के आधार पर कांड में दो संदिग्ध सुखदेव गंझू एवं अभिषेक मुंडा को हिरासत में लेकर पूछताछ किया गया।

पूछताछ के क्रम में इन्होंने कांड में अपनी संलिप्तता स्वीकार कर ली। अभियुक्तों की निशानदेही पर कांड में प्रयुक्त चाकू एवं लूटी गयी स्कूटी को बरामद किया गया है। सिटी एसपी ने बताया कि लूट की गयी स्कूटी को गिरफ्तार अभियुक्तों के द्वारा मोडिफाई कर फर्जी नंबर प्लेट

करोड़ों की लागत से बना आवास परिसर बेकार

अधिकारी मुख्यालय छोड़ शहर से कर रहे आवागमन

पाटन, एजेंसी। पलामू जिले के पाटन प्रखंड परिसर में निर्मित दो मंजिला नवनिर्मित अधिकारी आवास पिछले एक वर्ष से बंद पड़ा है। बिजली और पानी सहित अन्य आवासीय पूर्ण व्यवस्था होने के बावजूद इस सरकारी भवन में कोई रहने वाला नहीं है नतीजतन ताला लटक रहा है। राज्य सरकार के सख्त नियमों के अनुसार सभी प्रखंड स्तरीय पदाधिकारियों और कर्मचारियों को अनिवार्य रूप से प्रखंड मुख्यालय में ही निवास करना है। इसके बावजूद बीडीओ, सीओ, सीडीपीओ और पशुपालन विभाग के अधिकारी जिला मुख्यालय मेदिनीनगर या अपने निजी घरों से प्रतिदिन आवागमन कर रहे हैं। इस मनमानी के कारण जहां करोड़ों रुपये की सरकारी संपत्ति का सदुपयोग नहीं हो पा रहा है, वहीं सुदूर क्षेत्रों से आने वाले ग्रामीणों को अपने दैनिक कार्यों के लिए भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

सरकारी नियमों और जांच के डर से बचने के लिए पूर्व में कुछ अनोखे तरीके भी अपनाये गये। जब सरकार के आदेश के बाद जिला के वरीय पदाधिकारियों ने दबाव बनाया तो पूर्व बीडीओ सोमनाथ बनर्जी ने प्रशासनिक कार्रवाई और जिला स्तरीय अधिकारियों के औचक निरीक्षण से बचने के लिए पाटन में किराये पर एक कमरा ले रखा था। हालांकि, वह इस कमरे में कभी रुके नहीं और इसका उपयोग केवल जांच के दौरान दिखावे के लिए किया जाता था।वर्तमान समय में करोड़ों की लागत से तैयार इस चार इकाई वाले आधुनिक शासकीय परिसर को पूरी तरह उपेक्षित छोड़ दिया गया है, जो सीधे तौर पर नियमों की अनदेखी को दर्शाता है।

अधिकारियों के प्रखंड मुख्यालय में न रहने के कारण कार्यालय में उनके आने और जाने का कोई समय निर्धारित नहीं है। पाटन प्रखंड की विभिन्न पंचायतों से आने वाले ग्रामीण दिनभर कार्यालय परिसर में इंतजार करने के बाद शाम को निराश होकर खाली हाथ लौटने को मजबूर हैं। जाति, आवासीय, आय प्रमाण पत्र या अन्य आवश्यक राजस्व संबंधी साधारण कार्यों के लिए भी जनता को एक सप्ताह से अधिक समय तक भटकना पड़ रहा है।इस प्रशासनिक अव्यवस्था को देखने या सुनने वाला कोई नहीं है।स्थानीय ग्रामीणों का आरोप है कि जब वे इस अनियमितता को लेकर अधिकारियों से सवाल करते हैं, तो उन्हें संतोषजनक उत्तर देने के बजाय प्रताड़ित किया जाता है।

पलामू में बोले सुदेश महतो भ्रष्टाचार अब शिष्टाचार बन गया, युवाओं को बदलना होगा हालात

पलामू, एजेंसी। झारखंड के पूर्व उपमुख्यमंत्री और आजसू पार्टी सुप्रीमो सुदेश महतो ने राज्य में बढ़ते भ्रष्टाचार पर चिंता जताते हुए कहा कि भ्रष्टाचार अब शिष्टाचार का रूप ले चुका है। हालात बदलने की जिम्मेदारी युवाओं पर है। रविवार को पलामू में आयोजित आजसू पार्टी के युवा प्रमंडलीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने यह बात कही।

सम्मेलन में सुदेश महतो के अलावा आजसू के केंद्रीय प्रवक्ता देवशरण भगत, केंद्रीय उपाध्यक्ष प्रवीण प्रभाकर, केंद्रीय महासचिव उमेश सिंह भोक्ता समेत कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे। यह सम्मेलन पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत आयोजित किया गया था।

सम्मेलन को संबोधित करते हुए सुदेश महतो ने कहा कि राजनीति मां-बाप से भी बड़ी जिम्मेदारी है। मैट्रिक पास करने वाले बच्चों को दो नजरिए से देखा जाता है। कम अंक लाने वाले बच्चों को स्कूल, परिवार और समाज प्रताड़ित करता है। मां-बाप भी उनका हौसला तोड़ देते हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि बच्चों के मन में यह बात भर दी जाती है कि वे अच्छा नहीं कर सकते। ऐसे बच्चों की सोच को बड़ा करना होगा। वे बेहतर प्रदर्शन कर सकते हैं और समाज के लिए भी बेहतर काम कर सकते हैं।

सुदेश महतो ने आगे कहा कि कोई सहज व्यक्ति राजनीति नहीं कर सकता। असहज रूप से सोचने वाला व्यक्ति ही सहज नेतृत्व कर सकता है। यह साधारण काम नहीं है।

मीडिया से बातचीत में सुदेश महतो ने बताया कि पलामू में नई पीढ़ी के युवाओं से संवाद का यह कार्यक्रम पहले से तय था। उन्होंने कहा कि झारखंड को अपनी चेतना और ऊर्जा से आगे ले जाने का फैसला किया गया है। उन्होंने कहा कि आजसू पार्टी झारखंड को गढ़ रही है। बिना गढ़े झारखंड की बौद्धिक और राजनीतिक सोच को बड़ा नहीं किया जा सकता। सम्मेलन में युवाओं को राजनीति में सक्रिय भूमिका निभाने और राज्य के विकास में योगदान देने का आह्वान किया गया।

गिरिडीह में पिता ने तीन बेटियों की गला रेतकर की हत्या, जांच में जुटी पुलिस

गिरिडीह, एजेंसी। गिरिडीह जिले के मुफस्सिल थाना क्षेत्र अंतर्गत मोहनपुर पंचायत के ग्राम तुरुकडीहा में सोमवार को एक ऐसी सनसनीखेज घटना सामने आई, जिसने पूरे इलाके को स्तब्ध कर दिया। यहां एक पिता ने अपनी ही तीन मासूम बेटियों की गला रेतकर निर्मम हत्या कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार आरोपी की पहचान नंदकिशोर यादव के रूप में हुई है। आरोप है कि उसने अपनी तीन बेटियों पलवी कुमारी(12 वर्ष), रिद्धि कुमारी (7 वर्ष) और सिद्धि कुमारी (7 वर्ष) की धारदार हथियार से गला रेतकर हत्या कर दी। यह घटना देर रात की बताई जा रही है, जबकि सोमवार सुबह मामले का खुलासा होने पर गांव में कोहराम मच गया।

सुबह जब परिजनों और ग्रामीणों को घटना की जानकारी मिली तो उन्होंने मुफस्सिल थाना पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही सदर एसडीपीओ जीतबाहन उराओं, मुफस्सिल थाना प्रभारी श्याम किशोर महतो सहित भारी संख्या में पुलिस बल मौके पर पहुंचा। पुलिस ने घटनास्थल को घेराबंदी कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस ने तीनों बच्चियों के शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेजने की तैयारी में जुट गई है। वहीं आरोपी पिता नंदकिशोर यादव को मौके से ही गिरफ्तार कर लिया गया है। मामले को लेकर सदर एसडीपीओ जीतबाहन उराओं ने बताया कि प्रारंभिक जांच में हत्या के कारणों का स्पष्ट खुलासा नहीं हो पाया है।

राजमहल में ड्रग्स नेटवर्क पर पुलिस का प्रहार, 13.17 ग्राम एमडीएमए के साथ दो गिरफ्तार

रांची, एजेंसी। पुलिस ने नशे के कारोबार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए साहिबगंज जिला के राजमहल थाना क्षेत्र के फुलवरिया पटाल बगीचा से 13.17 ग्राम एमडीएमए ड्रग्स बरामद किया है। छापेमारी के दौरान दो युवकों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। सोमवार को प्रेस वार्ता कर एसडीपीओ विमलेश कुमार त्रिपाठी ने बताया कि पुलिस अधीक्षक को मिली गुप्त सूचना के बाद एक टीम गठित की गई थी।

विशेष टीम ने प्रखंड विकास पदाधिकारी सह अंचलाधिकारी मोहम्मद युसुफ की उपस्थिति में छापेमारी की। पुलिस को देखते ही एक युवक भागने लगा, लेकिन जवानों ने पीछा कर उसे दबोच लिया। तलाशी में उसके पास से 13.17 ग्राम एमडीएमए बरामद हुआ। गिरफ्तार युवक की पहचान मुर्गीटोला निवासी फकरुद्दीन शेख उर्फ मिंटु (29) के रूप में हुई। पूछताछ में फुलवरिया निवासी सलमान शेख की संलिप्तता सामने आने पर पुलिस ने उसे भी गिरफ्तार कर लिया।

दोनों के खिलाफ राजमहल थाना कांड संख्या 181/2026 के तहत एनडीपीएस एक्ट की धारा 21/27 में मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

एक सप्ताह में किसानों को 50 प्रतिशत अनुदान पर 400 क्विंटल धान का दिया जाएगा बीज

सरायकेला, एजेंसी। सरायकेला-खरसावां जिले में मानसून के आगमन की आहट के साथ किसानों की उम्मीदें भी बढ़ने लगी हैं। मौसम विभाग के संकेतों के अनुसार अगले एक से डेढ़ सप्ताह के भीतर जिले में मानसून पहुंचने की संभावना है। इसके मद्देनजर ग्रामीण क्षेत्रों में कृषि कार्यों की तैयारियां तेज हो गई हैं। किसान खेतों की जुताई, मेड़बंदी और अन्य आवश्यक कार्यों को तेजी से पूरा करने में जुटे हैं, ताकि अच्छी बारिश के साथ खरीफ खेती की शुरुआत की जा सके। जिले में कृषि मुख्य रूप से वर्षा पर आधारित है। ऐसे में मानसून की पहली बारिश किसानों के लिए बेहद महत्वपूर्ण मानी जाती है। बारिश शुरू होते ही धान की नर्सरी तैयार करने और रोपाई से जुड़े कार्यों में तेजी आने की उम्मीद है। कृषि विभाग ने भी खरीफ मौसम को लेकर अपनी तैयारियां पूरी कर ली हैं।

विभागीय अधिकारियों के अनुसार किसानों को समय पर धान बीज उपलब्ध कराने की व्यवस्था की जा रही है और जल्द ही विभिन्न प्रखंडों में बीज वितरण का कार्य शुरू होगा। सरायकेला-खरसावां जिले के किसानों को आगामी एक से डेढ़ सप्ताह के भीतर बीज विनिमय योजना के तहत 400 क्विंटल धान बीज उपलब्ध कराया जाएगा। कृषि विभाग ने खरीफ मौसम को देखते हुए इसकी तैयारी पूरी कर ली है। योजना के तहत किसानों को धान बीज 50 प्रतिशत अनुदान पर दिया जाएगा। जिले के कृषि परिदृश्य पर नजर डालें तो यहां 1,148 गांवों में कुल 76,388 किसान खेती-किसानी से जुड़े हुए हैं। जिले में कुल 1,46,046 हेक्टेयर कृषि योग्य भूमि है। इनमें 63 प्रतिशत क्षेत्र अपलैंड, 24 प्रतिशत मीडियम लैंड तथा 12 प्रतिशत लोलैंड श्रेणी में आता है। वहीं जिले में कुल 5,729 हेक्टेयर क्षेत्र सिंचित है, जबकि अधिकांश खेती अब भी मानसूनी वर्षा पर निर्भर है। फिलहाल किसान आसमान की ओर टकटकी लगाए मानसून की पहली फुहार का इंतजार कर रहे हैं, जो जिले में खेती की नई उम्मीद लेकर आएगी।

जिला कृषि पदाधिकारी रोशन नीलकमल ने बताया कि प्रथम चरण में किसानों के बीच 400 क्विंटल धान बीज का वितरण किया जाएगा। इसके लिए टेंडर प्रक्रिया पूरी कर ली गई है। बीज का वितरण लैंपस के माध्यम से किया जाएगा, ताकि किसानों को समय पर गुणवत्तापूर्ण बीज उपलब्ध हो सके। उन्होंने बताया कि इस चरण में एमटीयू-1010, तथा एमटीयू-7029 जैसी उन्नत किस्मों के धान बीज किसानों को उपलब्ध कराए जाएंगे। ये किस्में बेहतर उत्पादन क्षमता और स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप मानी जाती हैं। जिला कृषि पदाधिकारी ने कहा कि बीज विनिमय योजना के बाद फसल विस्तार योजना के तहत भी किसानों को धान बीज उपलब्ध कराया जाएगा। इस योजना के अंतर्गत किसानों को 100 प्रतिशत अनुदान पर बीज प्रदान किए जाएंगे। विभाग का प्रयास है कि मानसून के आगमन से पहले किसानों को पर्याप्त मात्रा में बीज उपलब्ध हो सके।

संक्षिप्त समाचार

नहर में गिरी कार, विधायक से मिलने गए 4 लोगों की दर्दनाक मौत

अरवल, एजेंसी। बिहार के अरवल में बड़ा हादसा हो गया। डीएसपी आवास के पास एक तेज रफ्तार सफारी कार मोड़ पर अचानक अनियंत्रित होकर सोन नदी पर बनी नहर में जा गिरी। कार के पानी में डूबने के कारण उसमें सवार चार युवकों की दम घुटने से मौत हो गई। एक की हालत गंभीर बतायी जा रही है। विधायक से बिना मिले लौट रहे थे दोस्त: हादसे का शिकार सभी पांचों दोस्त पटना जिले के रहने वाले थे। रविवार को सफारी गाड़ी पर सवार होकर अरवल विधायक मनोज कुमार शर्मा से मिलने के लिए पहुंचे थे, लेकिन अचानक मिलने का कार्यक्रम कैंसिल हो गया। इसके बाद सभी दोस्त वापस अपने घर पटना लौट रहे थे, तभी रास्ते में भीषण हादसा हो गया। गोताखोरों की मदद से रेस्क्यू: घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग, पुलिस और गोताखोरों की टीम मौके पर पहुंची। रात का वक्त होने की वजह से रेस्क्यू ऑपरेशन चलाने और गाड़ी को बाहर निकालने में भारी परेशानी हुई। कड़ी मशक्कत के बाद प्रशासन ने क्रेन की मदद से कार को बाहर निकाला और शवों को कब्जे में लिया। हादसे में घायल रोहित कुमार को सुरक्षित बचाकर सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मृतकों में बिहटा के रिशांक कुमार, कंकड़बाग के अमन कुमार और मनेर के मनोज कुमार शामिल हैं। चौथे युवक की पहचान की जा रही है।

गंडक नदी में बड़ा हादसा, नहाने गए 7 युवकों में से 4 डूबे

गोपालगंज, एजेंसी। बिहार के गोपालगंज में दर्दनाक हादसा हुआ है। जिले के जादोपुर थाना क्षेत्र के मशान थाना क्षेत्र स्थित गंडक नदी में नहाने गए सात युवकों में चार युवक डूब गए। हालांकि स्थानीय लोगों की मदद से तीन को बचा लिया गया है, जबकि एक अब भी लापता है। लापता युवक की खोजबीन जारी है। लापता युवक की पहचान गोपालपुर थाना क्षेत्र के सपहां गांव निवासी घनश्याम लाल श्रीवास्तव का 21 वर्षीय बेटा अमन कुमार के रूप में की गई। लापता युवक बीकॉम का छात्र था और अपने मामा के घर नगर थाना क्षेत्र के श्रीरामनगर वार्ड 26 में रहकर पढ़ाई करता था। मृतक दो भाइयों में छोटा था। घटना के बाद युवक के परिजनों में कोहराम मची है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। घटना के बारे में बताया जाता है कि भीषण गर्मी से राहत पाने और नहाने के उद्देश्य से सातों युवक एक साथ गंडक नदी के किनारे पहुंचे थे। नदी में नहाने के दौरान युवकों को पानी की गहराई का अंदाजा नहीं मिल सका और वे गहरे पानी की चपेट में आ गए। वहीं, एक-दूसरे को डूबता देख युवकों ने शोर मचाना शुरू किया। चीख-पुकार सुनकर नदी के किनारे मौजूद स्थानीय ग्रामीण तुरंत मौके की ओर दौड़े। ग्रामीणों ने बेहद बहादुरी दिखाते हुए नदी में छलांग लगा दी और कड़ी मशक्कत के बाद तीन युवकों को सकुशल पानी से बाहर निकाल लिया। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय जादोपुर थाना की पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी दल-बल के साथ मौके पर पहुंचे। साथ ही एसडीआरएफ की टीम भी मौके पर पहुंची और लापता युवक की खोजबीन में जुटी है।

23 जून से बजेगी परीक्षा की घंटी, दरभंगा में संस्कृत विश्वविद्यालय ने जारी किया कार्यक्रम

दरभंगा, एजेंसी। कामेश्वर सिंह दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय प्रशासन सत्र को नियमित करने की दिशा में तेजी से कदम बढ़ा रहा है। इसी कड़ी में आचार्य द्वितीय सेमेस्टर, शिक्षा शास्त्री प्रथम वर्ष और द्वितीय वर्ष की परीक्षाओं का कार्यक्रम जारी कर दिया गया है। परीक्षाएं 23 जून से तीन जुलाई तक आयोजित की जाएंगी।विश्वविद्यालय मुख्यालय स्थित शिक्षा शास्त्र विभाग को परीक्षा केंद्र बनाया गया है। सभी परीक्षाएं दो पालियों में संचालित होंगी। पहली पाली पूर्वाह्न 10 बजे से अपराह्न एक बजे तक तथा दूसरी पाली दोपहर दो बजे से शाम पांच बजे तक चलेगी।पीआरओ डॉ। निशिकांत ने बताया कि आचार्य द्वितीय सेमेस्टर सत्र 2024-26 की परीक्षा 23 जून से शुरू होगी। पहले दिन पहली पाली में सीसी-5 तथा दूसरी पाली में सीसी-6 पत्र की परीक्षा होगी। 24 जून को सीसी-7 एवं सीसी-8 तथा 25 जून को सीसी-9 और एईसीसी-2 पत्र की परीक्षा निर्धारित की गई है।शिक्षा शास्त्री प्रथम वर्ष सत्र 2025-27 एवं द्वितीय वर्ष सत्र 2024-26 की परीक्षाएं 28 जून से प्रारंभ होंगी। 28 जून को पहली पाली में प्रथम वर्ष के प्रथम पत्र तथा दूसरी पाली में द्वितीय वर्ष के प्रथम पत्र की परीक्षा आयोजित की जाएगी। इसके बाद 29 जून से दो जुलाई तक दोनों वर्षों के शेष पत्रों की परीक्षाएं क्रमबद्ध ढंग से संपन्न कराई जाएंगी।परीक्षा कार्यक्रम के अनुसार तीन जुलाई को प्रथम वर्ष के षष्ठ एवं सप्तम पत्र की परीक्षा के साथ परीक्षा सत्र का समापन होगा। विश्वविद्यालय प्रशासन ने सभी परीक्षार्थियों से निर्धारित समय पर परीक्षा केंद्र पहुंचने की अपील की है।परीक्षा नियंत्रक डॉ। निहार रंजन सिन्हा ने स्पष्ट किया है कि किसी भी परिस्थिति में पुनर्परीक्षा आयोजित नहीं की जाएगी। उन्होंने सभी परीक्षार्थियों से नियमों का पालन करते हुए कदाचारमुक्त परीक्षा में सहयोग करने का आह्वान किया है।विश्वविद्यालय प्रशासन ने कहा है कि सत्र नियमितीकरण के लक्ष्य को हासिल करने के लिए परीक्षाओं का समय पर संचालन सर्वोच्च प्राथमिकता है।

बड़ा सड़क हादसा! ट्रक-बस में भीषण टक्कर,

आंध्र प्रदेश के 3 श्रद्धालुओं की मौत

औरंगाबाद, एजेंसी। बिहार के औरंगाबाद जिले के मुफस्सिल थाना क्षेत्र में जीटी रोड (एनएच-19) पर रविवार की देर रात एक भीषण सड़क हादसा हो गया। आंध्र प्रदेश के श्रद्धालुओं से भरी एक टूरिस्ट बस को ट्रक ने जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि बस की एक तरफ की पूरी बॉडी उखड़ गई। इस दुर्घटना में तीन श्रद्धालुओं की मौत हो गई, जबकि 20 से अधिक यात्री घायल हो गए।

बोधगया से काशी जा रही थी बस: मिली जानकारी के अनुसार आंध्र प्रदेश के करीब 40 श्रद्धालु धार्मिक पर्यटन पर निकले थे। रविवार की रात वे बोधगया से वाराणसी (काशी) के लिए बस से रवाना हुए थे। बस मुफस्सिल थाना क्षेत्र के भेड़िया और देव मोड़ के बीच भवानी होटल के पास पहुंची ही थी कि आगे चल रहे ट्रक से टकरा गई। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि बस चालक ओवरटेक करने की कोशिश कर रहा था।

दुर्घटना में तीन लोगों की गई जान: हादसे में आंध्र प्रदेश के नेल्लूर जिले के संगमा गांव के निवासी 50 वर्षीय हजरतय्या, 43 वर्षीय पद्मावती और 64 वर्षीय पशुलेटी वेंकटेश की मौत हो गई। सदर अस्पताल औरंगाबाद में चिकित्सकों ने इन तीनों को मृत घोषित किया। घायलों में सुभानम्मा, नरेंद्र रेड्डी, प्रसाद समेत लगभग 20 यात्री शामिल हैं, जिनमें 7-8 की हालत गंभीर बताई जा रही है।

घायल गयाजी रेफर: दुर्घटना के तुरंत बाद स्थानीय लोगों और राहगीरों ने बचाव कार्य शुरू

किया। मुफस्सिल थाना की पुलिस भी मौके पर पहुंची और फंसे हुए यात्रियों को बाहर निकाला। प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर घायलों को बेहतर इलाज के लिए मगध मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल, गया रेफर कर दिया गया।

घटनास्थल पर मचा हड़कंप: जोरदार टक्कर की आवाज सुनकर आसपास के गांवों से लोग घटनास्थल पर पहुंच गए। वहां चीख-पुकार और अफरा-तफरी का माहौल बन गया। स्थानीय जिला पार्षद अनिल यादव समेत कई लोगों ने पुलिस के साथ मिलकर राहत कार्य में मदद की। हादसे के कारण कुछ समय तक एनएच-19 पर यातायात बाधित रहा, जिसे बाद में सामान्य कराया गया।

क्या कहते हैं थाना प्रभारी: पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त बस और ट्रक को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। बस चालक की लापरवाही, वाहन की रफ्तार और ओवरटेकिंग की संभावना समेत सभी पहलुओं की छानबीन की जा रही है। मृतकों के शवों का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है और परिजनों को सूचना दे दी गई है। औरंगाबाद मुफस्सिल थाना प्रभारी अशोक कुमार ने बताया कि यह घटना अत्यंत दुखद है। मामले की विस्तृत जांच की जा रही है। यात्रियों के परिजनों को सूचित कर दिया गया है और आगे की कानूनी कार्रवाई प्रक्रिया में है।

विराट रामायण मंदिर में 18 फीट ऊंची नंदी की मूर्ति

पटना, एजेंसी। विराट रामायण मंदिर में विश्व का सबसे बड़ा शिवलिंग स्थापित हो चुका है। अब यहां नंदी जी की प्रतिमा स्थापित होगी, जिसका निर्माण अरूण योगीराज करेंगे। उन्होंने इस मूर्ति के निर्माण की सहमती दे दी है। अरूण योगीराज ने ही अयोध्या में राममंदिर में रामलला की दिव्य प्रतिमा बनाई है। विराट रामायण मंदिर में 18 फीट ऊंचे नंदी भगवान का निर्माण 18 महीने में पूरा हो जाएगा। इस अवधि के दौरान जहां नंदी जी की स्थापना की जानी है, मंदिर के उस भाग को छोड़कर शेष हिस्सों का निर्माण कार्य जारी रहेगा।

श्री महावीर स्थान न्यास समिति के सचिव सायण कुणाल ने कहा कि हमें यह बताते हुए हर्ष हो रहा है कि अरुण योगीराज ने हमारे लिए नंदी जी की प्रतिमा का निर्माण करने की सहमति दी है। 18 फीट ऊंची यह भव्य प्रतिमा 18 महीनों में पूर्ण होने की संभावना है। अरुण योगीराज ने अयोध्या में रामलला की दिव्य प्रतिमा और नई दिल्ली के कर्तव्य पथ (इंडिया गेट) पर स्थापित नेताजी सुभाष चंद्र बोस की भव्य प्रतिमा का निर्माण किया है।

अरुण योगीराज देश के प्रतिष्ठित शिल्पकारों में से एक हैं। उन्होंने शनिवार को विराट रामायण मंदिर परियोजना स्थल का भी भ्रमण किया और इस परियोजना की परिकल्पना को पास से देखा। उन्होंने कहा कि विराट रामायण मंदिर से उनका जुड़ना एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। यह मंदिर के निर्माण में उत्कृष्ट गुणवत्ता, अद्वितीय शिल्पकला और आध्यात्मिक भव्यता के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। योगीराज ने सचिव सायण कुणाल के अलावा न्यास समिति के अन्य सदस्यों के साथ विस्तार से चर्चा की।

विराट रामायण मंदिर पद्मश्री आचार्य किशोर कुणाल का ड्रीम प्रोजेक्ट है। श्री महावीर स्थान न्यास समिति द्वारा जानकीनगर (कैथवलिया) में 120 एकड़ में निर्माण हो रहा है।

नालंदा जिले में 3 थानाध्यक्ष बदले गए

अस्थावां थाना इंचार्ज को पुलिस केंद्र भेजा गया

नालंदा, एजेंसी। नालंदा में पुलिस प्रशासन ने विधि-व्यवस्था को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से तत्काल प्रभाव से कई पुलिस पदाधिकारियों का स्थानांतरण और नव-पदस्थापन किया है। पुलिस अधीक्षक कार्यालय की ओर से जारी आदेश के अनुसार, जिले के छह पुलिस पदाधिकारियों को नई जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं।

आदेश के तहत, अस्थावां के थानाध्यक्ष पुलिस निरीक्षक उत्तम कुमार को प्रशासनिक दृष्टिकोण से हटाकर पुलिस केन्द्र नालंदा स्थानांतरित कर दिया गया है। उनके स्थान पर चंडी अंचल के अंचल पुलिस निरीक्षक सत्यम चंद्रवंशी को अस्थावां थाने की नई कमान सौंपी गई है।

इस्लामपुर के थानाध्यक्ष पुलिस निरीक्षक अनिल कुमार पाण्डेय को स्थानांतरित कर बिहार अंचल का अंचल पुलिस निरीक्षक नियुक्त किया गया है, जबकि उनकी जगह करायपरशुराय के थानाध्यक्ष पुलिस अवर निरीक्षक रणविजय कुमार को इस्लामपुर का नया थानाध्यक्ष बनाया गया है।

इसके अतिरिक्त, साइबर थाने में तैनात पुलिस निरीक्षक चंदन कुमार सिंह को चंडी अंचल का नया अंचल पुलिस निरीक्षक और बिहार थाने के कनीय पुलिस अवर निरीक्षक

सुशील कुमार पासवान को करायपरशुराय का नया थानाध्यक्ष नियुक्त किया गया है।

पुलिस अधीक्षक ने इन नव-पदस्थापनों के साथ अत्यंत सख्त नियम और शर्तें भी लागू की हैं। सभी नवपदस्थापित थानाध्यक्षों को अपने नए कार्यभार ग्रहण करने से पहले अपनी अर्हता का प्रमाण पत्र कार्यालय को अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराना होगा।

बिहार सरकार के गृह विभाग (विशेष शाखा) के नियमों के अनुसार, जिन पुलिस पदाधिकारियों को किसी न्यायालय की ओर से दोषसिद्ध ठहराया गया हो या जांच के दौरान पुलिस की ओर से आरोपी बनाया गया हो, उन्हें इन महत्वपूर्ण पदों पर पदस्थापित नहीं किया जा सकता है। इसके साथ ही, महिलाओं से दुर्व्यवहार, भ्रष्टाचार अथवा अभिरक्षा में हिंसा जैसे आरोपों में विभागीय कार्रवाई में दोषी पाए गए पदाधिकारी भी अयोग्य माने जाएंगे। जिन पदाधिकारियों के खिलाफ कोई विभागीय कार्रवाई लंबित है, वे भी थानाध्यक्ष अथवा अंचल पुलिस निरीक्षक बनने के योग्य नहीं होंगे।

राज्य में लागू शराबबंदी कानून को लेकर भी प्रशासन ने कड़ा रुख बरकरार रखा है। आदेश में यह स्पष्ट किया गया है कि यदि किसी पदाधिकारी की अपने क्षेत्र में शराब निर्माण, बिक्री या परिचालन में संलिप्तता पाई जाती है या मद्यनिषेध को लेकर उनके स्तर से कर्तव्यहीनता बरती जाती है, तो उन्हें अगले 10 साल के लिए थानाध्यक्ष या ओ0पी0 प्रभारी के पद पर पदस्थापित नहीं किया जाएगा।

पुलिस अधीक्षक ने सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को अविलंब अपने नवपदस्थापन स्थान पर योगदान देकर अनुपालन रिपोर्ट समर्पित करने का सख्त निर्देश दिया है। अंत में यह भी चेतावनी दी गई है कि यदि किसी भी पदाधिकारी की अर्हता पूर्ण नहीं पाई जाती है, तो उनका पदस्थापन आदेश स्वतः निरस्त कर दिया जाएगा।

घर के बेडरूम में पहुंचा विशाल अजगर, दो बिल्लियों को निगला

बेतिया, एजेंसी। वाल्मीकि टाइगर रिजर्व से सटे रिहायशी इलाकों में आए दिन वन्यजीवों की दस्तक से हड़कंप मच जाता है। ताजा मामला जल संसाधन विभाग के ऊपरी शिविर स्थित तीन नंबर पहाड़ गंडक कॉलोनी का है। यहां एक घर के बेडरूम में विशालकाय अजगर सांप घुस आया। अजगर ने कमरे में मौजूद बिल्ली के दो मासूम बच्चों को अपना शिकार बना लिया। इस खौफनाक मंजर को देखकर परिवार और आसपास के लोगों में अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलने के बाद वन विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर अजगर का सफल रेस्क्यू किया।

बेडरूम में बिल्ली के शोर से खुला राज: जानकारी के अनुसार, गंडक कॉलोनी निवासी मुकेश श्रीवास्तव के घर के बेडरूम में एक बिल्ली ने हाल ही में बच्चों को जन्म दिया था। इसी दौरान वीटीआर के जंगल क्षेत्र से भटककर एक भारी-भरकम अजगर घर के भीतर दाखिल हो गया। घटना का खुलासा तब हुआ जब अचानक बिल्ली अजीब तरीके से लगातार शोर मचाने लगी। बिल्ली की डरावनी आवाज सुनकर जब घर के सदस्य दौड़कर कमरे में पहुंचे, तो वहां का नजारा देखकर उनके होश उड़ गए। एक बड़ा अजगर बिल्ली के दो बच्चों को निगल चुका था और वहीं कुंडली मारकर बैठा था।

वन विभाग ने सुरक्षित निकाला बाहर: परिजनों ने बिना समय गंवाए तुरंत इसकी सूचना वन विभाग को दी। जानकारी मिलते ही वनकर्मियों की रेस्क्यू टीम साजो-सामान के साथ मौके पर पहुंच गई। वन्यजीव विशेषज्ञों ने बेहद सावधानी और सूझबूझ के साथ कमरे में ऑपरेशन शुरू किया। काफी मशक्कत के बाद अजगर को बिना कोई नुकसान पहुंचाए सुरक्षित रूप से काबू कर लिया गया। राहत की बात यह रही कि रेस्क्यू के दौरान कोई अप्रिय घटना नहीं घटी।

जटाशंकर जंगल में छोड़ा गया: वन विभाग की टीम पकड़े गए अजगर को बोरे में बंद कर अपने साथ ले गई, जिसे बाद में जटाशंकर वन्य क्षेत्र के प्राकृतिक आवास में सुरक्षित छोड़ दिया गया।

एमडीएम की रिपोर्ट 39 प्राचार्यों ने नहीं भेजी: डीपीओ ने सभी से मांगा स्पष्टीकरण

नालन्दा, एजेंसी। नालंदा के सरकारी विद्यालयों में अप्रैल महीने के दौरान मध्याह्न भोजन योजना (एमडीएम) के तहत बच्चों को खाना खिलाया गया या नहीं, इसे लेकर 39 प्राचार्यों ने ई-शिक्षाकोष पोर्टल पर रिपोर्ट अपलोड नहीं की है।एमडीएम डीपीओ अंशु कुमारी और डीपीएम जितेन्द्र कुमार की ओर से अप्रैल की मध्याह्न भोजन योजना की रिपोर्ट की समीक्षा किए जाने पर मामला प्रकाश में आया है।

एमडीएम डीपीओ ने सभी संबंधित विद्यालयों के प्राचार्यों से स्पष्टीकरण की मांग की है। इसके साथ ही अप्रैल में जितने दिनों की एमडीएम रिपोर्ट नहीं भेजी गई है, उतने दिनों की राशि के भुगतान पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी गई है।पांच फीसदी विद्यालयों के प्राचार्य कोताही बरत रहे हैं

एमडीएम डीपीओ ने जानकारी दी कि जिले के 95 फीसदी विद्यालय विभागीय प्रावधानों के अनुसार नियमित रूप से अपनी रिपोर्ट भेज रहे हैं, लेकिन शेष पांच फीसदी विद्यालयों के प्राचार्य इस कार्य में लगातार कोताही बरत रहे हैं।हद तो यह है कि कई प्राचार्यों ने न केवल रिपोर्ट दबाए रखी, बल्कि भेजे गए शोकॉज नोटिस का जवाब देना भी मुनासिब नहीं समझा। अब इन स्कूलों के लापरवाह प्राचार्यों पर सख्त कार्रवाई के लिए वरीय अधिकारियों को पत्र भेजा

जाएगा।इसके अलावा, डीपीओ ने सभी एमडीएम बीआरपी को सख्त आदेश दिया है कि वे अपने-अपने प्रखंडों के शत-प्रतिशत विद्यालयों की रिपोर्ट ई-शिक्षाकोष पोर्टल पर दर्ज करें। इस कार्य में लापरवाही बरतने वाले एमडीएम बीआरपी भी कार्रवाई की जद में आएंगे।

इन स्कूलों से रिपोर्ट नहीं दी गई : रिपोर्ट नहीं भेजने वाले विद्यालयों में जिले के कई प्रखंडों के स्कूल शामिल हैं। इनमें अस्थावां प्रखंड के अकबरपुर, गफुरबिगहा, नोआवां प्राथमिक विद्यालय, हरिजन टोला एनपीएस, भिखानीबिगहा मध्य विद्यायल, धोबीबिगहा और नेरूत मध्य विद्यालय शामिल हैं।

वहीं बिहारशरीफ प्रखंड के बहुआरा, हरगावां, डमरबिगहा प्राथमिक, एकंगरसराय के कन्हैयागंज मध्य विद्यालय और गिरियक के दुर्गापुर व पोखरपुर मध्य विद्यालय ने भी रिपोर्ट नहीं दी है।

इसी तरह हिलसा के परवलपुर प्राथमिक, इस्लामपुर के केवाली एनपीएस, पिलखी, काजीबिगहा, सेरथुआडीह प्राथमिक और रसलपुर व मौलानाचक मध्य विद्यालय, कराय के मुसहरी प्राथमिक, नूरसराय के बेलसर और परिऔना मध्य विद्यालय और जमुनापुर प्राथमिक विद्यालय का नाम इस सूची में दर्ज है।

परवलपुर के लखमाबिगहा मध्य विद्यालय, फतेहपुर, ताराबिगहा, मठपर प्राथमिक विद्यालय, रहुई के पेंदापुर प्राथमिक, बीएन पहाड़ी एनपीएस और दौलतपुर मध्य विद्यालय, सरमेरा के गोपालबाद हरिजन टोला, सोनडीहा, पुरैनी-इसुआ प्राथमिक विद्यालय और सिलाव के जगदीशपुर प्राथमिक और नीरपुर मध्य विद्यालय ने भी एमडीएम की रिपोर्ट पोर्टल पर अपलोड नहीं की है।

बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष के घर के पास सड़क बनी तालाब, घरों में 'हाउस अरेस्ट' हुए लोग

दरभंगा, एजेंसी। बिहार के दरभंगा से अनोखे विरोध की खबर आई है। दरअसल यहां बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष सह विधायक संजय सरावगी के घर से महज दो सौ मीटर की दूरी पर स्थित मुख्य सड़क पर 3 से 4 फीट तक पानी हमेशा जमा रहता है। इसी को लेकर स्थानीय लोगों ने आज से अनोखा विरोध-प्रदर्शन शुरू किया है।

हाउस अरेस्ट हुए लोग: इस भीषण जलजमाव के कारण सदर प्रखंड मुख्यालय, सदर पीएचसी और सदर थाना जाने वाले सैकड़ों लोगों का आम जनजीवन पूरी तरह प्रभावित हो चुका है। स्थिति इतनी बदतर हो गई है कि दो दशक पुरानी इस समस्या के कारण स्थानीय लोग अपने ही घरों में मानो 'हाउस अरेस्ट' होकर रह गए हैं।

अनोखा विरोध प्रदर्शन: स्थानीय लोगों और जनप्रतिनिधियों द्वारा कई बार आवाज उठाने के बाद भी जब कोई स्थायी समाधान नहीं निकला, तो लोगों का गुस्सा अब सड़कों पर फूट पड़ा है। भीषण गर्मी के बीच सदर मुख्यालय जाने

वाले मुख्य रास्ते पर सालों से लगे पानी के विरोध में स्थानीय लोगों ने आज से एक अनोखा प्रदर्शन शुरू कर दिया है। इस नारकीय स्थिति से परेशान होकर स्थानीय ग्रामीण और राजद नेता अब जलजमाव वाली सड़क पर ही भूख हड़ताल पर बैठ गये हैं।

आमरण अनशन: राजद नेता प्रेमचंद उर्फ भोलू यादव के नेतृत्व में आज से इस गंभीर समस्या के खिलाफ आमरण अनशन यानी भूख हड़ताल की शुरुआत की गई है। प्रदर्शनकारी पानी के बीच ही लकड़ी की चौकी जोड़कर उस पर बैठ गए हैं और वहीं से अपना आंदोलन चला रहे हैं। प्रदर्शनकारियों ने साफ कहा है कि जब तक यहां से जल निकासी की स्थायी व्यवस्था नहीं होगी, तब तक यह आंदोलन किसी भी हाल में बंद नहीं होगा।

बीजेपी विधायक पर सीधा निशाना: राजद नेता प्रेमचंद उर्फ भोलू यादव ने तंज कसते हुए कहा कि विकास की जो गंगा बह रही है, उसमें बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष के विधानसभा क्षेत्र का सदर प्रखंड थाना डूबा है। यहां से सौ मिनट की दूरी पर नगर विधायक का आवास है लेकिन वो समाधान यात्रा निकाल कर पूरे प्रदेश के लोगों को गुमराह कर रहें हैं।

अर्थी निकलने तक का प्रण: राजद नेता प्रेमचंद उर्फ भोलू यादव ने संकल्प दोहराते हुए आगे कहा कि हम लोगों ने अब यह पक्का प्रण लिया है कि जब तक इस समस्या का कोई ठोस समाधान नहीं होगा, तब तक हम यहां अनशन पर बैठे रहेंगे चाहे हमारी अर्थी ही क्यों ना निकल जाए। इस आंदोलन को अपना समर्थन देने के लिए दरभंगा नगर निगम की डिप्टी मेयर नाजिया हसन भी उपस्थित रहीं।

सरकार और प्रशासन पर आरोप: डिप्टी मेयर नाजिया हसन ने सरकार और अधिकारियों पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कहा कि जनता की इस गंभीर समस्या को जानबूझकर नजरअंदाज किया जा रहा है, जिसके कारण लोग आज भीषण परेशानी झेलने को मजबूर हैं।

संक्षिप्त समाचार

नगर निगम का नाला सफाई का चला अभियान

गोरखपुर, एजेंसी। मानसून से पहले जलभराव की समस्या से निपटने के लिए नगर निगम ने शहर के प्रमुख नालों की सफाई का अभियान तेज कर दिया है। बुधवार को बेतियाहाता-कसया रोड स्थित बड़े नाले की सफाई पोकलेन मशीन और सफाई कर्मियों की मदद से कराई गई। इस दौरान नाले से बड़ी मात्रा में सिल्ट और कचरा निकाला गया। फिराक चौराहे स्थित बड़े नाले की सफाई के दौरान स्थानीय पार्षद विश्वजीत त्रिपाठी ने सफाई कर्मियों की सुरक्षा का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि करीब 18 फीट गहरे नाले में कर्मचारी बिना पर्याप्त सुरक्षा उपकरणों के उतरकर सफाई कार्य कर रहे हैं, जिससे दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। नालों में जहरीली गैस या विषैले जीव-जंतु होने का भी खतरा रहता है। उन्होंने नगर निगम प्रशासन और शासन से सफाई कर्मियों को आवश्यक सुरक्षा किट, मास्क, दस्ताने और अन्य उपकरण उपलब्ध कराने की मांग की।

दोस्तों संग पार्टी करके घर लौटा युवक, फंदा लगाकर दी जान; हाथ पर लिखा था लड़की का नाम

बरेली, एजेंसी। बरेली के राजेंद्रनगर निवासी सनी श्रीवास्तव ने फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। रविवार सुबह उसका शव कमरे में दुपट्टे के सहारे लटका मिला। पोस्टमार्टम में लटकने से मौत की पुष्टि हुई। उसकी मौत से परिजनों को गहरा सदमा लगा है। उसने आत्महत्या क्यों की, इसका कारण नहीं पता चल सका। प्रेमनगर थाना प्रभारी सुरेंद्र सिंह को सनी के परिजन ने बताया कि 30 वर्षीय सनी श्रीवास्तव राजेंद्रनगर स्थित केके हॉस्पिटल के पास रहता था। भाई-बहनों में वह सबसे छोटा था और आईवीआरआई के सामने किराने की दुकान पर काम करता था। शनिवार रात वह दोस्तों के साथ घूमने और पार्टी करने के बाद घर लौटा था। उसने खाना खाया और कमरे में सोने चला गया। रात में किसी समय उसने कमरे में कुंडे के सहारे दुपट्टे से लटककर जान दे दी। उसके हाथ पर लड़की का नाम गुदा हुआ है। रविवार सुबह उसकी मां गुड़िया देवी जब उसके कमरे में पहुंचीं तो उसे लटका हुआ देखा। तब परिवार ने पुलिस और रिश्तेदारों को घटना की जानकारी दी। पुलिस ने शव का पोस्टमॉर्टम कराया।

डायरिया से मौतों में 78 फीसदी की कमी, एम्स के डॉक्टरों ने किया अध्ययन

गोरखपुर, एजेंसी। एम्स के तीन संकाय सदस्यों ने संक्रामक रोगों (डायरिया व अन्य) से जुड़े एक महत्वपूर्ण वैश्विक अध्ययन में सहयोगी के रूप में योगदान देकर संस्थान की प्रतिष्ठा बढ़ाई है। यह अध्ययन प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय जर्नल द लैंसेट इन्फेक्शियस डिजीजेज में प्रकाशित हुआ है। अध्ययन में वर्ष 1990 से 2023 तक दुनिया भर में एंटेरिक संक्रामक रोगों और डायरिया जनित बीमारियों के बोझ का व्यापक विश्लेषण किया गया है। इसमें डायरिया से मौतों में 78 प्रतिशत की कमी मिली है।ग्लोबल बर्डन ऑफ डिजीज (जीबीडी) स्टडी-2023 के तहत किए गए इस शोध में 204 देशों और क्षेत्रों के आंकड़ों का अध्ययन किया गया। इसमें बीमारी की घटनाओं, मृत्यु दर, विकलांगता-समायोजित जीवन वर्ष (डीएएलवाई) तथा रोटावायरस, नोरोवायरस, शिगेला और एडेनोवायरस जैसे प्रमुख रोगजनकों की भूमिका का आकलन किया गया।अध्ययन में एम्स के सामुदायिक चिकित्सा विभाग के डॉ. अरूप मोहंती, डॉ. यू. वेंकटेश और डॉ. अबू बशर ने योगदान दिया। शोध के अनुसार, वर्ष 2023 में एंटेरिक संक्रामक रोगों के कारण विश्वभर में लगभग 12.7 लाख लोगों की मृत्यु हुई, जबकि वर्ष 1990 में यह संख्या 36.9 लाख थी। इस प्रकार तीन दशकों में मौतों की संख्या में करीब 66 प्रतिशत और आयु-मानकीकृत मृत्यु दर में लगभग 78 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई।

आधुनिक तकनीक से बेहतर उपचार पर देशभर के विशेषज्ञ करेंगे मंथन

गोरखपुर, एजेंसी। फिजियोथेरेपी एवं पुनर्वास विज्ञान के क्षेत्र में आधुनिक तकनीकों और बेहतर उपचार पद्धतियों पर चर्चा के लिए एक दिवसीय गोरखपुर फिजियोकॉनक्लेव का आयोजन 25 अक्तूबर को योगिराज बाबा गंभीरनाथ प्रेक्षागृह में किया जाएगा। सम्मेलन का आयोजन यूथ फिजियोथेरेपिस्ट वेलफेयर एसोसिएशन एवं इंडियन एसोसिएशन ऑफ फिजियोथेरेपिस्ट उत्तर प्रदेश ब्रांच के संयुक्त तत्वावधान में होगा। इस वर्ष सम्मेलन की थीम रोबोटिक रिहैबिलिटेशन रखी गई है। कार्यक्रम में इस बात पर विशेष चर्चा होगी कि आधुनिक रोबोटिक तकनीकें पुनर्वास और उपचार के क्षेत्र में किस प्रकार उपयोगी साबित हो सकती हैं। विशेषज्ञ यह भी बताएंगे कि भविष्य में रोबोटिक मशीनों की मदद से मरीजों के इलाज और पुनर्वास को किस तरह अधिक प्रभावी बनाया जा सकता है। सम्मेलन में दिल्ली, बंगलूरू, हैदराबाद, देहरादून, पटना, रांची, वाराणसी और कानपुर समेत देश के विभिन्न शहरों से करीब एक हजार फिजियोथेरेपिस्ट, पुनर्वास विशेषज्ञ, शिक्षाविद और शोधकर्ताओं को आमंत्रित किया गया है।

हाईटेंशन लाइन का तार टूटककर बस पर गिरा

करंट लगने से पिता-पुत्र की मौत

पीलीभीत, एजेंसी। पीलीभीत के जहानाबाद क्षेत्र के गांव गौनेरी में रविवार रात हुए दर्दनाक हादसे में निजी बस चालक और उसके पुत्र की करंट लगने से मौत हो गई। बरातियों को छोड़ने के बाद बस बैक करते समय बस पर ऊपर से गुजर रही हाईटेंशन लाइन का तार टूटकर गिर गया। इससे बस में करंट फैल गया। उसमें सवार पिता-पुत्र की मौत हो गई। बस के अगले हिस्से में आग लगने से दोनों टायर भी जल गए। हादसे के बाद गांव में अफरा-तफरी मच गई और परिजनों में कोहराम मच गया।

शहर कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला फारूक निवासी सज्जन खां (56 वर्ष) निजी बस के मालिक होने के साथ स्वयं चालक का कार्य भी करते थे। उनकी ससुराल जहानाबाद क्षेत्र के गांव गौनेरी में है। रविवार को वह गौनेरी गांव से एक बरात लेकर बरेली गए थे। देर रात बरात वापस गांव पहुंची। बताया जाता है कि बरातियों को उतारने के बाद सज्जन खां बस को बैक कर रहे थे। इस दौरान उनका 16 वर्षीय पुत्र फारूक भी बस में सवार था।

हादसे के बाद मौके पर मची चीख-पुकार : ग्रामीणों के अनुसार बैक करते समय बस पर अचानक ऊपर से गुजर रही हाईटेंशन लाइन का तार टूटकर गिर गया। तार गिरते ही बस में तेज करंट दौड़ गया और अगले हिस्से में आग लग गई। करंट की चपेट में आने से चालक सज्जन खां और उनके पुत्र फारूक की मौके पर ही मौत हो गई। आग की वजह से बस के अगले दोनों टायर भी जल गए। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई।

बिजली आपूर्ति बंद कराने के बाद पिता-पुत्र को बाहर निकाला गया। ग्रामीणों की मदद से दोनों को जिला अस्पताल लाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में क्षेत्रीय लोग और परिजन जिला अस्पताल पहुंच गए। मृतक सज्जन खां के परिवार में अब उनका बड़ा पुत्र कामरान ही बचा है।

परिवार को टूटा दुखों का पहाड़ : पिता और पुत्र की मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। घटना की जानकारी मिलने पर एसडीएम सदर नताशा गोयल पुलिस बल के साथ जिला अस्पताल पहुंचीं। सुनगढ़ी और कोतवाली पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। सीओ सदर ने बताया कि हादसा दुखद है। पूरे मामले की जांच कराई जा रही है।

चंद मिनट पहले ही बस से उतरे थे 50 से अधिक बराती : हादसे से करीब 10 मिनट पूर्व ही 50 से अधिक बराती गांव पहुंचने के बाद बस से नीचे उतरे थे। इसके बाद ही हाई टेंशन लाइन का तार टूटकर गिरा और हादसा हो गया। गनीमत रही की अधिकांश लोग बस से उतर गए थे नहीं तो और बड़ा हादसा हो सकता था।

प्रदूषण नियंत्रण और अच्छी सेहत के लिए दौड़ीं साइकिलें

आगरा, एजेंसी। विश्व साइकिल दिवस के उपलक्ष्य में रविवार को एकलव्य स्पोर्ट्स स्टेडियम से पांच किलोमीटर लंबी साइकिल रैली निकली। जिसमें 300 से अधिक छात्रों, खेल प्रशिक्षकों व क्षेत्रीय नागरिक शामिल हुए। रैली का उद्देश्य स्वास्थ्य, प्रदूषण नियंत्रण व नियमित शारीरिक व्यायाम के प्रति जनजागरूक करना था।

रैली का शुभारंभ क्षेत्रीय खेल कार्यालय के सहायक प्रशिक्षक राजेश यादव एवं अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी हरदीप सिंह ने हरी झंडी दिखाकर किया। रैली स्टेडियम से निकल कर कंपनीबाग, फूल सैयद चौराहा, माल रोड, मुख्य डाकघर, सदर बाजार एवं सौदागर लाइन होते हुए स्टेडियम के मुख्य द्वार पर समाप्त हुई। इस दौरान पुलिस कर्मियों ने यातायात एवं सुरक्षा व्यवस्थाओं की जिम्मेदारी निभाई।

प्रतिभागियों ने कहा कि ऐसे आयोजन युवाओं को सक्रिय जीवनशैली अपनाने व वाहन-निर्भरता कम करने के लिए प्रेरित करते हैं। साइकिल चलाना स्वास्थ्य, अनुशासन और पर्यावरण संरक्षण का प्रभावी माध्यम है। इस दौरान कबड्डी कोच विजयलक्ष्मी सिंह, क्रीड़ा भारती से मोहित वर्मा, राजेश कुशवाहा, ताज साइकिलिस्ट क्लब के संस्थापक सदस्य डॉ. एनएस लोधी, गोपाल अग्रवाल, महावीर सिंह, प्रदीप यादव, जय यादव, उमेश यादव, रोम हर्षन, निशांत मंगल, छायंक, आयुष सहित बड़ी संख्या में साइकिल प्रेमी मौजूद रहे।

यूपी पुलिस भर्ती परीक्षा के मद्देनजर 17 ट्रेनों की समय सारिणी में बदलाव, देरी से चलेंगी गाड़ियां

बरेली, एजेंसी। यूपी पुलिस भर्ती परीक्षा के दौरान परीक्षार्थियों की सुविधा के लिए रेलवे ने 17 ट्रेनों की समय सारिणी में बदलाव किया है। आठ से 10 मई तक इन गाड़ियों को प्रारंभिक स्टेशनों से तीन घंटे तक देरी से चलाया जाएगा।

पूर्वोत्तर रेलवे इज्जतनगर मंडल के जनसंपर्क अधिकारी सफदर हुसैन ने बताया कि 55330 बरेली जंक्शन-कासगंज जंक्शन सवारी गाड़ी को बरेली से 45 मिनट, 15061 कासगंज जंक्शन-लालकुआं एक्सप्रेस को कासगंज से 40 मिनट, 55335 कासगंज जक्शन-मथुरा जंक्शन सवारी गाड़ी को 80 मिनट की देरी से चलाया जाएगा।15-5337 कासगंज-भरतपुर सवारी गाड़ी को 20 मिनट, 55332 अछनेरा-कासगंज सवारी गाड़ी को 100 मिनट, 05061 अछनेरा-टनकपुर विशेष गाड़ी को 120 मिनट की देरी से चलाया जाएगा। 55307 कासगंज-रामनगर सवारी गाड़ी को 50 मिनट नियंत्रित किया जाएगा।

75303 बरेली सिटी-पीलीभीत डेमू को बरेली सिटी से 40 मिनट, 55085 पीलीभीत-डालीगंज सवारी गाड़ी को पीलीभीत से 40 मिनट की देरी से चलाया जाएगा। 75302 टनकपुर-पीलीभीत डेमू को पीलीभीत स्टेशन पर 35 मिनट का अतिरिक्त ठहराव दिया जाएगा।

15038 कासगंज-कानपुर अनवरगंज एक्सप्रेस को 15 मिनट, 55344 कासगंज-फर्रुखाबाद सवारी गाड़ी को 35 मिनट की देरी से चलाया जाएगा। 55345 लखनऊ-कासगंज सवारी गाड़ी को कानपुर अनवरगंज और फर्रुखाबाद के स्टेशनों पर 65 मिनट नियंत्रित किया जाएगा।

54156 फर्रुखाबाद-कानपुर सेंट्रल सवारी गाड़ी को 180 मिनट, 55346 कासगंज-कानपुर अनवरगंज सवारी गाड़ी को 35 मिनट, 15037 कानपुर अनवरगंज-कासगंज एक्सप्रेस को 95 मिनट की देरी से चलाया जाएगा। 54155 कानपुर सेंट्रल-फर्रुखाबाद सवारी गाड़ी को आठ व नौ जून को कानपुर सेंट्रल से 145 मिनट की देरी से चलाया जाएगा।

कार में पति के साथ थी युवती

पत्नी ने रोकने की कोशिश की तो उसे 100 मीटर घसीटा

बरेली, एजेंसी। बरेली के भोजीपुरा इलाके में कार में पति के साथ दूसरी महिला को देखकर पत्नी ने उसे रोकने की कोशिश की। वह वाइपर पकड़कर बोनट पर लटक गई। इसके बावजूद पति ने कार नहीं रोकी। वह उसे सौ मीटर तक घसीटता ले गया। कार रुकी तो मौके पर खूब हंगामा हुआ। तीनों के बीच हाथापाई भी हुई। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। पत्नी ने पति के खिलाफ भमोरा थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है।

कटका रमन गांव निवासी गोदावरी उर्फ उषा कौर ने पुलिस को दी गई तहरीर में बताया कि वह शनिवार शाम सात वर्षीय बेटे विराट के साथ बरेली स्थित मकान से गांव जा रही थीं। इस दौरान वह देवचरा-बल्लिया रोड पर फूल मंडी के पास वाहन का इंतजार कर रही थीं। इस दौरान पति नेत्रपाल एक महिला संग कार में बैठे दिखे। ब्रेकर के पास कार की गति धीमी हुई तो गोदावरी ने कार का वाइपर पकड़ लिया, लेकिन पति ने कार नहीं रोकी। वह बोनट पर लटककर 100 मीटर तक घिसटती चली गईं। आसपास मौजूद लोगों ने कार रुकवाई तो पति-पत्नी और महिला के बीच नोकझोंक और हाथापाई भी हुई।

पति से महिला का है प्रेम प्रसंग : गोदावरी का आरोप है कि सास की विधवा पेंशन के लिए पति का पंचायत कार्यालय में आना-जाना है। वहां कार्यरत महिला से उनका प्रेम प्रसंग हो गया है। वहीं, महिला ने अपनी मां के साथ थाने जाकर आरोपों को निराधार बताया। कहा, कार्यालय से लौटने के दौरान नेत्रपाल ने लिफ्ट दी थी।

एसपी दक्षिणी अंशिका वर्मा ने बताया कि गोदावरी की तहरीर पर आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है। मामले की जांच की जा रही है। साक्ष्यों के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

6 जून को मेरी मौत, रहस्यमयी मामले में पुलिस उलझी

इंस्टाग्राम पोस्ट के बाद किशोरी का शव मिला

वाराणसी , एजेंसी। सोनभद्र में चोपन थाना क्षेत्र अंतर्गत कोटा ग्राम पंचायत के एक टोला में किशोरी (14) का शव घर के बाहर टीन शेड में लगे लोहे की पाइप से रस्सी के सहारे लटकता मिला। मौत से कुछ घंटे पहले उसके इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपलोड की गई पोस्ट में छह जून को मौत की तारीख का जिक्र था।

इस पोस्ट में जिस लड़के के साथ छात्रा की फोटो थी, उसकी मौत भी तीन जून को होना बताया जा रहा है। पोस्ट के साथ यह भोजपुरी गाना भी था, यदि न मिलन ई जहान में होई त अबकी मिलन आसमान में होई...। पुलिस मामले की छानबीन में जुटी है।

पिता के मुताबिक, शुक्रवार की रात पूरा परिवार खाना खाकर गलियारे में सोया था। रात लगभग तीन बजे नींद खुली तो सब कुछ ठीक था। इसके बाद वह दोबारा सो गया। सुबह करीब साढ़े 4 बजे पड़ोसियों के शोर गुल मचाने पर नींद खुली तो देखा कि घर के बाहर बने टीन शेड में लगी पाइप के सहारे नायलान की रस्सी से बने फंदे पर बेटी (14) झूल रही थी। आनन-फानन रस्सी काटकर उसे उतारा गया, मगर तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया। किशोरी के इस कदम से पूरा परिवार सदमे में है।

परिजनों के मुताबिक किशोरी इंस्टाग्राम चलाती थी। इसे लेकर उसे डांट भी लगाई गई थी। पुलिस ने किशोरी के इंस्टाग्राम अकाउंट की जांच शुरू की तो उस पर कुछ घंटे पहले की एक पोस्ट मिली, जिसमें किशोरी की तस्वीर एक लड़के के साथ थी। लड़के की तीन जून को मौत की बात लिखी थी, जबकि उसके नीचे किशोरी की फोटो के साथ छह जून को मरने का उल्लेख था।

इससे पहले एक अन्य पोस्ट में भी यह बताया गया था कि उनकी मौत के बाद वह उदास हो चुकी है। पड़ोसियों के मुताबिक किशोरी कुछ दिन से गुमसुम जरुर थी, लेकिन इसकी वजह स्पष्ट नहीं थी। चोपन एसओ गोपालजी गुप्ता ने बताया कि शव को पंचनामा के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। परिजनों की ओर से मौत के कारणों को लेकर कोई स्पष्ट जानकारी नहीं दी गई है। मामले की छानबीन की जा रही है।

इसी साल पास की थी आठवीं की परीक्षा- किशोरी चार भाई बहनों में तीसरे नंबर पर थी। उससे बड़ा एक भाई और एक बहन हैं, जबकि सबसे छोटा एक भाई है। किशोरी ने इसी साल आठवीं की परीक्षा पास की थी। सोशल मीडिया में वह काफी सक्रिय थी। उसके इस कदम से परिवार और आसपास के लोग स्तब्ध हैं।

जन्मजात हृदय रोग पर मिली जीत, हुनैन को मिला नया जीवन

अलीगढ़ , एजेंसी। राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (आरबीएसके) ने चार वर्षीय हुनैन को नई जिंदगी दी है। जन्मजात हृदय रोग से पीड़ित अतरौली के चौधरीयान मोहल्ला निवासी हुनैन का जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज में निशुल्क उपचार कराया गया, जिसके बाद उसके स्वास्थ्य में उल्लेखनीय सुधार हुआ है।

हुनैन को लंबे समय से सांस लेने में परेशानी रहती थी। वह अन्य बच्चों की तुलना में काफी कमजोर था और उसका वजन भी नहीं बढ़ रहा था। बेटे की बिगड़ती हालत से पिता इशरत अली और माता सना खान बेहद परेशान थे। उन्होंने अलीगढ़ और दिल्ली के कई अस्पतालों में इलाज के लिए परामर्श लिया, लेकिन कहीं भी संतोषजनक उपचार नहीं मिल सका। इलाज पर काफी धनराशि खर्च होने के बावजूद बच्चे की स्थिति में अपेक्षित सुधार नहीं हुआ।इसी दौरान एक निजी चिकित्सक ने परिवार को राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (आरबीएसके) की जानकारी दी। इसके बाद आरबीएसके टीम ने हुनैन के परिवार से संपर्क कर उन्हें उचित मार्गदर्शन दिया और जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज में निशुल्क उपचार की व्यवस्था कराई। सफल उपचार के बाद हुनैन अब पहले की तुलना में स्वस्थ है और उसके स्वास्थ्य में लगातार सुधार हो रहा है। बेटे को स्वस्थ देखकर परिवार ने राहत की सांस ली है।हुनैन के पिता इशरत अली ने बताया कि बेटे के इलाज के लिए उन्होंने काफी संघर्ष किया, लेकिन आरबीएसके टीम ने उनकी सबसे बड़ी चिंता दूर कर दी। वहीं, मां सना खान ने कहा कि बेटे की तकलीफ के कारण रातों की नींद उड़ जाती थी, लेकिन अब उसे स्वस्थ देखकर बेहद खुशी होती है।

महिला पर आया जमाई का दिल, दोनों ने कोर्ट में की शादी

कानपुर, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के कानपुर देहात से रिश्तों की एक ऐसी उलझी हुई तस्वीर सामने आई है, जिसने सोशल मीडिया से लेकर स्थानीय स्तर तक हर जगह हलचल मचा दी है। अकबरपुर क्षेत्र में एक महिला और उसके दामाद द्वारा कोर्ट मैरिज किए जाने का दावा किया जा रहा है, जिसके बाद से लोगों के बीच तरह-तरह की चर्चाओं का बाजार गर्म है। इस घटना ने हाल ही में अलीगढ़ में सामने आए सास-दामाद के प्रेम संबंधों की कहानी की याद दिला दी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, महिला और उसके दामाद ने आपसी सहमति से कोर्ट मैरिज कर ली है। दोनों का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में सास और दामाद अपने फैसले को सही ठहरा रहे हैं, साथ ही लोगों से उनके इस नए रिश्ते को स्वीकार करने और आशीर्वाद देने की अपील करता दिखाई दे रहा है। यह वीडियो सामने आने के बाद यह मामला चर्चा का प्रमुख विषय बन गया है। वीडियो में दोनों काफी सहज और अपने निर्णय पर अडिग नजर आ रहे हैं। हालांकि, इस वायरल वीडियो की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हो सकी है।

सास-दामाद की शादी का वीडियो वायरल, पुलिस जांच में जुटी: दरअसल, कानपुर देहात का एक वीडियो सोशल मीडिया पर रविवार दोपहर को वायरल हुआ। वायरल वीडियो में एक महिला और पुरुष के कोर्ट में शादी करने का दावा किया गया है। वीडियो में दोनों गले में फूल माला पहने और शादी का प्रमाण पत्र दिखाते दिख रहे हैं। इसके साथ ही वीडियो पर लिखा है कि सास से दामाद ने की शादी, कानपुर देहात अकबरपुर। वीडियो पर कोर्ट मैरिज कर लिए, आशीर्वाद दे दो भी

लिखा है। इसके साथ ही वीडियो पर गाना लगाया गया है कि लव मैरिज करेंगे कोर्ट में, मेरी हां में बस हां राखिए। वीडियो वायरल होने के बाद लोग इस रिश्ते पर तरह-तरह की प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं।

वीडियो वायरल होने के बाद दोनों के परिजन की ओर से अभी कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली है। वायरल वीडियो की संवाद न्यूज एजेंसी पुष्टि नहीं करती है। अकबरपुर थानाध्यक्ष ने बताया कि वायरल वीडियो की जांच करवाई जा रही है। अभी तक किसी पक्ष ने शिकायत दर्ज नहीं कराई है।

स्थानीय लोगों के बीच यह चर्चा आम है कि महिला और उसके दामाद के बीच लंबे समय से करीबी संबंध थे। इस दावे की आधिकारिक पुष्टि भले ही न हुई हो, लेकिन सोशल मीडिया पर चल रही चर्चाओं और स्थानीय स्तर पर सामने आ रही जानकारियों के आधार पर ही इस मामले को देखा जा रहा है। बताया जा रहा है कि दोनों के इस रिश्ते की जानकारी सामने आने के बाद परिवार और आसपास के लोग हैरान हैं। पारंपरिक सामाजिक मान्यताओं के विपरीत इस संबंध को लेकर अलग-अलग तरह की प्रतिक्रियाएं देखने को मिल रही हैं।

कुछ लोग इसे दोनों की व्यक्तिगत पसंद का मामला बता रहे हैं, वहीं कई लोग इस रिश्ते की नैतिकता पर सवाल भी उठा रहे हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर भी इस घटना को लेकर बड़ी संख्या में लोग अपनी राय व्यक्त कर रहे हैं, जिससे यह मामला और भी चर्चा में आ गया है।

यह भी स्पष्ट नहीं हो पाया है कि कोर्ट मैरिज कब और कहां हुई। कोर्ट मैरिज से जुड़े दस्तावेजों को लेकर भी कोई आधिकारिक जानकारी सार्वजनिक नहीं हुई है।

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली में पोस्टर वार से पट गए चौराहे, इंडी गठबंधन की बैठक से पहले सहयोगी दलों के बयानों से राहुल गांधी पर निशाना

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडी गठबंधन की सोमवार को होने वाली बैठक के पहले पोस्टरवार शुरू

हो गया है। एनडीएमसी क्षेत्र में जगह-जगह पोस्टर और होर्डिंग लगाकर राहुल गांधी और कांग्रेस के विरुद्ध गठबंधन के नेताओं के विरुद्ध दिए गए बयान लिखे गए हैं। प्रत्येक होर्डिंग में राहुल गांधी की तस्वीर देने के साथ ही उनके विरुद्ध बयान देने वाले अन्य पार्टी के नेता की तस्वीर है। उदयनिधि स्टालिन के नाम से लगे होर्डिंग में कांग्रेस पर डीएमके के पीछ में छुरा घोंपने का आरोप है। कहा गया है कि 20 साल से अधिक समय तक कांग्रेस हमारी पीठ पर बैठकर आगे बढ़ती रही और आज उन्होंने हमारी ही पीठ में छुरा घोंप दिया। इसी तरह से एनसीपी प्रमुख शरद पवार के उस बयान का भी पोस्टर है जिसमें उन्होंने कहा था कि राहुल गांधी में कंसीस्टेंसी की कमी है। बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के बयान 'अगर कांग्रेस गठबंधन नहीं चला सकती तो मैं उसे चलाने को तैयार हूं' का भी होर्डिंग लगाया गया है। इसी तरह से केरलम के पूर्व मुख्यमंत्री, तमिलनाडु के पूर्व मुख्यमंत्री स्टालिन, दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल सहित अन्य नेताओं की राहुल गांधी व कांग्रेस के विरुद्ध बयान पर होर्डिंग लगाए गए हैं। केजरीवाल के पोस्टर में लिखा गया है, 'लोग कहते हैं कि हम कांग्रेस को कमजोर कर रहे हैं। भला मैं कांग्रेस को क्या कमजोर करूंगा? राहुल गांधी खुद ही अकेले इस काम को बहुत अच्छे से कर रहे हैं।'

कुआलालंपुर से गीजर में छिपाकर ला रहे थे 15 किलो विदेशी गांजा, आईजीआई एयरपोर्ट पर दो तस्कर गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर कस्टम विभाग के अधिकारियों ने नशीले पदार्थों की तस्करी के एक प्रयास को

नाकाम करते हुए दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। खुफिया जानकारी और संदिग्धों की गतिविधियों के आधार पर की गई इस कार्रवाई में दो यात्रियों के पास से भारी मात्रा में विदेशी गांजा बरामद किया गया है, जिसे बहुत ही शातिर तरीके से बिजली के गीजर के भीतर छिपाकर लाया जा रहा था। सात जून को कुआलालंपुर से आए दो यात्रियों को कस्टम विभाग की एयर इंटेलिजेंस यूनिट ने ग्रीन चैनल पार करने के बाद रोक लिया। जांच के दौरान अधिकारियों ने देखा कि इन यात्रियों के पास उनके सामान्य सामान के अलावा दो बिल्कुल नए गीजर भी थे। जब अधिकारियों ने दोनों यात्रियों से कड़ाई से पूछताछ की और उनके मोबाइल फोन पर हुई बातचीत को खंगाला, तो गीजर के भीतर कुछ गड़बड़ होने का गहरा संदेह पैदा हुआ। उन्नत किस्म का हाइड्रोपोनिक गांजा बरामद इसके बाद इन दोनों उपकरणों की दोबारा बहुत बारीकी से एक्स-रे जांच की गई। जांच के नतीजों के बाद दोनों गीजरों को जब खोला, तो भीतर बेहद चालाकी से बनाया गया गुप्त हिस्सा सामने आया। इन उपकरणों के अंदर से वैक्यूम-सील्ड कुल 145 पैकेट बरामद किए गए। पत्ती जैसा पदार्थ मिला, जो जांच में उन्नत किस्म का हाइड्रोपोनिक गांजा निकला।

दिल्ली में अवैध निर्माण पर एमसीडी का सख्त एक्शन, छुट्टी के दिन रविवार को भी गरजा बुलडोजर

नई दिल्ली, एजेंसी। सैदुलाजाब और हौजरानी की घटना के बाद राजधानी दिल्ली में रविवार को भी अवैध निर्माण के खिलाफ कार्रवाई हुई। इसके बाद दिल्ली में जगह-जगह अवैध निर्माण गिराए गए। इसमें संम्रात अवैध कालोनी सैनिक फार्म में भी अवैध निर्माण के खिलाफ कार्रवाई की गई।

यहां पर निर्माण पर बिल्कुल पाबंदी है। इसलिए हाल में हुए निर्माण पर एमसीडी अब कार्रवाई कर रही है। इसके साथ ही एमसीडी ने कृष्णा पार्क इलाके में कार्रवाई की है। उल्लेखनीय है कि निगम की कार्रवाई आम तौर पर सोमवार से शनिवार को होती है लेकिन रविवार को छुट्टी होने के बाद भी पहली बार कार्रवाई देखी गई है।

निगम के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि जिन-जिन अवैध निर्माण को तोड़ने से पहले जो कानूनी प्रक्रिया होती है वह पूरी होती जा रही है उसे गिराया जा रहा है। सभी को सख्त निर्देश हैं कि किसी भी अवैध निर्माण पर कोताही न बरतें। अधिकारी ने बताया कि सोमवार को भी विभिन्न जोन में एक्शन तय हैं। सीलिंग और अवैध निर्माण को ध्वस्त करने की कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि

दिल्ली सरकार के साथ मिलकर भी निरीक्षण भी चल रहा है वहीं निगम की टीम भी अपने-अपने स्तर पर निरीक्षण कर रही है।

उन्होंने बताया कि दिल्ली सरकार के अधिकारियों के साथ मिलकर अब तक 130 स्थानों पर निरीक्षण हो चुके हैं। इसमें उत्तरी जिले द्वारा 16 निरीक्षण किए गए हैं।इसमें नियमों का उल्लंघन करने वालों को नोटिस दिए गए हैं। इसी प्रकार नई दिल्ली जिले में चार निरीक्षण किए गए हैं इसमें नियमों का उल्लंघन पाने पर कारण बताओ नोटिस जारी किए गए हैं। दक्षिण पश्चिम जिले में 10, दक्षिणी-उत्तरी जिले में छह, पूर्वी में 15, उत्तर-पश्चिम जिले में 13, उत्तर-पूर्वी जिले में पांच, मध्य उत्तरी जिले में 19, मध्य जिले में 11 निरीक्षण किए गए हैं। इसमें सीलिंग और कारण बताओ के नोटिस हैं।

कॉलेज के दौरान ही लें रिसर्च का अनुभव, श्री वेंकटेश्वर कॉलेज दे रहा है इंटर्नशिप का शानदार मौका

नई दिल्ली, एजेंसी। डीयू के अंतर्गत आने वाले श्री वेंकटेश्वर कालेज ने स्नातक छात्रों में शोध संस्कृति को बढ़ावा देने के उद्देश्य से श्री वेंकटेश्वर इंटर्नशिप प्रोग्राम इन रिसर्च एंड एकेडमिक्स के लिए आवेदन आमंत्रित किए हैं। यह पाठ्यक्रम कालेज के आइक्यूएसी की पहल है, जिसके तहत छात्रों को विभिन्न शोध परियोजनाओं में भाग लेने का अवसर मिलेगा। कॉलेज की ओर से जारी सूचना के अनुसार, इस वर्ष कुल 42 शोध परियोजनाएं उपलब्ध हैं और इनमें सभी विषयों के छात्र आवेदन कर सकते हैं। आवेदन की अंतिम तिथि 18 जून 2026 निर्धारित की गई है, जबकि चयनित छात्रों की सूची 27 जून 2026 को जारी की जाएगी। पाठ्यक्रम को दो श्रेणियों में विभाजित किया गया है। पहली श्रेणी में तीन माह की शोध परियोजनाएं होंगी। यह 1 जुलाई से 30 सितंबर 2026 तक चलेंगी। दूसरी श्रेणी में छह माह की माइनर रिसर्च परियोजनाएं शामिल हैं, जो 1 जुलाई से 30 दिसंबर 2026 तक संचालित होंगी। दोनों पाठ्यक्रम आनलाइन, आफलाइन या ब्लेंडेड मोड में आयोजित किए जा सकते हैं। प्रत्येक परियोजना में अधिकतम 10 छात्रों को शामिल किया जाएगा। चयन की प्रक्रिया संबंधित फैकल्टी मेंटर द्वारा तय की जाएगी।

डोमिनिकन रिपब्लिक में विमान हादसा, टेक ऑफ के समय क्रैश हुआ विमान

सैंटो डोमिंगो , एजेंसी। डोमिनिकन रिपब्लिक के ला रोमाना अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर एक निजी विमान क्रैश हो गया। अमेरिका में पंजीकृत यह बिजनेस जेट रविवार को आपात लैंडिंग के समय दुर्घटनाग्रस्त हुआ। दुर्घटना के बाद विमान में आग लग गई। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में देखा जा सकता है कि एयरस्ट्रिप से टकराने के बाद विमान आग के बड़े गोले में बदल गया। इस हादसे में विमान में सवार चालक दल के दोनों सदस्यों की मौत हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों ने सोशल मीडिया पर कई वीडियो साझा किए हैं। इन तस्वीरों और वीडियो में विमान आपातकालीन लैंडिंग का प्रयास करता देखा जा सकता है। दुर्घटना से ठीक पहले विमान तेज गति से रनवे पर घिसटता हुआ देखा गया। इसके बाद विमान रनवे से फिसलकर हवाई अड्डा परिसर में ही घास वाले क्षेत्र में चला गया और इसी समय भीषण आग लग गई। डोमिनिकन नागरिक उड्डयन संस्थान (आईडीएसी) ने इस घटना की पुष्टि की है। संस्थान ने बताया कि पायलट और सह-पायलट ही विमान में एकमात्र सवार थे। दुर्घटना के समय विमान में कोई यात्री मौजूद नहीं था। इसलिए बड़ी संख्या में लोग हताहत नहीं हुए। विमान के मॉडल को लेकर आईडीएसी ने कहा, यह एक गल्फस्ट्रीम जी200 दो इंजन वाला बिजनेस जेट था। अमेरिका में पंजीकरण के बाद इसे एन318जेएफ नंबर आवंटित हुआ था। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक हादसे से पहले विमान ला रोमाना से टेकऑफ हुआ था। ला रोमाना देश की राजधानी सैंटो डोमिंगो से लगभग 130 किलोमीटर पूर्व में स्थित लोकप्रिय पर्यटन शहर है। यह विमान अमेरिका के टेक्सास में ऑस्टिन जा रहा था। उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद फ्लाइट की इमरजेंसी लैंडिंग के दौरान आग लग गई। विमानन अधिकारियों की तरफ से जारी प्रारंभिक रिपोर्ट्स के अनुसार, विमान दुर्घटना से पहले चालक दल के सदस्यों ने आपात स्थिति की सूचना दी थी।

जापान का नया और अनोखा आविष्कार, पुरुषों के लिए आई फिंगरप्रिंट लॉक वाली चड्डी

टोक्यो, एजेंसी। अपनी अजीबोगरीब और हैरान कर देने वाली टेक्नोलॉजी के लिए मशहूर जापान ने एक बार फिर दुनिया को दांतों तले उंगली दबाने पर मजबूर कर दिया है। इस बार जापानी वैज्ञानिकों और इन्वेंटर्स ने पुरुषों के इनरवेयर (अंडरवियर) को लेकर एक ऐसा प्रयोग किया है जिसकी चर्चा पूरी दुनिया के सोशल मीडिया पर आग की तरह फैल गई है।

जापान में पुरुषों के लिए एक स्पेशल स्मार्ट अंडरवियर तैयार किया गया है जिसमें हाई-टेक फिंगरप्रिंट लॉक (बायोमेट्रिक क्लैप) लगाया गया है। इस चड्डी की खासियत यह है कि यह सिर्फ और सिर्फ रजिस्टर्ड पार्टनर (पत्नी या गर्लफ्रेंड) के फिंगरप्रिंट से ही खुलेगी किसी दूसरे के छूने से भी यह लॉक नहीं खुलेगा। इस अनोखे प्रोडक्ट को बनाने के पीछे की वजह भी काफी दिलचस्प है। आविष्कारक का दावा है कि आजकल

के रिश्तों में बढ़ते एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर्स (शादी के बाद अवैध संबंध) और धोखेबाजी को रोकने के लिए इसे डिजाइन किया गया है। इसे पहनने के बाद पुरुष चाहकर भी कहीं और फिसल नहीं पाएंगे।

यह बायोमेट्रिक क्लैप पूरी तरह सील रहता है। इसमें लगी सेंसर बैटरी लंबे समय तक चलती है। कंपनी का कहना है कि अगर कभी बैटरी खत्म हो जाए तो इसमें एक इमरजेंसी मैनुअल मोड भी है लेकिन उसे एक्टिव करने के लिए भी पार्टनर की सहमति (परमिशन) होना जरूरी है।

विशेषज्ञों के मुताबिक यह आविष्कार समाज में बदलते रिश्तों और भरोसे की कमी का सबसे बड़ा उदाहरण है। आजकल के कपल्स में ट्रस्ट इश्यूज इतने बढ़ गए हैं कि लोग अब आपसी विश्वास के बजाय टेक्नोलॉजी की गारंटी पर भरोसा करने लगे हैं। पुराने जमाने की चेस्टिटी बेल्ट जैसी चीजें जो कभी काल्पनिक लगती थीं आज टेक कंपनियों ने उसे मेनस्ट्रीम मार्केट का हिस्सा बना दिया है।

जापान के बाजारों में इस प्रोडक्ट का पहला बैच लॉन्च होते ही हाथों-हाथ बिक गया है। हालांकि बायोमेट्रिक टेक्नोलॉजी और प्रीमियम सॉफ्ट-ब्रीथेबल फैब्रिक के इस्तेमाल के कारण इसकी कीमत काफी ज्यादा होने की उम्मीद है जिसे अभी सार्वजनिक नहीं किया गया है। इस खबर को लेकर भारतीय सोशल मीडिया पर भी मीम्स और कमेंट्स की बाढ़ आ गई है। जहां भारतीय लड़कियां कमेंट्स में लिख रही हैं कि इसे जल्द से जल्द भारत में लाओ, हम पहला ऑर्डर बुक करेंगे, वहीं लड़के इसे पूरी तरह अमानवीय बताकर इस पर मजेदार चुटकुले शेयर कर रहे हैं।

दुबई में कचरा उठाने वाले व कबाड़ी बने भारतीय युवक; पंजाब का अभिषेक बना चर्चा का विषय

दुबई , एजेंसी। विदेश जाकर बेहतर कमाई और जीवन का सपना देखने वाले हजारों भारतीय युवा दुबई में उठाने व कबाड़ी का काम कर रहे हैं। इनमें पंजाब के एक युवक का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में युवक अपनी नौकरी, काम के घंटे और सैलरी के बारे में खुलकर बात करता नजर आ रहा है, जिसके बाद इंटरनेट पर नई बहस शुरू हो गई है। वायरल वीडियो में नजर आ रहे अभिषेक सिंह पंजाब के रहने वाले हैं और पिछले 7 से 8 महीनों से दुबई में कचरा कलेक्टर के रूप में काम कर रहे हैं। वीडियो को कंटेंट क्रिएटर जगदीश चावला ने साझा किया है। अभिषेक ने बताया कि दुबई आने से पहले वह भारत में पढ़ाई कर रहे थे। उन्हें यह नौकरी उनके बड़े भाई की मदद से मिली, जो पहले से उसी कंपनी में कार्यरत हैं। प्रतिदिन 11 से 12 घंटे तक काम करना पड़ता है। उन्होंने बताया कि उनकी मासिक आय 1,800 से 1,900 दिरहम के बीच है, जो भारतीय मुद्रा में लगभग 46,600 से 49,200 के बराबर होती है।उन्होंने यह भी बताया कि कंपनी रहने की सुविधा उपलब्ध कराती है, लेकिन भोजन और अन्य व्यक्तिगत खर्च उन्हें

खुद उठाने पड़ते हैं। वीडियो में अभिषेक ने पंजाब और भारत के युवाओं को संदेश देते हुए कहा कि परिस्थितियां चाहे जैसी भी हों, मेहनत से पीछे नहीं हटना चाहिए।उन्होंने कहा कि लगातार मेहनत और धैर्य के साथ आगे बढ़ते रहने से ही सफलता मिलती है। इसके अलावा हैदराबाद का युवक जो वहां गत्ते के डिब्बे इकट्ठे करने का काम करता है, ने बताया कि व करीब 1500 दिहराम कमाता है। कंपनी सिर्फ रूम रेंट देती है जबकि खाना व बाकी जरूरतें खुद पूरी करनी पड़ती हैं। वीडियो वायरल होने के बाद सोशल मीडिया पर लोगों की मिली-जुली प्रतिक्रियाएं सामने आईं। कई लोगों ने अभिषेक की मेहनत और संघर्ष की सराहना की। कुछ यूजर्स ने यहां तक पूछा कि वे भी ऐसी नौकरी के लिए आवेदन कैसे कर सकते हैं और दुबई में रोजगार पाने की प्रक्रिया क्या है। वहीं दूसरी ओर कई लोगों ने वेतन को लेकर सवाल उठाए। कुछ यूजर्स का कहना था कि 11-12 घंटे की शारीरिक मेहनत के मुकाबले लगभग ?49 हजार की सैलरी बहुत ज्यादा नहीं है, खासकर तब जब खाने-पीने का खर्च भी कर्मचारी को खुद उठाना पड़े। कुछ लोगों ने दुबई की भीषण गर्मी में इस तरह का काम करने की कठिनाइयों का भी जिक्र किया। एक यूजर ने लिखा कि गर्मियों में सड़क पर काम करना बेहद चुनौतीपूर्ण होता है।

● सात साल तक लगातार टिकट खरीदने के बाद आखिरकार उन्हें सफलता मिली

छुट्टियां मना रहा भारतीय अचानक बन गया 52 करोड़ का मालिक, बोला- सोचा न था ऐसे भी चमकती है किस्मत

बहरीन , एजेंसी। बहरीन में रहने वाले भारतीय कारोबारी कृष्णकुमार श्यामला रविंद्रन की किस्मत एक मुफ्त लॉटरी टिकट से चमक गई। अबू धाबी बिग टिकट ड्रॉ में उन्हें 2 करोड़ दिरहम (करीब 52 करोड़ रुपये) का जैकपॉट मिला। सात साल तक लगातार टिकट खरीदने के बाद आखिरकार उन्हें बड़ी सफलता मिली।

कहते हैं कि किस्मत कब बदल जाए, इसका अंदाजा कोई नहीं लगा सकता। बहरीन में रहने वाले एक भारतीय कारोबारी के साथ भी कुछ ऐसा ही हुआ। वर्षों से लॉटरी खरीद रहे इस शख्स की जिंदगी उस टिकट ने बदल दी, जिसके लिए उसने एक भी पैसा नहीं चुकाया था। एक मुफ्त टिकट पर उसे करीब 52 करोड़ रुपये का जैकपॉट लग गया। कृष्णकुमार श्यामला रविंद्रन पिछले 23 वर्षों से बहरीन में रह रहे हैं और वहां रेस्तरां का व्यवसाय चलाते हैं। 43 वर्षीय कृष्णकुमार हाल ही में अपने परिवार के साथ छुट्टियां मनाने के लिए केरल आए हुए थे।

इसी दौरान 4 जून को निकले

अबू धाबी बिग टिकट ड्रॉ के परिणाम ने उनकी जिंदगी बदल दी। उन्होंने 2 करोड़ दिरहम यानी लगभग 52 करोड़ रुपये का जैकपॉट जीत लिया। कृष्णकुमार ने 28 मई को ऑनलाइन टिकट खरीदे थे। उस समय बाय 2, गेट 2 फ्री ऑफर चल रहा था। उन्होंने दो टिकट खरीदे और दो टिकट मुफ्त में मिले। दिलचस्प बात यह रही कि उनकी पत्नी और बहन ने टिकट नंबर रैंडम तरीके से चुने थे। बाद में इन्हीं मुफ्त टिकटों में से एक टिकट नंबर 339729 पर जैकपॉट निकल आया। जब आयोजकों ने जीत की सूचना देने के लिए कृष्णकुमार को फोन किया, तब उनका बहरीन वाला मोबाइल नंबर बंद था क्योंकि वह भारत में थे और नंबर रोमिंग पर नहीं था। बाद में व्हाट्सऐप के जरिए उनके भारतीय नंबर पर संपर्क किया गया। तभी उन्हें पता चला कि वह करोड़पति बन चुके हैं।

कृष्णकुमार ने बताया कि पता चलते ही उनके मुंह से निकला कि सोचा न था ऐसे भी चमक सकती है किस्मत। कृष्णकुमार की कहानी सिर्फ किस्मत नहीं बल्कि धैर्य और निरंतर प्रयास की भी कहानी है। होटल मैनेजमेंट की पढ़ाई के बाद वह करीब 20 साल की उम्र में बहरीन पहुंचे थे।शुरुआत में नौकरी करने के बाद उन्होंने अपना रेस्तरां शुरू किया। कारोबार के कठिन दौर में बेहतर भविष्य की उम्मीद के साथ उन्होंने बिग टिकट की लॉटरी खरीदना शुरू किया।

उनके दिन के सबसे लंबे 15 मिनट... हौज रानी अग्निकांड पर फायरमैन ने बयां किया रेस्क्यू का खौफनाक मंजर

नई दिल्ली, एजेंसी। बुधवार सुबह हौज रानी के बेड-एंड-ब्रेकफास्ट में लगी भीषण आग में 21 लोगों की जान चली गई। लेकिन फायर फाइटरों के लिए आग बुझाने से पहले सबसे बड़ी चुनौती ट्रैफिक थी। जैसे ही फायर टेंडर स्टेशन से निकले, रश ऑवर का जाम उनके रास्ते में खड़ा हो गया। ट्रैफिक सिग्नल पर गाड़ियों की भारी भीड़, कई मोड़ों पर लगे जाम और कुछ ड्राइवरों की लापरवाही ने उन्हें हर कदम पर रोका। कुछ लोग रास्ता देने को तैयार ही नहीं थे, तो कुछ इतने फंस चुके थे कि हिल भी नहीं पा रहे थे। घटना स्थल के करीब पहुंचते ही एक और समस्या सामने आई। बेड-एंड-ब्रेकफास्ट को घेरने वाली संकरी गलियां बेतरतीब पार्क की गई कारों से पूरी तरह भरी हुई थीं। आग देखने के लिए लोग भीड़ लगाकर अपनी गाड़ियां पार्क कर रहे थे। ऊपर बिजली के लटकते तारों का जाल टेंडर को अंदर जाने नहीं दे रहा था। आखिरकार स्थानीय लोगों ने मदद करके फायर इंजन को जगह दिलवाई। टाइम्स ऑफ इंडिया के रिपोर्ट के अनुसार, भिखाजी कामा प्लेस फायर स्टेशन के ड्राइवर सुरेंदर सिंह (47) और कमल डागर (36) के लिए वह सुबह बेहद अलग थी। एक 24 घंटे की थकान भरी ड्यूटी खत्म कर घर जा रहा था, दूसरा अभी अपनी ड्यूटी शुरू ही कर रहा था। कुछ ही मिनटों में दोनों एक ऐसी त्रासदी की ओर दौड़ रहे थे, जिसमें 21 लोग अपनी जान गंवा बैठे।

'सबसे पहले ट्रैफिक से मुकाबला हुआ': सुरेंदर सिंह ने बताया, 'मैं 24 घंटे की ड्यूटी खत्म करके घर जाने की तैयारी कर रहा था कि अचानक अलार्म बज उठा। मैंने तुरंत फायर गियर पहना और टेंडर की ड्राइविंग सीट पर बैठ

गया।' वहीं, कमल डागर कहते हैं, 'मैंने दूध का गिलास उठाया ही था कि सायरन बजने लगा। सब कुछ टेबल पर छोड़कर मैं भागा हुआ टेंडर की तरफ गया। सायरन बज रहा था, लाइटें चमक रही थीं, फिर भी सड़कें जाम थीं।' डागर ने बताया, 'जब भी जाम मिलता, अधिकारी बाहर झुककर लोगों से रास्ता देने की अपील करते। हम बार-बार कह रहे थे कि इमरजेंसी है, रास्ता दो... लेकिन कई जगह गाड़ियां ऐसे अटकी हुई थीं कि निकलना मुश्किल था।' सुरेंदर सिंह कहते हैं, 'हर कॉल में समय बहुत कीमती होता है। जितनी जल्दी हम पहुंचेंगे, उतनी ज्यादा जानें बचाई जा सकती हैं। लेकिन कुछ ड्राइवर नियमों का पालन ही नहीं करते।' 15-20 मिनट में वे मौके पर पहुंच गए। दूर से ही काला धुआं और लपटें दिख रही थीं। सिंह ने कहा, 'आग बहुत तेज थी और धुआं बहुत घना था। हमारा पहला लक्ष्य आग को फैलने से रोकना और लोगों को बचाना था।' जब अन्य जवान धुएं भरे माहौल में अंदर घुसकर लोगों को निकाल रहे थे, तब सुरेंदर सिंह ने भारी पंपिंग सिस्टम संभाला और कमल डागर ने पानी का प्रेशर नियंत्रित किया। दोनों बार-बार जरूरी उपकरण लेकर फ्रंटलाइन पर मौजूद साथियों तक पहुंचाते रहे। 17 साल के अनुभवी सुरेंदर सिंह कहते हैं।

दिल्ली में एमसीडी और सरकार के दावों की खुली पोल, खंडहर बनते रहे शौचालय; आंखें मूंदे बैठे रहे अधिकारी

नई दिल्ली, एजेंसी। स्वच्छ और सुंदर दिल्ली बनाने का संकल्प महापौर और सीएम की तरफ से अक्सर दोहराया जाता है, लेकिन जर्जर हो चुके सार्वजनिक शौचालयों की तरफ बिल्कुल ध्यान नहीं दिया जा रहा है। राजधानी के कई इलाकों में शौचालयों की इमारतें खंडहर बन चुकी हैं। नरेला में ऐसे ही एक शौचालय का जर्जर पिलर गिरने से छह वर्षीय बच्ची की मौत हो गई। स्थानीय लोग इसके लिए सीधे तौर पर एमसीडी को जिम्मेदार बता रहे हैं। उनका कहना है कि उन्होंने इस संबंध में कई बार एमसीडी में शिकायत की, लेकिन कुछ नहीं किया।

दिल्ली में 837 सार्वजनिक शौचालय हैं और 1621 पब्लिक यूरिनल हैं। एमसीडी के 837 सार्वजनिक शौचालय में से 224 एमसीडी ने आउट सोर्स कर रखें हैं, जबकि 613 को एमसीडी स्वयं संचालित करता है।

हालत यह है कि दिल्ली के विभिन्न इलाकों में बड़ी संख्या में सार्वजनिक शौचालयों और यूरिनल उपयोग के लायक नहीं रहे। अधिकांश में दरवाजे नहीं हैं या क्षतिग्रस्त हैं। शौचालय के अंदर और बाहर की दीवारें भी जर्जर जो चुकी हैं। कई शौचालयों की छत भी जर्जर हो चुकी है, जिसमें से प्लास्टर झड़ते रहते हैं। पानी और बिजली की शिकायतें भी हैं। सड़कों के किनारे बने अधिकांश सार्वजनिक शौचालय खस्ताहाल हो चुके हैं। यह सिर्फ खंडहर नहीं हुए हैं, इनमें गंदगी इतनी अधिक होती है कि लोग इनका उपयोग नहीं कर पाते हैं। कहीं सार्वजनिक शौचालय का गेट बंद हैं तो कहीं दीवार पर पेड़ उग आए हैं तो कहीं यूरिनल गंदगी से भरे हैं।

की जमीनी पड़ताल में यही तथ्य निकलकर सामने आए हैं। इसके बावजूद एमसीडी की तरफ से दिल्ली को स्वच्छ बनाने का दम भरा जाता है। इस संकल्प को हासिल करने के लिए सार्वजनिक शौचालयों की हालत सुधारनी होगी। देशबंधु गुप्ता रोड पर रानी झांसी चौक के पास वर्षों पहले बनाया गया सार्वजनिक शौचालय बिल्कुल खस्ताहाल हो चुका है। यह बिल्कुल खंडहर बन चुका है। यहां सफाई भी नहीं होती है। ऐसे में लोग शौचालय का इस्तेमाल करने से बचते हैं। एमसीडी की लापरवाही का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि शौचालय नीचे धंस गया है, लेकिन इसकी मरम्मत नहीं करवाई जा रही है।

संपादकीय | राजनीतिक समीकरणों को साधने पर जोर

राज्यसभा चुनावों के लिए भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस ने अपने उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है। इन घोषणाओं ने केवल संसदीय राजनीति ही नहीं, बल्कि आने वाले महीनों में राष्ट्रीय राजनीति की दिशा को लेकर भी कई संकेत दिए हैं। भाजपा ने जहां संगठन के पुराने और भरोसेमंद चेहरों को आगे बढ़ाने के साथ-साथ सामाजिक और क्षेत्रीय संतुलन साधने की कोशिश की है, वहीं कांग्रेस ने भी अपने अनुभवी नेताओं और संगठन से जुड़े चेहरों को प्राथमिकता देकर राजनीतिक संदेश देने का प्रयास किया है।

भाजपा ने राज्यसभा की द्विवार्षिक चुनाव प्रक्रिया और ओडिशा उपचुनाव के लिए कुल ग्यारह उम्मीदवार उतारे हैं। इनमें मणिपुर भाजपा अध्यक्ष ए शारदा देवी, राष्ट्रीय महासचिव अलका गुर्जर, राष्ट्रीय सचिव तरुण चुघ, राजस्थान के प्रभावशाली जाट नेता सतीश पूनिया और हाल ही में बीजद छोड़कर भाजपा में शामिल हुए देबाशीष सामंतराय प्रमुख हैं। पार्टी सूत्रों के अनुसार यह चयन केवल चुनावी गणित नहीं, बल्कि संगठन के प्रति लंबे समय से समर्पित नेताओं को सम्मान देने की रणनीति का हिस्सा है।

भाजपा की सूची में सबसे अधिक चर्चा देबाशीष सामंतराय के नाम को लेकर हुई। सामंतराय ने हाल ही में बीजद से इस्तीफा देकर भाजपा का दामन थामा था और तुरंत उन्हें ओडिशा उपचुनाव में उम्मीदवार बना दिया गया। इससे साफ संकेत है कि भाजपा ओडिशा में अपने पुराने सहयोगी रहे बीजद को लगातार कमजोर करने की नीति पर काम कर रही है। नवीन पटनायक के नेतृत्व वाली बीजद पहले ही कमजोर स्थिति में मानी जा रही है और भाजपा अब वहां अपने प्रभाव

को स्थायी रूप से बढ़ाना चाहती है।

भाजपा ने गुजरात, राजस्थान, मध्य प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश और मणिपुर जैसे राज्यों में अपने मजबूत संगठनात्मक आधार का लाभ उठाते हुए ऐसे उम्मीदवार चुने हैं जिनकी जीत लगभग तय मानी जा रही है। गुजरात से राजुभाई शुक्ला, मुकेशभाई राठवा, मानसिंह परमार और जितेंद्र कंजरिया को उतारकर पार्टी ने पिछड़ा और जनजातीय वर्गों को साधने का प्रयास किया है। राजस्थान में अलका गुर्जर और सतीश पूनिया को उम्मीदवार बनाकर भाजपा ने दो प्रभावशाली पिछड़े वर्ग समुदायों को संदेश देने की कोशिश की है। यह फैसला इसलिए भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है क्योंकि राजस्थान में कांग्रेस संगठनात्मक रूप से सक्रिय दिखाई दे रही है और भाजपा वहां सामाजिक समीकरण मजबूत करना चाहती है।

पंजाब भाजपा नेता तरुण चुघ को मध्य प्रदेश से उम्मीदवार बनाना भी राजनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है। पंजाब में अगले वर्ष चुनाव होने हैं और भाजपा वहां पारंपरिक समर्थक वर्ग को मजबूत करने के साथ-साथ सिख समुदाय में अपनी स्वीकार्यता बढ़ाने की रणनीति पर काम कर रही है। इससे पहले पार्टी ने केवल सिंह ढिल्लों को पंजाब भाजपा अध्यक्ष बनाकर जाट सिख समुदाय तक पहुंच बनाने की कोशिश की थी।

इन चुनावों में भाजपा द्वारा केंद्रीय मंत्रियों रवनीत सिंह बिट्टू और जॉर्ज कुरियन को दोबारा उम्मीदवार नहीं बनाए जाने से भी राजनीतिक हलकों में चर्चा तेज हो गई है। दोनों वर्तमान में राज्यसभा सदस्य हैं और उनका कार्यकाल जून में समाप्त हो रहा है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि इससे केंद्र सरकार में मंत्रिमंडल फेरबदल की संभावना मजबूत हुई है। इससे पहले भी वर्ष 2022 में मुख्तार अब्बास नकवी और आरसीपी सिंह को दोबारा राज्यसभा नहीं भेजा गया था और बाद में उन्हें मंत्रिमंडल से बाहर होना पड़ा था। भाजपा संगठन में भी बदलाव की चर्चा है और माना जा रहा है कि पार्टी नए नेतृत्व और नई सामाजिक रणनीति के साथ आगे बढ़ना चाहती है।

दूसरी ओर कांग्रेस ने भी राज्यसभा चुनाव के लिए अपने उम्मीदवारों की सूची जारी की है। पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, प्रवक्ता पवन खेड़ा और मंसूर अली खान को कर्नाटक से उम्मीदवार बनाया गया है। मध्य प्रदेश से मीनाक्षी नटराजन, राजस्थान से नीरज डांगी, तमिलनाडु से प्रवीण चक्रवर्ती और झारखंड से प्रणव झा को उम्मीदवार घोषित किया गया है। कांग्रेस की सूची से साफ है कि पार्टी अनुभव और संगठनात्मक निष्ठा दोनों को महत्व दे रही है।

घोटालों पर आखिर इतनी देर से नजर क्यों जाती है?

शेयर बाजार एक अलग दुनिया है. सामान्य लोगों को इसकी तकनीक आमतौर पर समझ में नहीं आती है. मगर जो लोग यहां ट्रेडिंग करते हैं, जो कंपनियां ट्रेडिंग करती हैं और इन सब पर नजर रखने के लिए खासतौर पर जो अधिकारी होते हैं, उन्हें तो सब समझ में आता है ! फिर चूक कहां हो जाती है? अब ताजा मामला बेंगलुरु स्थित दिग्गज गोल्ड कंपनी राजेश एक्सपोर्ट्स और उसके चेयरमैन राजेश मेहता से जुड़ा है. सेबी का कहना है कि वित्त वर्ष 2021 से 2025 के बीच कंपनी ने लगभग 99 प्रतिशत राजस्व, जो करीब 15.15 लाख करोड़ रुपए होता है, को गलत तरीके से और बढ़ा-चढ़ा कर दिखाया. सेबी कंसोलिडेटेड रेवेन्यू को पूरी तरह से संदिग्ध मान रही है. इसके साथ ही कंपनी के चेयरमैन राजेश मेहता को सिक्योरिटीज मार्केट से बैन कर दिया है. सेबी ने कंपनी से कहा है कि वह अपने खाते स्पष्ट करे. जांच-पड़ताल के लिए नए फॉरेंसिक ऑडिटर की नियुक्ति भी की जा रही है. इधर कंपनी ने कहा है कि सेबी को कोई गलतफहमी हुई है. उसका राजस्व पूरी तरह वैधानिक है. मगर सवाल यह है कि यदि सबकुछ वैधानिक है तो सेबी को इतने सख्त कदम उठाने की जरूरत क्यों पड़ी? सेबी की मानें तो दाल में कुछ काला जरूर है. अब यह तो जांच-पड़ताल के बाद ही पता चल पाएगा कि दाल में कितना काला है या फिर पूरी दाल ही काली है. 99 प्रतिशत का मतलब तो पूरी दाल का ही काला होना है ! मगर अभी अंतिम टिप्पणी नहीं की जा सकती क्योंकि मामला जांच में है. फिर भी यह सवाल तो पूछा ही जा सकता है कि यदि सेबी के आरोप सही हैं तो फिर 2021 से 2025 के बीच सेबी क्या कर रही थी? उसका तो काम ही है, घोटालों को पकड़ना ! फिर चीजें पकड़ में क्यों नहीं आईं? खासतौर पर जब इस कंपनी में भारतीय जीवन बीमा निगम के 10 प्रतिशत शेयर थे तो सबकी नजर मेहता पर होनी चाहिए थी. मगर किसी ने ध्यान नहीं दिया. इसका मतलब है कि सिस्टम में कुछ काली भेड़ें हो सकती हैं जिन्होंने पूरे मामले को चलने दिया. घाटा किसका हुआ? जीवन बीमा निगम का और आम आदमी का. पुराने घोटालों में हमने देखा है कि आम आदमी की जेब से जो ठगी होती है, वह शायद ही कभी लौट कर वापस आती है. 1992 में हर्षद मेहता प्रतिभूति घोटाला, 2001 का केतन पारेख घोटाला हो, 2009 में रामालिंगा राजू की कंपनी सत्यम का घोटाला हो, सहारा इंडिया का घोटाला हो या फिर अन्य घोटाले, नुकसान आम आदमी का ही हुआ. इन बड़े घोटालों के बाद आम आदमी को संरक्षित करने के लिए सेबी को अधिक शक्तियां प्रदान की गईं. तमाम शक्तियों के बाद भी यदि यह घोटाला (जैसा कि सेबी का आरोप है) सामने आ रहा है तो चूक कहीं न कहीं सेबी से भी हो रही है. जांच के दायरे में कंपनी तो है ही, यह भी देखा जाना चाहिए कि साथ में काली भेड़ें कौन सी हैं? काली भेड़ों को पकड़ना बहुत जरूरी है ताकि भविष्य में इस तरह का और कोई घोटाला न हो पाए.

आज का कार्टून

दुनिया के 3.4 अरब लोगों के पास नहीं है सुरक्षित घर

आवास का प्रश्न केवल ईंट, सीमेंट और भूमि का प्रश्न नहीं है। यह मानव गरिमा और सामाजिक समानता का प्रश्न है। एक सुरक्षित और सम्मानजनक घर व्यक्ति को केवल आश्रय ही नहीं देता, बल्कि शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और सामाजिक सुरक्षा के अवसरों तक पहुंच भी सुनिश्चित करता है। यदि किसी समाज में करोड़ों लोग आवासीय असुरक्षा में जीवन बिताने को विवश हैं, तो उस समाज के विकास को पूर्ण नहीं कहा जा सकता। शहरीकरण को केवल आर्थिक विकास के दृष्टिकोण से नहीं देखा जा सकता। यदि शहरों को भविष्य के विकास इंजन के रूप में स्थापित करना है, तो उन्हें अधिक समावेशी, न्यायसंगत और रहने योग्य बनाना होगा। भारत के लिए भी यह समय है कि वह आवास को कल्याणकारी कार्यक्रम की सीमा से बाहर निकालकर विकास नीति के केंद्र में स्थापित करे, क्योंकि किसी भी आधुनिक और विकसित राष्ट्र की पहचान केवल ऊंची इमारतों से नहीं, बल्कि इस बात से होती है कि उसके प्रत्येक नागरिक के सिर पर सुरक्षित, सम्मानजनक और किफायती छत उपलब्ध है।

देवेंद्रराज सुथार

संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट ने ऐसी वैश्विक समस्या की ओर ध्यान आकर्षित किया है, जो तेजी से आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक संकट का रूप लेती जा रही है। इसके अनुसार विश्व की लगभग 40 फीसद आबादी, यानी लगभग 3.4 अरब लोग सुरक्षित, पर्याप्त और किफायती आवास से वंचित हैं। इनमें से एक अरब से अधिक लोग कच्ची बस्तियों, झुग्गी-झोपड़ियों अथवा अत्यंत खराब आवासीय परिस्थितियों में जीवनयापन के लिए विवश हैं। यह स्थिति तब है जब दुनिया तकनीकी प्रगति, आर्थिक विकास और शहरी विस्तार का दावा कर रही है। स्पष्ट है कि विकास की चमक के पीछे एक बड़ा वर्ग ऐसा है, जिसके सिर पर छत तक नहीं है।

संयुक्त राष्ट्र की 'विश्व शहर रिपोर्ट 2026' का विषय 'वैश्विक आवास संकट- कार्रवाई के मार्ग' है। यह विषय केवल शहरी नियोजन का प्रश्न नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय, आर्थिक समानता, पर्यावरणीय स्थिरता और मानवीय गरिमा से जुड़ा हुआ है। आवास का संकट अब केवल गरीब देशों तक सीमित नहीं है। विकसित देशों में भी घरों की कीमतों, बढ़ते किराए और सीमित आवास उपलब्धता ने लाखों लोगों को प्रभावित किया है। इसलिए आज आवास को केवल एक संपत्ति या आर्थिक वस्तु के रूप में नहीं, बल्कि एक बुनियादी मानव अधिकार के रूप में देखने की जरूरत है।

भारत के संदर्भ में यह रिपोर्ट विशेष रूप से महत्त्वपूर्ण है। भारत विश्व की सबसे तेजी से शहरीकरण करने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है। संयुक्त राष्ट्र के अनुमानों के अनुसार 2050 तक भारत की लगभग आधी आबादी शहरों में निवास करेगी। वर्तमान में भी करोड़ों लोग बेहतर रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य और जीवन की संभावनाओं की तलाश में गांवों से शहरों की ओर पलायन कर रहे हैं। मगर शहरी अवसंरचना और आवासीय योजनाएं तेजी से बढ़ती आबादी की आवश्यकताओं के अनुरूप विकसित नहीं हो पाई हैं। ऐसे में एक ओर गगनचुंबी इमारतें खड़ी हो रही हैं, वहीं दूसरी ओर लाखों लोग झुग्गी-झोपड़ियों और अस्थायी बस्तियों में रहने के लिए मजबूर हैं।

एक सच यह भी है कि कई लोग अपने लिए घर खरीदने की स्थिति में भी नहीं हैं। वैश्विक स्तर पर मकान की कीमत और आय का अनुपात लगातार बढ़ रहा है। वर्ष 2010 में जहां यह अनुपात 9.3 था, वहीं 2023 में यह बढ़कर 11.2 हो गया। मध्य और दक्षिण एशिया में यह आंकड़ा 16.8 तक पहुंच चुका है। इसका अर्थ यह है कि औसत आय वाले व्यक्ति के लिए घर खरीदना पहले की तुलना में कहीं अधिक कठिन हो गया है। भारतीय महानगरों में स्थिति और भी गंभीर है।

मुंबई और दिल्ली जैसे शहरों में संपत्ति की कीमतें सामान्य आय वाले परिवारों की पहुंच से बाहर होती जा रही हैं। जमीन की बढ़ती कीमतों, निर्माण लागत और निवेश आधारित 'रियल एस्टेट मॉडल' ने आवास को बुनियादी आवश्यकता से अधिक निवेश का माध्यम बना दिया है। आवासीय असमानता का प्रभाव केवल घर खरीदने तक सीमित नहीं है। विश्व के लगभग 44 फीसद परिवार अपनी आय का 30 फीसद से अधिक हिस्सा आवास पर खर्च कर रहे हैं। यह स्थिति परिवारों की वित्तीय स्थिरता को प्रभावित करती है।

जब आय का बड़ा हिस्सा किराये या गृह ऋण की किस्तों में खर्च हो जाता है, तब शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण और अन्य आवश्यक जरूरतों पर खर्च सीमित हो जाता है। इससे गरीबी का दुश्चक्र और मजबूत होता है। भारत में भी महानगरों में रहने वाले लाखों निम्न और मध्यवर्गीय परिवार इसी समस्या का सामना कर रहे हैं। भारतीय शहरों में किफायती आवास की उपलब्धता तेजी से घट रही है।

गौरतलब है कि देश के आठ प्रमुख शहरों में किफायती आवास परियोजनाओं की हिस्सेदारी 2018 में 52 फीसद थी, जो 2025 तक घटकर केवल 17 फीसद रह गई। इसके पीछे मुख्य कारण जमीन-जायदाद बाजार का उच्च आय वर्ग की ओर झुकाव है। निजी भवन निर्माता अधिक लाभ कमाने के लिए महंगी आवास परियोजनाओं को प्राथमिकता देते हैं। नतीजा, आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों और निम्न आय समूहों के लिए आवास विकल्प सीमित होते जा रहे हैं। यह स्थिति सामाजिक असमानता को और गहरा करती है।

भारत के अधिकांश बड़े शहरों में लाखों लोग अनौपचारिक बस्तियों में रहते हैं। इनमें स्वच्छ पेयजल, शौचालय, सीवर, स्वास्थ्य सेवाएं और भूमि स्वामित्व का अभाव होता है। यहां रहने वाले लोग लगातार बेदखली, बीमारी और प्राकृतिक आपदाओं के खतरे का सामना करते हैं। शहरी अर्थव्यवस्था का महत्त्वपूर्ण हिस्सा होने के बावजूद ये नागरिक अक्सर नीतिगत प्राथमिकताओं से बाहर रह जाते हैं।

प्रधानमंत्री आवास योजना (क्ष्क्ष्ङ्ख) 'सभी के लिए आवास' के लक्ष्य के साथ शुरू की गई थी। इसके अलावा, 'क्रेडिट लिंक्ड सब्सिडी' योजना ने मध्य और निम्न आय वर्ग को गृह ऋण प्राप्त करने में सहायता प्रदान की है। किफायती किराए वाले आवास परिसर, स्मार्ट सिटी मिशन, अमृत योजना तथा विभिन्न राज्य स्तरीय योजनाएं भी आवासीय सुविधाओं के विस्तार में योगदान दे रही हैं। हालांकि कई चुनौतियां अब भी बनी हुई हैं। कई बार आवास निर्माण तो हो जाता है, लेकिन रोजगार केंद्रों से दूरी, परिवहन सुविधाओं की कमी और सामाजिक अवसंरचना के अभाव के कारण लोग वहां बसना नहीं चाहते। इसलिए आवास नीति को केवल घर निर्माण तक सीमित न रखकर समग्र शहरी विकास से जोड़ना आवश्यक है। आवास वित्त की समस्या भी गंभीर है।

यथास्थान उन्नयन, सामुदायिक भागीदारी, भूमि अधिकारों की सुरक्षा और बुनियादी सुविधाओं का विस्तार अधिक प्रभावी रणनीति सिद्ध हो सकती है। अहमदाबाद की स्लम नेटवर्किंग परियोजना जैसे उदाहरण बताते हैं कि समुदाय की भागीदारी से बेहतर परिणाम प्राप्त किए जा सकते हैं। भविष्य की आवास नीति में जलवायु परिवर्तन को केंद्रीय स्थान देना होगा। ऊर्जा-कुशल भवन, हरित निर्माण सामग्री, वर्षा जल संचयन, सौर ऊर्जा और आपदा-प्रतिरोधी निर्माण तकनीकों को बढ़ावा देना समय की मांग है। इससे न केवल पर्यावरणीय स्थिरता सुनिश्चित होगी, बल्कि दीर्घकाल में आवास की लागत भी कम हो सकती है।

आवास का प्रश्न केवल ईंट, सीमेंट और भूमि का प्रश्न नहीं है। यह मानव गरिमा और सामाजिक समानता का प्रश्न है। एक सुरक्षित और सम्मानजनक घर व्यक्ति को केवल आश्रय ही नहीं देता, बल्कि शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और सामाजिक सुरक्षा के अवसरों तक पहुंच भी सुनिश्चित करता है। यदि किसी समाज में करोड़ों लोग आवासीय असुरक्षा में जीवन बिताने को विवश हैं, तो उस समाज के विकास को पूर्ण नहीं कहा जा सकता।

शहरीकरण को केवल आर्थिक विकास के दृष्टिकोण से नहीं देखा जा सकता। यदि शहरों को भविष्य के विकास इंजन के रूप में स्थापित करना है, तो उन्हें अधिक समावेशी, न्यायसंगत और रहने योग्य बनाना होगा। भारत के लिए भी यह समय है कि वह आवास को कल्याणकारी कार्यक्रम की सीमा से बाहर निकालकर विकास नीति के केंद्र में स्थापित करे, क्योंकि किसी भी आधुनिक और विकसित राष्ट्र की पहचान केवल ऊंची इमारतों से नहीं, बल्कि इस बात से होती है कि उसके प्रत्येक नागरिक के सिर पर सुरक्षित, सम्मानजनक और किफायती छत उपलब्ध है।

समय का सबसे कठिन सबक है बिछड़ना...

> घाव तो वक्त की धूल तले दब जाते हैं, लेकिन समय खुद जो घाव करता है, चाहे वह किसी प्रियजन के बिछड़ने का हो, ढलती उम्र का हो, या हाथ से छूटे हुए सुनहरे अवसरों का, सत्ता या ताकत छूटने का, उसे वह कभी पुराना नहीं होने देता। जब भी हम थोड़ा संभलने की कोशिश करते हैं, वह यादों की गलियों से कोई पुराना कांटा उठाकर फिर से चुभा देता है। यह उसका 'तस्दीक' कराने का तरीका है।

राजेंद्र मोहन शर्मा

बाकी सारे घाव तो किसी न किसी तरह ढक जाते हैं, उन पर वक्त की गर्द जम जाती है, अपनों की झूठी-सच्ची हमदर्दी का लेप लग जाता है और धीरे-धीरे उन्हें पूरी तरह से भरने का एक मुकम्मल भरम भी हो जाता है। हम इंसान उस ढके हुए जख्म की खाल को देखकर मन ही मन तसल्ली की एक लंबी सांस लेते हैं और खुद को गुमराह करते रहते हैं कि चलो, बुरा दौर बीत गया, अब रास्ते सीधे हैं।

लेकिन समय जो घाव देता है, वह किसी मरहम की बिसात नहीं मानता। समय अपने दिए जख्मों को हमेशा हरा रखता है। जब भी हमारी जिंदगी अपनी आपाधापी में थोड़ा-सा संभलने की कोशिश करती है, वह चुपके से उन्हें हरा कर देगा। समय कोई शांत बहती हुई नदी नहीं है, जो किनारों को सहलाकर गुजर जाए। वह एक बेहद शातिर, सजग और बेरहम शिकारी है। जब हम अतीत के मलबे से निकलकर एक नई दुनिया बसाने की कोशिश में मुस्कुराने को हों, जब लगे कि हम वक्त की मार से बहुत आगे निकल आए हैं, ठीक उसी दौरान हमारे निकट से गुजरते पल पुरानी, भूली-बिसरी राहों से चुन-चुनकर नुकीले और जहरीले कांटे बटोर लाता है। वह हमारे कानों के बेहद पास आकर अपनी सर्द सांसों के साथ फुसफुसाता है कि मैंने जो घाव दिए हैं, तुम अपनी पूरी ताकत लगाकर भी उन्हें भरने की कोशिश मत करना। तुम्हारी हर कोशिश मेरी मुट्ठी में है।

ऊपरी तौर पर जमी हुई वह ठंडी परत हमें कुछ पलों के लिए, कुछ दिनों के लिए, या शायद कुछ सालों के लिए एक दिखावे की तसल्ली तो दे सकती है, हमें यह झांसा दे सकती है कि अब सब शांत है, लेकिन वह भीतर की आदिम आग को कभी बुझा नहीं सकती। वह सिर्फ एक अस्थायी आवरण है, एक कमजोर पर्दा है।

जैसे ही स्मृतियों की कोई हल्की-सी सरसराहट होती है, या जिंदगी की राह में कोई नया अप्रत्याशित झटका लगता है, वह ऊपरी परत ताश के पत्तों की तरह भरभराकर ढह जाती है। भीतर से खौलता हुआ, लाल-तप्त, पिघला हुआ लावा फिर से पूरी शिद्दत के साथ बाहर उबल आता है और हम इंसान को एक ही झटके में अहसास हो जाता है कि हम जहां से चले थे, आज भी ठीक उसी जगह बेबस खड़े हैं।

अगर इस कड़वाहट को जीवन के यथार्थ पर कसकर देखा जाए, तो समय हमें इतने रूपों में तोड़ता है कि उनका कोई अंत नहीं है। जब वह हमारे किसी बेहद अजीज को, हमारी धड़कन के सबसे करीब रहने वाले इंसान को हमसे हमेशा-हमेशा के लिए छीन लेता है, तो वह जो खालीपन छोड़ जाता है, उसकी भरपाई कोई ताकत नहीं कर सकती।

साल पर साल गुजरते जाते हैं, कैलेंडर बदलते हैं, लोग हमारे चेहरे को देखकर झूठा दिलासा देते हैं कि अब तो हमें इसकी आदत हो गई होगी, लेकिन सच सिर्फ हमारा अकेलापन जानता है कि वह दर्द वक्त के साथ कम होने के बजाय और ज्यादा गाढ़ा और गहरा होता चला गया है।

उम्र के एक आखिरी पड़ाव पर आकर जब हम थककर पीछे मुड़कर देखते हैं, तो समय के हाथों छूटे हुए बड़े फैसले, गलतियां और खोए हुए सुनहरे अवसर एक स्थायी और कभी न मिटने वाली टीस बन जाते हैं।

समय के ये न भरने वाले घाव ही वास्तव में हमें हमारी अंतिम सांस तक 'मनुष्य' बनाए रखते हैं। अगर समय के दिए सारे जख्म पूरी तरह भर जाते, हम सब कुछ भूलकर पूरी तरह बेफिक्र और चैन से सो जाते, तो हम एक संवेदनशील और जीवंत प्राणी न रहकर पत्थर की एक बेजान मूरत बन जाते।

यह कसक, यह लगातार सालने वाली टीस और भीतर चौबीसों घंटे सुलगता हुआ लावा ही हमारी जिंदा चेतना के सबसे बड़े प्रमाण हैं। समय का असल मकसद सिर्फ हमें दर्द देना नहीं है, बल्कि उस दर्द के बहाने हमें हर सुबह यह याद दिलाना भी है कि इस पूरी कायनात में कुछ भी स्थायी नहीं है।

न हमारी ये छोटी-छोटी खुशियां, न हमारा झूठा अहंकार, न हमारा यह अस्थायी साम्राज्य और न ही हमारा चाहा हुआ चैन। वह एक निष्ठुर और कठोर उस्ताद की तरह जिंदगी के हर मोड़ पर हमारे पुराने जख्मों की खाल को अपने नाखूनों से कुरेदकर हमें हमारी असली औकात और इस पूरी जिंदगी की नश्वरता का तीखा पाठ पढ़ाता रहता है। हम इंसान के पास समय के इस बिछाए हुए जाल और उसके इस निर्मम चक्रव्यूह के सामने घुटने टेकने के अलावा कोई दूसरा विकल्प बचता ही नहीं है।

रास्ता बस इतना ही रह जाता है कि हम इस डरावनी हकीकत को पूरी शिद्दत के साथ गले लगा लें। जब हम यह पूरी तरह मान लेते हैं कि समय के दिए ये गहरे घाव अब कभी नहीं भरेंगे, तो हम उन्हें जबरदस्ती भरने की वह नाकाम और थका देने वाली व्यर्थ कोशिशें हमेशा के लिए छोड़ देते हैं।

हम उस दहकते हुए लावे के साथ, उस उठती हुई कसक के साथ और उस मद्धम दर्द के साथ ही अपनी सांसों का तालमेल बिठाकर जीना सीख लेते हैं। हमारे भीतर छिपी हुई जिजीविषा उस असहनीय दर्द को ही अपनी सबसे बड़ी ढाल और ताकत बना लेती है।

घाव भरे न भरे, पर उस दर्द की भट्ठी में जलकर जो व्यक्तित्व कुंदन की तरह निखरता है, वही समय के इस अंतहीन अट्टहास को सहने का माद्दा रखता है। समय रोज नए घाव देता रहेगा, भीतर का लावा सुलगता रहेगा और हम इंसान इसी कड़वी हकीकत के साए में मुस्कुराते हुए अपनी सांसों का सफर पूरा करते रहेंगे।

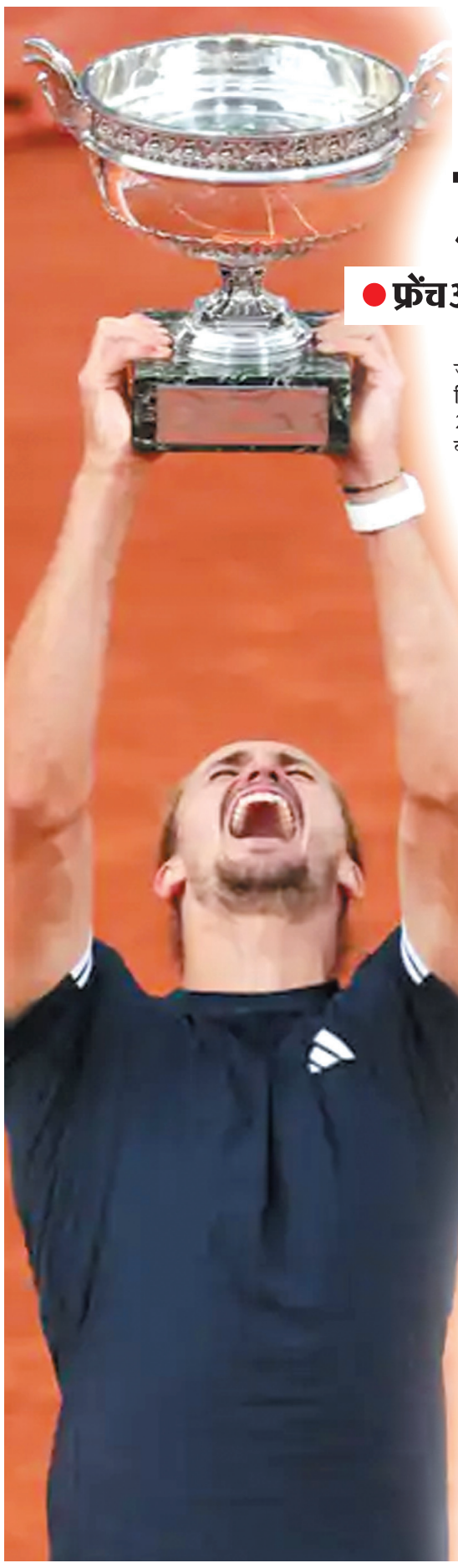

29 साल के ज्वेरेव ने जीता पहला ग्रैंड स्लैम

● फ्रेंच ओपन के फाइनल में कोबोली को हराया, पांच सेट तक चला मुकाबला

पेरिस(एजेंसी)। जर्मनी के एलेक्जेंडर ज्वेरेव ने अपने करियर का पहला ग्रैंड स्लैम खिताब जीत लिया है। उन्होंने फ्रेंच ओपन 2026 के फाइनल में इटली के फ्लेवियो कोबोली को हराया।

पेरिस में खेले गए मेंस सिंगल्स फाइनल में दूसरी सीड ज्वेरेव ने दसवीं वरीयता प्राप्त फ्लेवियो को पांच सेटों में 6-1, 4-6, 6-4, 6-7, 6-1 से हराया। 29 साल के ज्वेरेव 11 साल से ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंटों में खेल रहे हैं। इससे पहले वे ग्रैंड स्लैम में तीन बार फाइनल में और सात बार सेमीफाइनल में हार चुके थे।

फ्रेंच ओपन के अलावा, ऑस्ट्रेलियन ओपन, विम्बलडन और यूएस ओपन को ग्रैंड स्लैम टेनिस टूर्नामेंट कहा जाता है।

टोक्यो ओलिंपिक में गोल्ड जीते थे

ज्वेरेव ने मास्टर्स 1000 इवेंट्स के साथ दो एटीपी फाइल्स भी जीते हैं। टोक्यो में ज्वेरेव ने ओलिंपिक गोल्ड भी जीता था लेकिन उनके खाते में ग्रैंड स्लैम खिताब नहीं था। इससे पहले 2020 यूएस ओपन, 2024 फ्रेंच ओपन और 2025 ऑस्ट्रेलिया ओपन का खिताबी मुकाबला वह हार चुके थे।

6-1 से एक तरफा जीत दर्ज की

ज्वेरेव ने मैच की शुरुआत धमाकेदार अंदाज में करते हुए पहला सेट आसानी से 6-1 से जीत लिया। इसके बाद कोबोली ने वापसी की और दूसरा सेट 6-4 से अपने नाम कर लिया। ज्वेरेव ने फिर तीसरा सेट 6-4 से जीता, लेकिन कोबोली ने चौथे सेट को टाई-ब्रेकर में 7-6(5) से जीतकर मुकाबले को पांचवें सेट में पहुंचा दिया। अंतिम सेट में ज्वेरेव ने एक बार फिर 6-1 से एकतरफा जीत दर्ज की।

89 साल बाद कोई जर्मन मेंस खिलाड़ी चैंपियन बना

ज्वेरेव फ्रेंच ओपन का खिताब जीतने वाले 89 साल के बाद पहले जर्मन मेंस खिलाड़ी बन गए हैं। उनसे पहले 1937 में जर्मनी के हेनर हेन्केल ने यह टूर्नामेंट जीता था। वहीं, किसी भी ग्रैंड स्लैम सिंगल्स का खिताब जीतने वाले आखिरी जर्मन मेंस खिलाड़ी बोरिस बेकर थे, जिन्होंने 1996 में ऑस्ट्रेलियन ओपन जीता था।

कौन हैं उपविजेता फ्लेवियो कोबोली

फ्रेंच ओपन 2026 के फाइनल में पहुंचे फ्लेवियो कोबोली इटली के उभरते हुए टेनिस खिलाड़ियों में गिने जाते हैं। 24 साल के कोबोली पहली बार किसी ग्रैंड स्लैम फाइनल में पहुंचे थे। पूरे टूर्नामेंट में उन्होंने कई मजबूत खिलाड़ियों को हराकर फाइनल तक का सफर तय किया।

● मानव-सुंदर के आगे अफगानिस्तान ने घुटने टेके

एक पारी और 300 रनों से भारत जीता

चंडीगढ़ (एजेंसी)। भारत ने महाराजा यादवेंद्र सिंह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए एकमात्र टेस्ट मुकाबले में अफगानिस्तान को एक पारी और 300 रनों से रौंदा। पहली पारी में 152 रनों पर सिमटने के बाद अफगानिस्तान को फॉलोऑन खेलने के लिए मजबूर होना पड़ा। दूसरी इनिंग में मेहमान टीम का हाल और बेहाल रहा और पूरी टीम 112 रन बनाकर सिमट गई। दूसरी पारी में फॉलोऑन खेलने उतरी अफगानिस्तान को सेदिकुल्लाह अटल और अब्दुल मलिक ने सधी हुई शुरुआत दी और पहले विकेट के लिए 42 रन जोड़े। अब्दुल 8 रन बनाकर आउट हुए, तो अटल 80 गेंदों में 42 रन बनाने के बाद वॉशिंगटन सुंदर का शिकार बने। गुरबाज दूसरी पारी में भी बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सके और 24 रन बनाकर आउट हुए। पहली पारी में अर्धशतक लगाने वाले रहमत शाह दूसरी इनिंग में 13 रन ही बना सके। कप्तान शाहिदी 5 रन ही बना सके, तो अजमतुल्लाह उमरजई 4 रन बनाकर पवेलियन लौटे।

विकेटकीपर-बल्लेबाज अफसर जजई 8 रन बनाकर आउट हुए, तो खरोटी सिर्फ 6 रन ही बना सके। मोहम्मद सलीम बिना खाता खोले आउट हुए और अशरफ चोटिल होने की वजह

अफगानिस्तान ने 39 रन बनाने में 5 विकेट गंवा दिए थे

भारत और अफगानिस्तान के बीच एकमात्र टेस्ट मुकाबला मुल्लांपुर के महाराजा यादवेंद्र सिंह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में खेला जा रहा है। भारत द्वारा बनाए गए 564 रनों के जवाब में अफगानिस्तान की पूरी टीम पहली पारी में 152 रन बनाकर सिमट गई। मानव सुथार विपक्षी टीम के बल्लेबाजों के लिए अबूझ पहेली साबित हुए। टेस्ट के तीसरे दिन अफगानिस्तान ने 113 पर 5 विकेट के स्कोर से आगे खेलना शुरू किया और टीम ने अपने अगले 5 विकेट 39 रन जोड़कर गंवा दिए। अफगानिस्तान की तरफ से सिर्फ रहमत शाह ही भारतीय गेंदबाजों का टिककर सामना कर सके और उन्होंने 60 रनों की पारी खेली। हालांकि, उन्हें दूसरे छोर से बाकी बल्लेबाजों का साथ नहीं मिल सका। तीसरे दिन की शुरुआत अफगानिस्तान के लिए अच्छी नहीं रही और अजमतुल्लाह उमरजई बिना खाता खोले प्रसिद्ध कृष्णा की गेंद पर क्लीन बोल्ड हुए।

'तुरंत चमत्कार की उम्मीद नहीं करें'

सूर्यवंशी को लेकर गांगुली ने चेताया

नई दिल्ली। पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने कहा कि भारत के लिए पदार्पण की दहलीज पर खड़े वैभव सूर्यवंशी को अपने खेल में ढलने का समय दिया जाना चाहिए और उन पर अपेक्षाओं का बोझ नहीं डाला जाना चाहिए। पंद्रह वर्षीय सूर्यवंशी भारतीय क्रिकेट टीम में चुने जाने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बन गए हैं। उन्हें आयरलैंड और इंग्लैंड के दौरे के लिए टी20 टीम में चुना गया है जिसके बाद वह जापान में होने वाले एशियाई खेलों में भी हिस्सा लेंगे।

गांगुली ने मीडिया से कहा, 'मेरा मानना है कि हमें उसे उसके हाल पर छोड़ देना चाहिए। वह अभी महज 15 साल का है और मुझे नहीं लगता कि वह दबाव की ज्यादा परवाह करेगा। आईपीएल में भी हमने यही देखा है।' पूर्व बीसीसीआई अध्यक्ष ने कहा कि ब्रिटेन की परिस्थितियां आईपीएल में माहौल से काफी अलग होंगी और सूर्यवंशी को अपने खेल को उसके अनुसार ढालने की चुनौती मिलेगी।

ब्रिटेन में वैभव की होगी परीक्षा

गांगुली ने कहा, 'निश्चित रूप से भारत के लिए खेलना अलग बात है और वह ऐसे दौरे पर जाएगा, जहां विकेट थोड़े अलग होंगे। वहां गेंद अधिक सीम करेगी, उछाल ज्यादा होगा और नयी गेंद से अधिक मूवमेंट मिलेगा। इसलिए खेल थोड़ा अलग होगा, लेकिन मुझे लगता है कि उसमें अपार प्रतिभा है।

'तुझे जो अच्छा लगे, तू कर'

● बेटे को गेंदबाजी करते देखे बगैर घर लौटे मास्टर साहब, बताया कैसे क्रिकेटर बने मानव सुथार

नई दिल्ली। मानव सुतार ने शानदार पदार्पण करते हुए 15.5 ओवर में 21 रन देकर तीन विकेट लेकर अफगानिस्तान के बल्लेबाजों को बांधे रखा। टेस्ट के दूसरे दिन जगदीश सुथार ने मीडिया से कहा, 'मैं अपनी पत्नी और बेटी मानसी (मानव की छोटी बहन) के साथ उसका पदार्पण देखने आया था। कल उसे टेस्ट कैप लेते देखकर कैसा लगा, मैं इसे बयां नहीं कर सकता, लेकिन आज हम घर वापस आ गए थे क्योंकि हम सब नर्वस थे और स्टेडियम से उसे खेलते हुए देखकर थोड़े अंधविश्वासी भी हो गए थे।'

बेटे की सफलता का श्रेय लेने से बहुत हिचकिचा रहे थे जगदीश- जगदीश अपने बेटे की क्रिकेट के मैदान पर सफलता का श्रेय लेने से बहुत हिचकिचा रहे थे। सुतार ने कहा, 'यह पूरी तरह से मानव की कड़ी मेहनत और उसके घंटों के अभ्यास का नतीजा है। वह सुबह ट्रेनिंग के लिए घर से निकलता था और देर शाम लौटता था। इसका श्रेय उसे और उसके बचपन के कोच धीरज शर्मा को जाता है जिनके हम सब अहसानमंद हैं। मानव ने अपना सारा क्रिकेट उन्हीं से सीखा।'

मानव सुथार की प्रतिभा के बारे में कब पता चला

यह पूछने पर कि उन्हें असल में कब पता चला कि उनके बेटे मानव में प्रतिभा है तो उन्होंने कहा कि यह एक दिन की बात नहीं थी जब उन्हें इसका अहसास हुआ। जगदीश ने कहा, 'हर दूसरे बच्चे की तरह, उसे भी क्रिकेट का बहुत शौक था। जब वह छह से सात साल का था तो वह टेनिस और रबड़ की गेंद से खेलता था। चूंकि मैं एक पीटी (शारीरिक शिक्षा) टीचर था, इसलिए मैंने हमेशा अपने बेटे को यह खेल खेलने और इसका मजा लेने के लिए हिम्मत दी।

इंग्लैंड ने न्यूजीलैंड को पहले टेस्ट में हराया

996 गेंद में मैच खत्म

नई दिल्ली। इंग्लैंड ने न्यूजीलैंड को तीन मैचों की टेस्ट सीरीज के पहले मैच में रविवार (7 जून) को 151 रनों से हरा दिया। लंदन के लॉर्ड्स स्टेडियम में बारिश के कारण चौथे दिन परिणाम आया, लेकिन मैच में सिर्फ 166 ओवर ही गेंदबाजी हुई। कुल 996 गेंद फेंके गए। चार तेज गेंदबाजों काइल जेमीसन, ओली रॉबिन्सन, नाथन स्मिथ और गस एटकिंसन ने पांच-पांच विकेट लिए। हैरी ब्रूक और एमिलियो गे ही अर्धशतक लगा पाए।

57 सर्वोच्च व्यक्तिगत स्कोर रहा, जो गे ने इंग्लैंड की दूसरी पारी में बनाया। न्यूजीलैंड ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला किया। इंग्लैंड ने पहली पारी में 140 रन बनाने के बाद न्यूजीलैंड को 113 रन पर आउट कर दिया और 27 रनों की बढ़त हासिल की। इसके बाद दूसरी पारी में 226 रन बनाकर 254 रनों का लक्ष्य दिया। न्यूजीलैंड की टीम दूसरी पारी में 138 रनों पर सिमट गई।

कप्तान बनने के बाद श्रेयस अय्यर का पहला रिएक्शन

'किसी की छाए में नहीं रहूंगा': श्रेयस

नई दिल्ली। भारतीय टी20 टीम के नये कप्तान श्रेयस अय्यर ने कहा कि उन्हें बचपन से ही चुनौतियों का सामना करना पसंद रहा है। भारतीय टीम की कप्तानी मिलने का मतलब यह नहीं है कि उन्हें अपना व्यक्तित्व बदलना होगा। इस 31 वर्षीय खिलाड़ी को शनिवार (6 जून) को भारतीय टी20 टीम का कप्तान नियुक्त किया गया। उन्होंने सूर्यकुमार यादव की जगह ली है, जिनकी अगुआई में भारत ने मार्च में टी20 विश्व कप का खिताब जीता था।

सूर्यकुमार यादव को टीम में भी जगह नहीं मिली है। अय्यर ने कहा कि वह वही व्यक्ति बने रहना चाहते हैं, जिसने मुंबई के बेहद प्रतिस्पर्धी क्रिकेट माहौल में खेलते हुए अपनी पहचान बनाई। उन्होंने एक कार्यक्रम में कहा, 'मुझे अपना व्यक्तित्व बदलने की जरूरत नहीं है। मुझे वही इंसान बने रहना है जो मैं पहले था। मैं किसी और जैसा बनने या किसी की छाए में रहने की कोशिश नहीं करूंगा।'

चुनौतियां जीवन का हिस्सा

अय्यर ने कहा कि मुंबई जैसे क्रिकेट-प्रेमी शहर में बड़े होने के कारण चुनौतियां उनके जीवन का हिस्सा रही हैं। अय्यर ने कहा, 'मुझे हमेशा चुनौतियां पसंद रही हैं। मुंबई में क्रिकेट का स्तर बहुत ऊंचा है और प्रतिस्पर्धा भी बेहद कड़ी होती है। वहां हर दूसरा बच्चा मुंबई का प्रतिनिधित्व करने का सपना देखता है।'

महिला टी20 विश्व कप में सबसे बड़ी पारी खेलने वालीं 5 बल्लेबाज

नई दिल्ली। महिला टी20 विश्व कप 2026 की उल्टी गिनती शुरू हो चुकी है। 11 जून से इंग्लैंड की धरती पर इस मेगा इवेंट का आयोजन होना है। आपको उन 5 बल्लेबाजों के नाम बताते हैं, जिन्होंने क्रिकेट के सबसे छोटे फॉर्मेट के वर्ल्ड कप में सबसे बड़ी पारी खेली है।

मेग लेनिंग

ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान और स्टार बल्लेबाज मेग लेनिंग के नाम महिला टी20 विश्व कप में सबसे बड़ी पारी खेलने का रिकॉर्ड दर्ज है। लेनिंग ने साल 2014 में आयरलैंड के खिलाफ खेले गए मुकाबले में बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए शतकीय पारी खेली थी। उन्होंने महज 67 गेंदों का सामना कररते हुए 126 रन बनाए थे। अपनी इस पारी में लेनिंग ने 18 चौके और 4 छक्के लगाए थे।

डिएंड्रा डॉटिन

वेस्टइंडीज की धाकड़ बल्लेबाज ड्रिएंडा डॉटिन टी20 विश्व कप में दूसरी सबसे बड़ी पारी खेलने वाली बल्लेबाज रही हैं। उन्होंने 2010 में हुए वर्ल्ड कप में साउथ अफ्रीका के खिलाफ बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए महज 45 गेंदों में 112 रनों की नाबाद पारी खेली थी। उन्होंने अपनी इस पारी में 7 चौके और 9 गगनचुंबी छक्के लगाए थे।

● **हीथर नाइट :** महिला टी20 विश्व कप में सबसे बड़ी पारी खेलने वाले बल्लेबाजों की सूची में तीसरे नंबर पर इंग्लैंड की बल्लेबाज हीथर नाइट का नाम दर्ज है। उन्होंने 2020 में थाईलैंड के खिलाफ खेले गए मुकाबले में शानदार बैटिंग करते हुए 66 गेंदों में 108 रनों की नाबाद पारी खेली थी।

हरमनप्रीत कौर

भारतीय टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने 2020 में हुए महिला टी20 विश्व कप में न्यूजीलैंड के खिलाफ 51 गेंदों में 103 रनों की दमदार पारी खेली थी। हरमनप्रीत ने अपनी इस पारी में 7 चौके और 8 छक्के लगाए। उन्होंने 103 रनों की अपनी इस पारी में से 76 रन सिर्फ चौके-छक्के से बटोरे थे।

मुनीबा अली

पाकिस्तान टीम की बल्लेबाज मुनीबा अली के नाम महिला टी20 विश्व कप में पांचवीं सबसे बड़ी पारी खेलने का रिकॉर्ड दर्ज है। उन्होंने 2023 में हुए वर्ल्ड कप में आयरलैंड के खिलाफ शानदार बल्लेबाजी करते हुए 68 गेंदों में 102 रनों की दमदार पारी खेली थी। मुनीबा ने अपनी इस इनिंग में 14 चौके जमाए थे।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अन्नपूर्णा गुप्ता द्वारा भास्कर प्रिंटिंग प्रेस प्लांट नं. 535 एवं 1272, लालगुटवा रातू पुलिस स्टेशन रांची में मुद्रित तथा विजय जनरल स्टोर, हिनू चौक रांची-834002 से प्रकाशित समस्त दिवानी विवाद न्यायोचित एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकारी रांची न्यायालय में रहेगा। पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के जिम्मेदार। **प्रधान संपादक**-अन्नपूर्णा गुप्ता, कार्यालय नं.0651-2253830,मो.9471717919, 7895244551 ईमेलः alagpahchan@gmail.com, www.alagpahchan.com पोस्टल रजिस्ट्रेशन 2013 JHAHINO0575 RNI No.JHAHIN(2013) 66670